SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 176 | गुवाहाटी | बुधवार, 18 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बाक्सा में नाव पलटी, आठ को बचाया व एक लापता पेज 3
भारतीय सेना में पहली बार 108 महिला अफसर बनेंगी कर्नल, आर्मी बोर्ड गठित पेज 4
स्वास्थ्य विभाग में दवाओं के नाम पर मची है लूट : अखिलेश पेज 5
राजस्थान में कांग्रेस फिर बनाएगी सरकार : पायलट पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दंड से सम्पदा का आयोजन होता है।
– आचार्य चाणक्य

मुस्लिम समाज के बारे में गलत बयानबाजी ना करें : पीएम मोदी

भाजपा नेताओं को पीएम मोदी की नसीहत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संबोधित किया. पीएम ने बीजेपी नेताओं को नसीहत दी और कहा कि मुस्लिम समाज के बारे में गलत बयानबाजी ना करें. उन्होंने कहा कि पसमांदा और बोरा समाज से मिलना चाहिए। कार्यकर्ताओं के साथ संवाद बनाकर रखना होगा। समाज के सभी वर्गों से मुलाकात करें। चाहे वोट दें या ना दें, लेकिन मुलाकात करें. पार्टी के कई लोगों को अब भी लगता है कि विपक्ष में हैं। पार्टी के कई लोगों को मर्यादित भाषा बोलनी चाहिए.सूत्रों के मुताबिक, पीएम ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं से कहा कि अति आत्मविश्वास के चलते चुनाव हार गए थे। अति आत्म विश्वास से सभी को बचना चाहिए। सभी को मेहनत करने की जरूरत है। ये सोचना कि *मोदी आएंगे, जीत जाएंगे* इससे काम नहीं चलेगा. सभी को संवेदनशील होने की जरूरत है। सत्ता में बैठे लोग ये ना समझें कि स्थाई हैं। पीएम ने कार्यकर्ताओं को टास्क किया है। कहा कि बॉर्डर के करीब गांव में संगठन को मजबूत किया जाए। मेहनत में पीछे नहीं हटना है। चुनाव में 400 दिन बचे हैं। पूरी ताकत के साथ लग जाएं। प्रधानमंत्री ने बॉर्डर स्टेट में बॉर्डर के समीप गांव में संगठन को मजबूत करने और नए कार्यकर्ताओं को बूथ को मजबूत करने के दिशा निर्देश दिए। अलग-अलग जगहों पर जाकर लोगों से मिलना चाहिए मोदी ने कहा कि मोदी ने कहा कि भारत के जीवन का सर्वोत्तम काल आ रहा है। ऐसे में मेहनत मे पीछे ना रहें। प्रयत्नों की पराकाष्ठा कीजिए। अलग-अलग जगहों पर जाकर लोगों से मिलना है। राष्ट्रवाद की अलख हर जगह जलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरी ताकत के साथ चुनाव में जुट जाएं। मेहनत में हमको पीछे नहीं हटना है। मोदी ने कहा कि भाजपा अब केवल राजनीतिक आंदोलन भर नहीं है। सामाजिक आंदोलन में बदलना चाहिए। उन्होंने भाजपा मोर्चो के कार्यक्रम के लिए कहा कि पीएम ने कहा कि अमृतकाल को कर्त्तव्यकाल में बदलना है। अब सामाजिक तौर पर अहम भूमिका निभाना है। *युवाओं तक संदेश को पहुंचाना है* बीजेपी कार्यकारिणी की बैठक के बाद देवेंद्र फडणवीस ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का भाषण किसी नेता का नहीं, राजनीतिज्ञ की तरह था। उन्होंने देश को पार्टी से ऊपर रखा। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि किस प्रकार से हम कुशासन से सुशासन की ओर आए हैं ये संदेश हमें युवाओं तक पहुंचाना है। हमें संवेदनशीलता के साथ समाज के सभी अंगों से जुड़ना है। वोट की चिंता किए बिना देश और समाज को बदलने का कार्य भाजपा को करना है।18-25 वर्ष से कम आयु के लोगों ने भारत के राजनीतिक इतिहास को नहीं देखा है। उन्हें -शेष पृष्ठ दो पर

यूएन ने अब्दुल रहमान मक्की को ग्लोबल आतंकी घोषित किया

न्यूयॉर्क। लंबे समय से पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की का समर्थन करते आ रहे चीन ने आखिरकार अपना हाथ खींच लिया है। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने लश्कर-ए-तैयबा के डिप्टी मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकी की लिस्ट में डाल दिया है। इससे पहले जब भी इसको लेकर प्रस्ताव पेश किया जाता था, चीन अड़ंगा लगा देता था। पहली बार उसने पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है। बता दें कि मक्की को अमेरिका पहले ही आतंकी घोषित कर दिया है। सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी उसे ग्लोबल टेररिस्ट की लिस्ट में शामिल कर लिया। बता दें कि बीते साल जून में भारत ने इसी बात को लेकर चीन को खूब सुनाया था। यूएन में जब मक्की के खिलाफ प्रस्ताव लाया गया था तब चीन ने अज्ञात कारणों से इसपर असहमति जता दी थी। 75 साल के मक्की का लश्कर में बड़ा पद था और भारत ने भी अपने -शेष पृष्ठ दो पर

वरुण को गले लगा सकता हूं पर उनकी विचारधारा के खिलाफ : राहुल

होसियारपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को पंजाब में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भाजपा सांसद वरुण गांधी को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि वे वरुण गांधी को गले लगा सकते हैं, लेकिन उनकी विचारधारा के खिलाफ हैं। राहुल बोले कि वे आरएसएस के दफ्तर नहीं जा सकते हैं। इसके लिए उनकी गर्दन काटनी होगी। राहुल ने यह भी कहा- मेरे परिवार की एक विचारधारा है। वरुण ने दूसरी विचारधारा चुनी। मैं उस विचारधारा को अपना नहीं सकता। पहली... सुबह 8.05 बजे यात्रा जालंधर-पठानकोट रोड पर थी। इसी दौरान होशियारपुर में दसूहा के पास एक युवक राहुल गांधी का थ्री-लेयर सुरक्षा घेरा तोड़ने में सफल रहा। युवक सीधे राहुल के पास पहुंच गया और उन्हें गले लगा लिया। यह देख पंजाब कांग्रेस के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग आगे बड़े और युवक को पीछे धकेल दिया। सुरक्षाकर्मी भी यह देख युवक की तरफ लपके। दूसरी... चूक सुबह 8.40 बजे हुई। टी-ब्रेक के लिए यात्रा होशियारपुर के ही गांव गांव बस्सी के किसान हट ढाबे पर रुकी थी। सड़क क्रॉस करने के लिए राहुल गांधी आगे बढ़े, तभी सिर पर केसरी परना बांधे हुए युवक आगे बढ़ गया और राहुल -शेष पृष्ठ दो पर

अल्पसंख्यकों की पहचान पर छह राज्यों-संघ शासित प्रदेशों ने नहीं दी राय, एसी नाराज

नई दिल्ली। अल्पसंख्यकों की राज्य स्तर पर पहचान किए जाने के मामले में छह राज्यों और संघ शासित प्रदेशों ने अब तक अपनी राय नहीं दी है। उच्चतम न्यायालय ने इस पर अपनी नाराजगी जताई है। न्यायमूर्ति एस के कौल, ए एस ओका और जे बी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि यह हमारी समझ से परे है कि इन राज्यों ने जवाब क्यों नहीं दिया। न्यायालय ने केंद्र सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

2024 के चुनावी रण में भाजपा की कमान संभालेंगे जेपी नड्डा

नई दिल्ली। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर जेपी नड्डा का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया गया। मंगलवार को यह फैसला भाजपा कार्यकारिणी बैठक के दौरान लिया गया। भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जेपी नड्डा का कार्यकाल जून 2024 तक बढ़ाया गया है। जेपीनड्डा को जून 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। इसके बाद 20 जनवरी 2020 को उन्हें पूर्णकालिक अध्यक्ष बनाया गया।नड्डा का कार्यकाल 20 जनवरी को खत्म हो रहा है। बता दें कि दिल्ली में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक का आज आखिरी दिन -शेष पृष्ठ दो पर

मोहन भागवत कोलकाता में नेताजी की जयंती के कार्यक्रम में होंगे शामिल

कोलकाता (हिंस.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत पांच दिवसीय दौरे पर बुधवार को कोलकाता आ रहे हैं। इस दौरान डॉ. भागवत नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर कोलकाता में आयोजित संघ के गणवेशधारी स्वयंसेवकों के बड़े कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह जानकारी संघ के दक्षिण बंगाल प्रांत के प्रचार प्रमुख विप्लव रॉय ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। कोलकाता प्रेस -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल जम्मू-कश्मीर में पैदल न लें यात्रा में भाग : सुरक्षा एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा लगातार जारी है। इन दिनों राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पंजाब में है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 19 जनवरी को जम्मू-कश्मीर पहुंचेगी। 30 जनवरी को श्रीनगर में इस यात्रा का समापन होगा। राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर मंगलवार को एजेंसियों ने घाटी में यात्रा निकालने के दौरान कुछ एहतियात बरतने को कहा है। दरअसल उनकी सुरक्षा को लेकर सबसे बड़ी चिंता उनकी घाटी में होने वाली पैदल यात्रा है। उनकी सुरक्षा कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ करेगी। मंगलवार को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया था। कोई अज्ञात शख्स सुरक्षा घेरा तोड़कर अंदर आया और उसने राहुल गांधी को गले लगा लिया। सुरक्षा चूक के इस पूरे मामले पर खुद राहुल गांधी ने प्रेस की। इस बीच पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस को उम्मीद है कि सरकार सुरक्षा को लेकर उनकी -शेष पृष्ठ दो पर

असम पुलिस ने 50 करोड़ रुपए मूल्य का मादक पदार्थ जब्त किया

गुवाहाटी। असम पुलिस ने मंगलवार सुबह राज्य के करीमगंज जिले में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामग्री जब्त की है, अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि मिजोरम से आ रही एक गाड़ी से कुल 7.6 लाख याबा टैबलेट जब्त किए गए। पुलिस ने नशा तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि बरामद मादक पदार्थ की बाजार कीमत करीब 50 करोड़ रुपए है। पुलिस अधीक्षक पद्मनाभ बरुआ ने कहा कि करीमगंज शहर से सटे पुलिस चौकी पर पुलिस अधिकारियों ने आज सुबह एक वाहन की असामान्य आवाजाही देखी। पुलिस अधिकारी ने कहा, जब पुलिस अधिकारियों ने वाहन को रोका और इसकी जांच करने का प्रयास किया तो चालक ने 20 लाख की रिश्वत की पेशकश की। चालक को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी लेने पर पुलिस को याबा -शेष पृष्ठ दो पर

निकल गई पाकिस्तान की हेकड़ी भारत से तीन युद्ध में मिल गया सबक, शांति चाहता हूं : शाहबाज

अबू धाबी। भारत को बार-बार हमले की धमकी देने वाले पाकिस्तान की आज पूरी हेकड़ी निकल गई है। अपने सबसे बुरे आर्थिक दौर से गुजर रहे पाकिस्तान के तेवर अब ढीले पड़ गए हैं। पड़ोसी मुल्क आज शांति की बातें कर रहा है। पाक पीएम शहबाज शरीफ का एक बयान सामने आया है। अपने बयान में शरीफ के सुर बदले-बदले दिख रहे हैं। शहबाज शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान ने भारत के साथ तीन युद्धों के बाद सबक सीख लिया है। पाकिस्तान अब अपने पड़ोसी के साथ शांति चाहता है। हृद्ध के मुताबिक, दुबई स्थित अल अरबिया टीवी को दिए गए इंटरव्यू में उन्होंने देश के पीएम नरेंद्र मोदी के साथ कश्मीर मुद्दे पर बातचीत की अपील भी की। हालांकि, ये इंटरव्यू कितना पुराना है, इसकी पुष्ट जानकारी नहीं है। शरीफ ने इंटरव्यू में कहा कि भारतीय नेतृत्व और प्रधानमंत्री मोदी को मेरा संदेश है कि आइए टेबल पर बैठें और कश्मीर जैसे बिंदुओं -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक में गुजरात फॉर्मूला लागू करेगी भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रहीभाजपा की कार्यकारिणी बैठक का आज दूसरा दिन है। पहले दिन, यानी सोमवार को सबसे ज्यादा चर्चा गुजरात में पार्टी की जीत के फॉर्मूले की रही। इसी मॉडल को कर्नाटक में आगे बढ़ाया जाएगा। कर्नाटक में मई तक चुनाव होना है। यहां पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा की वापसी के आसार बन रहे हैं। पीएम मोदी ने सोमवार को कार्यकारिणी बैठक से अलग येदियुरप्पा से 15 मिनट मुलाकात की थी। जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहे हैं, पार्टी में येदियुरप्पा की अहमियत बढ़ रही है। वे पार्टी के संसदीय बोर्ड में भी हैं। लिंगायत समुदाय का सपोर्ट उनके साथ है। कर्नाटक में पार्टी फिर येदियुरप्पा को चेहरा बना सकती है। दूसरी ओर कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई महाराष्ट्र के साथ सीमा विवाद से उलझ गए हैं। सूत्र बता रहे हैं कि उनकी विदाई हो सकती है। आज की बैठक में चुनावी राज्यों की लीडरशिप का भी टेस्ट होगा। उन्हें अपनी जीत का रोडमैप और इसके लिए क्या तैयारी की है, ये बताना है। पहले दिन का दूसरा अहम मुद्दा विपक्ष केभाजपा और पीएम मोदी के खिलाफ निगेटिव कैंपेन चलाने और अभद्र भाषा के इस्तेमाल का रहा। पेगासस, -शेष पृष्ठ दो पर

कोविड टीकों पर मीडिया रिपोर्ट्स के दावों को स्वास्थ्य मंत्रालय ने किया खारिज

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के अधिकारियों द्वारा कोविड-19 टीकों के कई दुष्प्रभाव होने का दावा करने वाली मीडिया रिपोर्ट गलत हैं। एक आरटीआई प्रतिक्रिया का हवाला देते हुए, हाल ही में एक समाचार रिपोर्ट में दावा किया गया था कि आईसीएमआर और सीडीएससीओ के अधिकारियों -शेष पृष्ठ दो पर

गूगल ट्रांसलेट में अब 33 नई भाषाओं में कर सकेंगे काम

नई दिल्ली। आज हर दूसरे शख्स को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में गूगल की जरूरत पड़ती है। किसी विषय की जानकारी लेनी हो या किसी शब्द या पूरे वाक्य का अर्थ जानना हो, गूगल आपकी हर परेशानी को चुटकियों में सुलझा देता है। आप भी अपने काम में गूगल ट्रांसलेट गूगल ट्रांसलेट का इस्तेमाल करते होंगे अगर करते हैं तो यह खबर आपके लिए एक नई अपडेट लेकर आई है। गूगल ट्रांसलेट में अब यूजर्स को 33 नई भाषाओं का सपोर्ट मिल रहा हैं। जी हां, गूगल की नई अपडेट के मुताबिक यूजर इस नई सुविधा का इस्तेमाल इंटरनेट कनेक्शन ना होने की स्थिति में भी कर सकते हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस की एक रिपोर्ट के अनुसार गूगल ने ट्रांसलेशन को पहले से अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए नई अपडेट को जोड़ा है। खास बात यह है कि दोनों ही ओपेरेटिंग सिस्टम पर इस फीचर का इस्तेमाल किया जा सकेगा। जानकारी हो कि गूगल ट्रांसलेट ट्रांसलेशन गूगल ट्रांसलेट के लिए गूगल की एक ऐप है, जिसमें यूजर्स को टेक्स्ट ट्रांसलेट - शेष पृष्ठ दो पर

कतर में 129 दिन से कैद 8 रिटायर्ड नेवी अफसर क्यों नहीं छुड़ा पा रहा भारत, क्या इजराइल के लिए जासूसी कर रहे थे

नई दिल्ली। 30 अगस्त 2022 की बात है। कतर में इंडियन नेवी के 8 रिटायर्ड ऑफिसर अपने घरों में सो रहे थे। इसी दौरान कतर के इंटेलिजेंस ऑफिसर पहुंचते हैं और उन्हें गिरफ्तार कर लेते हैं। इन्हें अलग-अलग जगहों पर कैद रखा जाता है। 129 दिनों के बाद भी इन्हें भारत सरकार छुड़ा नहीं पाई है। भास्कर एक्सप्लेनर में जानेंगे कि नेवी के 8 पूर्व अफसरों को क्यों गिरफ्तार किया गया? आखिर वो किस कंपनी में काम कर रहे थे? कतर उन्हें क्यों नहीं छोड़ रहा? कतर में जिन 8 पूर्व नेवी अफसरों को गिरफ्तार किया गया है उनके नाम हैं- कैप्टेन नवतेज सिंह गिल, कैप्टेन सौरभ वशिष्ठ, कैप्टेन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी, कमांडर सुग्नाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और सेलर रागेश। ये सभी कतर में दाहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी नाम की निजी कंपनी में काम करते थे। दाहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी डिफेंस सर्विस प्रोवाइड करती है। ओमान एयरफोर्स के रिटायर्ड स्क्वाड्रन लीडर खमिस अल अजमीक इसके प्रमुख हैं। उन्हें भी 8 भारतीय नागरिकों के साथ गिरफ्तार किया गया था, लेकिन नवंबर में छोड़ दिया गया। यह कंपनी कतरी अमीर नेवल फोर्स को ट्रेनिंग और दूसरी सर्विस प्रदान करती है। कंपनी खुद को डिफेंस इक्विपमेंट्स को चलाने और उनकी रिपेयरिंग व मेंटेनेंस का एक्सपर्ट बताती है। इस

वेबसाइट पर कंपनी के सीनियर अधिकारियों और उनके पद की पूरी जानकारी दी गई है। हालांकि, 8 भारतीयों की गिरफ्तारी के बाद से दाहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी की वेबसाइट अब मौजूद नहीं है। नई वेबसाइट में कंपनी का नाम दाहरा ग्लोबल है। इसमें कंपनी से क्यूईएनएफ का कोई कनेक्शन नहीं दिखाया गया है, न ही नेवी के पूर्व अफसरों का जिक्र है जो कंपनी में लीडरशिप रोल में थे। दाहरा कंपनी में मैनेजिंग डायरेक्टर रिटायर्ड कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी को भारत और कतर के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने में उनकी सेवाओं के लिए साल 2019 में प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार मिला था। वह यह पुरस्कार पाने वाले आर्म्ड फोर्सेज के एकमात्र शख्स हैं। उस वक्त दोहा में तब के भारतीय राजदूत पी कुमारन और कतर डिफेंस - शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बडगाम मुठभेड़ में लश्कर के दो आतंकी ढेर, हथियार बरामद

बडगाम (हि.स.)। बडगाम जिले में मंगलवार को अदालत परिसर के पास आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को मार गिराया है। मारे गए आतंकियों के पास से हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अदालत परिसर के पास विश्वसनीय सूचना पर सेना और पुलिस की संयुक्त टीम ने नाका लगाया। नाके के दौरान सुरक्षाबलों ने एक संदिग्ध वाहन को रोकने की कोशिश की। यह देखकर वाहन के भीतर से आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में दो आतंकी मारे गए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि मारे गए आतंकी प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे। उनकी पहचान पुलवामा जिले के अरबाज मीर और शाहिद शेख के रूप में हुई। एडीजीपी ने कहा कि दोनों आतंकी पिछले हफ्ते पास के मागम इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान फरार हो गए थे। मारे गए आतंकियों के पास से एक एके राइफल और एक पिस्तौल बरामद की गई है।

विधायक का एफबी अकाउंट हैक

हैलाकांदी (हि.स.)। इस बार हैलाकांदी के एक विधायक हैकरों के शिकार हो गए हैं। कतलीछोरा के विधायक सुजाम उद्दीन लश्कर हैकरों के शिकार हुए हैं। हैकरों ने विधायक के फेसबुक अकाउंट को हैक कर विभिन्न अश्लील तस्वीरें अपलोड कर दिया है। विधायक सुजाम उद्दीन लस्कर ने हैलाकांदी जिला के लाला पुलिस थाने में अपने फेसबुक अकाउंट को हैक करने के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कराया है। विधायक ने गृह विभाग और हैलाकांदी पुलिस से उचित जांच करने और हैकरों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है। राज्य में पहले भी कई प्रशासनिक अधिकारी, राजनेताओं के सोशल मीडिया के अकाउंट हैक हो चुके हैं।

पुलिस गोलीबारी की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के गीतानगर कार्बीपथ इलाके में 23 दिसंबर को पुलिस गोलीबारी में मुकेश साहा के घायल होने की घटना की मजिस्ट्रेट स्तर की जांच के आदेश दिए गए हैं। मंगलवार को कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन की ओर से जारी एक बयान में बताया गया है कि सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (सदर) जय शिवानी ने गुवाहाटी राजस्व सर्कल के सर्कल ऑफिसर (अटैच) दीपांकर बर्मन को मामले की जांच करने और दस दिनों के भीतर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

लायंस क्लब ने बांटे कंबल

गुवाहाटी (निसं)। मकर सक्रांति एवं बिहू पर्व के अवसर पर लायंस क्लब द्वारा सर्दी के इस मौसम में जरूरतमंद परिवारों को कम्बल दान किया गया इस अवसर पर रामसीन चापरी गांव, बोंदा, नारंगी, नूनमाटी और मटेघरिया क्षेत्र में रेलवे लाइनों के पास स्लम क्षेत्र मे कंबल वितरण किया गया इसके अलावा बक्सा जिले के गोरेश्वर शहर के पास निज कुशला गांव मे आंचल कार्यक्रम के तहत सुरेंद्र कुमार के सहयोग से नामघर का पुनर्निर्माण किय गया। इस दौरान क्लब के सदस्यों ने माघ बिहू के अवसर पर ग्रामीणों को जैकेट, कंबल और बच्चों को बिस्कुट, चॉकलेट भी बांटे।

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई
Apollo HOSPITALS
ऑब्स्ट्रेट्रिसियन एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ (गायनोकोलॉजिस्ट)
डा. मीरा राघवन, MD (O&G), DNB (O&G), MNAMS, MRCOG (UK)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
24 जनवरी, 2023 को
जो मरीज पेशाब संबंधी रोगों, पेशाब की निरंतरता, जब खांसी होती है, या सर्दी होती है तो पेशाब के टपकने से, यूटेरिन प्रोलैप्से (स्लिपपेज ऑफ यूटर्स), असामान्य रक्तस्राव (ब्लीडिंग), गर्भाशय (यूटर्स एवं ओवरी) में घावों (ट्यूमर्स), गर्भधारण में कठिनाइयां, बार-बार गर्भ गिर जाने से परेशान हैं, वे अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं।
APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई
चेन्नई
Apollo HOSPITALS
मूत्ररोग विशेषज्ञ (यूरोलॉजिस्ट)
डॉ. एन राघवन, MS(Gen Surg), FRCSEd, (Surg in General), MD (Uro-Oncology) FRCS (Uncology)
गुवाहाटी में केवल परामर्श के लिए उपलब्ध होंगे
24 जनवरी, 2023 को
जो मरीज जब खांसी होती है और सर्दी होती तब पेशाब चूने से,पेशाब में कठिनाई, पेशाब में रक्त आने से पेशाब के बढ़ने या कमने से किडनी / पेशाब में पत्थरी, यूरिजरी ट्रैक में पत्थरी से, ब्लैडर कठिनाइयों से, प्रोस्टेट कैंसर, प्रोस्टेट इनलार्जमेंट, पेनाइल कैंसर टेस्टीकुलर कैंसर, किडनी में कैंसर और सेक्स संबंधी समस्याओं से परेशान हैं, वे अपना-अपना नाम रजिस्टर करा सकते हैं।
APOLLO HOSPITAL INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

बजट सत्र की शुरुआत हंगामेदार रहने के आसार

जयपुर (हि.स.)। राजस्थान विधानसभा का 23 जनवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र के हंगामेदार रहने के आसार है। गहलोत सरकार का पांचवा और अंतिम बजट होने के चलते विपक्ष सरकार को घेरने में कोई कमी नहीं छोड़ना चाह रहा है। भाजपा सत्र के पहले दिन ही पेपर लीक मामले और कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर हमलावर रहेगी। भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा भी समर्थकों और बेरोजगारों के साथ विधानसभा का घेराव करने का ऐलान कर चुके हैं। बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान भी विपक्ष पेपर लीक मामले और कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाकर सरकार को घेर सकता हैं। भाजपा के साथ-साथ राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, माकपा और निर्दलीय विधायक भी इस मामले में सरकार पर मुखर रहेंगे। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और भाजपा के विधायकों ने इसके संकेत भी दिए हैं। पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा अपने समर्थकों और बेरोजगारों के साथ विधानसभा का घेराव करेंगे। पेपर लीक मामले में सांसद किरोड़ी मीणा बेरोजगार आक्रोश यात्रा निकाल रहे हैं। यात्रा 24 जनवरी को दौसा से कूच करके जयपुर पहुंचेगी और विधानसभा का घेराव करेगी। इस मामले में सांसद किरोड़ी मीणा ने भाजपा विधायकों से भी लोकतांत्रिक तरीके से सरकार को सदन में घेरने की अपील की है। किरोड़ी मीणा ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि 24 जनवरी को बेरोजगार आक्रोश यात्रा दौसा से कूच कर विधानसभा पहुंचेगी तथा विधानसभा का घेराव करेगी। मीणा ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि भाजपा के विधायक विधानसभा के अंदर लोकतांत्रिक तरीके से प्रदेश के बेरोजगार युवाओं की मांग उठाएंगे। रीट, आरएएस, एसआई, वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक की सीबीआई जांच की मांग करेंगे। साथ ही सीएचए अभ्यर्थियों को रोजगार मिले, इसकी मांग करेंगे। मीणा ने प्रदेश के बेरोजगारों से भी अधिक से अधिक संख्या में विधानसभा कूच करने की अपील की है। भाजपा भी कानून व्यवस्था और पेपर लीक मामले को लेकर गहलोत सरकार को घेरने की रणनीति तैयार करने में है।

रंगेश्वरी विकास समिति की पहल पर शैक्षिक विकास कार्यशाला आयोजित

नगरबेड़ा (निसं)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के तहत रंगेश्वरी में छात्रों की शिक्षा को विकसित करने के उद्देश्य से 15 जनवरी को एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। स्थानीय स्वयंसेवी संस्था रंगेश्वरी विकास समिति की पहल के तहत रंगेश्वरी-तुपामारी ईदगाह सभाघर में आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता विकास समिति के अध्यक्ष सरबत आली ने की। कार्यशाला में बिमला प्रसाद चालिहा कॉलेज, नगरबेड़ा के एसोसिएट प्रोफेसर अबू बकर सिद्दीकी, अयनल हक और जुलहक अली ने क्रमशः कंटेंट पर्सन के रूप में भाग लिया और छात्रों और अभिभावकों को संबोधित शैक्षिक पहलुओं पर मूल्यवान भाषण दिए। इस अवसर पर तुपामारी प्राथमिक विद्यालय संख्या 465 के प्रधानाध्यापक जमीर उद्दीन अहमद ने भी भाग लिया। रंगेश्वरी तुपामारी ईदगाह प्रबंध समिति के सचिव अजमल हक सरकार, सेवानिवृत्त शिक्षक नजरुल इस्लाम सहित सैकड़ों छात्र और क्षेत्र के कई स्कूलों के छात्रों के माता-पिता उपस्थित थे। क्षेत्र के जागरूक लोगों ने आने वाले दिनों में ऐसे शिक्षण जैसे कार्यक्रम हाथ में लेने के मांग किया।

ECF No. 267714/55

NOTICE

Ceremonial distribution of appointment letters for the post of M&HO-I/GDMO etc. in the various health institutions under Health & Family Welfare Department, Assam

This is for information of all concerned that the ceremonial distribution of appointment letters of selected candidates for the post of M&HO-I/GDMO etc. in the various health institutions under Health & Family Welfare Department, Assam by the **Hon'ble Chief Minister, Assam has been scheduled on 19th January, 2023 at 1 PM at Srimanta Sankaradeva Kalakshetra, Panjabari, Guwahati, Assam.**

All candidates selected vide No.MHRB/38/M&HO-I/2022/1686, dated 2nd January, 2023 are requested **to report at the venue by 12 P.M. and take their seats one hour prior to the scheduled time.**

All the selected candidates must bring notarized affidavit as prescribed in Personnel Department's OM No.ABP.78/2021/01 dated 18/11/2021. (Same may be viewed in the following link: **https://hfw.assam. gov. in/documents-detail/affidavit-for-self-declaration-of-character).**

Joint Secretary to the Govt. of Assam
Health & Family Welfare Department

-- Janasanyog /D/20583/22

पृष्ठ एक का शेष

वरुण को गले लगा सकता हूं ...

के करीब पहुंच गया। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इसे भांप लिया। जिसके बाद युवक को हिरासत में ले लिया गया। ये दोनों घटनाएं 35 मिनट के भीतर हुईं। यह स्थिति तब है जबकि पंजाब में राहुल गांधी को सबसे ज्यादा सिक्योरिटी दी गई है। यहां वह थ्री लेयर सुरक्षा में चल रहे हैं। युवक के गले लगने की घटना पर राहुल बोले- मैं उस व्यक्ति को नहीं देख पाया, जो मेरे गले लगने आया था। मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप इसे सुरक्षा में चूक क्यों कह रहे हैं। इस यात्रा में बहुत ज्यादा जोश देखने को मिल रहा है। ऐसा होता रहता है। सुरक्षा में लगे लोगों ने उस युवक की जांच की थी। वह केवल उत्साहित था। होशियारपुर में पहले दिन राहुल गांधी ने सीएम भगवंत मान को नसीहत दी। राहुल ने कहा कि वह दिल्ली के दबाव में न आएं। अरविंद केजरीवाल का रिमोट कंट्रोल न बनें। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने जवाब में देर नहीं लगाई। उन्होंने कैप्टन अमरिंदर सिंह को सीएम की कुर्सी से हटाने और चन्नी को सीएम बनाने को लेकर राहुल गांधी को जोरदार जवाब दिया है।

मुस्लिम समाज के बारे...

पिछली सरकारों में हुए भ्रष्टाचार और गलत कामों के बारे में पता नहीं है। इसलिए, उन्हें जागरूक करने और उन्हें भाजपा के सुशासन के बारे में बताने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार से हमने बेटी बचाओ अभियान को सफल बनाया उसी प्रकार से धरती बचाओ अभियान भी चलाना होगा. फर्टिलाइजर की अधिकता के कारण जलवायु परिवर्तन और धरती माता पर पड़ने वाले परिणामों को कम करने की आवश्यकता है ।प्रधानमंत्री ने कहा कि आकांक्षी जिलों के विकास में भी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की भूमिका हो, इसके अतिरिक्त हमारे सभी राज्य एक दूसरे के साथ समन्वय बढ़ाते हुए भावनात्मक रूप से जुड़ें। हमें सलाह दी गई है कि मोर्चा के कुछ विशेष कार्यक्रम विशेष रूप से सीमावर्ती गांवों में आयोजित किए जाएं, ताकि हम उनसे और जुड़ सकें और हमारी विकास की योजनाएं इन क्षेत्रों तक पहुंचे। नई राह दिखाने वाला था पीएम का संबोधन फडणवीस ने कहा कि आज का प्रधानमंत्री का उद्बोधन प्रेरक भी था, दिशा दर्शक भी था और नई राह दिखने वाला था। उन्होंने कहा कि अपने जीवन का क्षण-क्षण भारत की विकास गाथा में लगाएं. इस *अमृत काल* को *कर्तव्य काल* में परवर्तित करने से ही देश को आगे ले जाय जा सकता है। भाजपा जोड़ो अभियान चलाएगी पार्टी हमें संवेदनशीलता के साथ सभी को जोड़ना है। यह सिर्फ वोट के लिए नहीं बल्कि लोगों को जोड़ने के लिए करना है। बीजेपी में बड़े पैमाने पर सदस्यता होती है और लोकतांत्रिक तरीके से चयन होता है। प्राथमिक स्तर पर सदस्यों का सम्मेलन हो, जिले स्तर पर यह बात भी कही।

अल्पसंख्यकों की पहचान पर ...

को उनकी राय लेने का आखिरी अवसर दिया और कहा कि इन राज्यों द्वारा जवाब नहीं देने पर ऐसा माना जाएगा कि इन्हें इस मामले में कुछ नहीं कहना है। इससे पहले केंद्र की तरफ से पेश हुए महान्यायवादी आर वेंकटरामणी ने अल्पसंख्यक मामले मंत्रालय द्वारा पेश हालिया स्थिति रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि इस मुद्दे पर अब तक छह राज्यों और संघ शासित प्रदेशों अरुणाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखंड, लक्षद्वीप, राजस्थान और तेलंगाना की राय नहीं मिली है। इस पर उच्चतम न्यायालय ने कहा कि ये राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इस मुद्दे पर राय देने में टालमटोल नहीं कर सकते। यदि ये जवाब नहीं देते हैं तो यह माना जाएगा कि वे जवाब नहीं देना चाहते हैं। मामले की अगली सुनवाई 21 मार्च को होगी।

यूएन ने अब्दुल रहमान मक्की ...

देश के कानून के मुताबिक उसे आतंकवादी घोषित कर रखा है। यूएन ने अपने बयान में कहा, सेक्योरिटी काउंसिल की कमिटी प्रस्ताव संख्या 1267, 1989 और 2253 को ध्यान में रखते हुए अलकायदा और अन्य आतंकी संगठनों से संबंध रखने के लिए चैप्टर 7 के अंतरगत अब्दुल रहमान मक्की पर संपत्ति को फ्रीज करने, ट्रैवल बैन और अन्य प्रतिबंधों के साथ अब्दुल रहमान मक्की को वैश्विक आतंकी की लिस्ट में शामिल करती है। जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी हमलों के पीछे मक्की का हाथ बताया जाता था। वह कश्मीर में युवाओं को भटकाने और टेरर फंडिंग में भी ऐक्टिव रहता था। मक्की 26/11 हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का बहनोई है। 2020 में पाकिस्तान की अदालत ने मक्की को टेटर फंडिंग के मामले में ही जेल की सजा सुनाई थी।

राहुल जम्मू-कश्मीर में पैदल न ...

चिंताओं पर उचित कदम उठाएगी। पंजाब में हुई इस घटना के बारे में पूछे जाने पर डीजी सीआरपीएफ, एसएल थाउसेन ने कहा कि यदि आप घटना के पूरे क्रम को देखेंगे, तो आपको पता चलेगा कि सुरक्षा घेरा पार करने वालों की ठीक से तलाशी और जांच की जाती है। राहुल गांधी की ये यात्रा सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक टास्क से कम नहीं हैं। बता दें पुलिस ये जांच कर रही है कि कहीं अज्ञात शख्स का राहुल गांधी को गले लगाना किसी साजिश के तहत तो नहीं था। इस बीच विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि जम्मू कश्मीर क्षेत्र में आतंकवादी संगठनों से खतरा अधिक बना हुआ है और यूएनएससी द्वारा लिस्टिंग और प्रतिबंध, इस तरह के खतरों को रोकने और क्षेत्र में आतंकवादी ढांचे को खत्म करने के लिए एक प्रभावी उपकरण हैं। पिछले साल सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा 30 जनवरी को श्रीनगर में राहुल गांधी के तिरंगा फहराने के साथ समाप्त होगी जहां उन पर आतंकवादी संगठनों से खतरा बना हुआ हैं।

असम पुलिस ने 50...

टैबलेट के कई पैकेट मिले। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान हबीज जमान के रूप में हुई है। वह करीमगंज जिले का रहने वाला है। बरुआ ने आईएएनएस को बताया, घटना के बाद पुलिस अधिकारियों की एक विशेष टीम मौके पर पहुंची। यह असम में याबा टैबलेट की अब तक की सबसे बड़ी बरामदगी में से एक है, जो 7.6 लाख से अधिक है।(आईएएनएस)

कोविड टीकों पर मीडिया ...

ने कोविड-19 टीकों के दुष्प्रभावों को स्वीकार किया है, जिसमें उनसे उत्पन्न होने वाले प्रभावों की अधिकता का हवाला दिया गया है। मंत्रालय ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि समाचार रिपोर्ट गलत सूचना है और गलत जानकारी प्रदान करती है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सार्वजनिक डोमेन में वैश्विक वैज्ञानिक साक्ष्य के साथ सक्रिय प्रकटीकरण की नीति के अनुरूप, आईसीएमआर कोविड-19 टीकों के फायदे और नुकसान से संबंधित आरटीआई अधिनियम के तहत सवालों के जवाब प्रदान करता है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, आईसीएमआर की प्रतिक्रिया ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) और स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रतिष्ठित वेबसाइटों के लिंक प्रदान किए, जहां विभिन्न कोविड-19 टीकों पर संकलित वैश्विक साक्ष्य उपलब्ध हैं। वैश्विक शोध अध्ययनों से पता चला है कि कोविड-19 टीकाकरण ने अस्पताल में भर्ती होने और कोविड-19 के कारण होने वाली मौतों को रोककर रोग की गंभीरता को कम करने में मदद की है और टीकों के लाभ किसी भी प्रतिकूल प्रभाव से बहुत अधिक हैं। भारत में टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह ने समय-समय पर देश में उपयोग किए जाने वाले कोविड टीकों के लाभों और दुष्प्रभावों की समीक्षा की है और उपरोक्त निष्कर्षों का समर्थन किया है। इसके अलावा, सीडीएससीओ ने आरटीआई के जवाब में कहा कि राष्ट्रीय औषधि महानियंत्रक द्वारा अनुमोदित कोविड-19 टीकों की सूची वेबसाइट ष्स्रह्यष्श.द्दश1.द्बठ्ठ पर उपलब्ध है।

कर्नाटक में गुजरात फॉर्मूला ...

नोटबंदी, श्वष्ठ, मनी लांड्रिंग, राफेल और सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट जैसे मुद्दों पर विपक्ष के हमलावर रवैए से कानूनी तरीके से निपटने की तारीफ भी हुई। इससे सबक निकला कि विपक्ष के दबाव में न आकर पूरी ताकत से निपटना है। बैठक में मौजूद हमारे सोर्स ने बताया कि विपक्ष के हमलावर रवैए से निपटने की प्रक्रिया पर बात करने के लिए काफी समय इसलिए दिया गया ताकि चुनावी राज्यों के मुखिया अपना मनोबल ऊंचा रखें। वे विपक्ष के किसी आरोप पर घिरे नहीं बल्कि घेरें। हाईकमान ने चुनावी राज्यों की लीडरशिप से जीत की रणनीति के ड्राफ्ट मंगाए थे। छत्तीसगढ़ और कर्नाटक की लीडरशिप ने अपने ड्राफ्ट पर चर्चा शुरू की, लेकिन उन्हें बीच में रोककर इसे और पुख्ता करने की सलाह दी गई। इसके बाद इसे 17 जनवरी को चर्चा के लिए रख लिया गया।' चुनावी राज्यों की रणनीति में संशोधन के सुझाव दिए जाएंगे, लीडरशिप बताएगी कि नए वोटरों को साथ लाने के लिए अब तक क्या किया गया। राजस्थान और छत्तीसगढ़, जहां कांग्रेस की सरकार है, वहां विपक्ष को धराशायी करने के लिए अब तक क्या किया गया और आगे क्या रणनीति है। दक्षिण का द्वार कर्नाटक बेहद अहम है, लिहाजा उसे बचाने नहीं, बल्कि उसे गुजरात की तरह दक्षिण का मॉडल बनाने के लिए क्या किया जाए। सबसे अहम एक सवाल राज्यों की लीडरशिप से पूछा जाएगा कि अगर आज चुनाव हो जाएं तो वे खुद को कहां खड़ा पाएंगे, वे खुद को जितनी सीटें देंगे, उसका तर्क उन्हें बताना होगा। गुजरात में गैंगरेप विक्टिम बिलकिस बानो के दोषियों को रिहा करने का फैसला चुनावी मुद्दा बना। माना गया कि इससे ध्रुवीकरण हुआ और हिंदू वोटर एक तरफ हो गए। इस तरह के मुद्दों की लिस्ट बनाने का हर राज्य को निर्देश दिया जा सकता है। किस राज्य में कौन सा स्टार कैंपेनर जाना चाहिए, इसके लिए राज्य से सुझाव भी लिए जाएंगे। हालांकि यह अभी तय नहीं होगा। सुझाव पर मंथन और हाईकमान की राय के बाद फैसला लिया जाएगा। 2018 के चुनाव में गुजरातभाजपा के हाथ से फिसलते-फिसलते बचा था। पार्टी को 182 में से 101 सीटें ही मिली थीं।

भारत से तीन युद्ध...

को हल करने के लिए गंभीर और ईमानदार बातचीत करें। यह हमारे ऊपर है कि हम शांति से रहें और विकास करें या एक-दूसरे के साथ झगड़ा करें और समय और संसाधन बर्बाद करें। शरीफ ने भी कहा कि भारत के साथ अब तक हमारे तीन युद्ध हो चुके हैं। हर युद्ध में लोगों को सिर्फ दुख, गरीबी और बेरोजगारी मिली हैं। हमने अपना सबक सीख लिया है और हम भारत के साथ शांति से रहना चाहते हैं। शरीफ ने आगे कहा कि भले ही हम पसंद से पड़ोसी न हों, लेकिन हम हमेशा के लिए वहां हैं। ये हम पर है कि हम शांति से रहें और प्रगति करें या एक-दूसरे से झगड़ा करें और समय और संसाधन बर्बाद करें। कश्मीर का मुद्दा भी उठाया शरीफ ने इंटरव्यू में कश्मीर का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शांति चाहता है, लेकिन कश्मीर में जो कुछ हो रहा है, वो बंद होना चाहिए। पाकिस्तान, भारत के साथ हुए जिन तीन युद्ध को लेकर पछता रहा है, उनके बारे में हम आपको बताते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच पहला युद्ध 1965 में लड़ा गया। यह युद्ध पाकिस्तान के ऑपरेशन जिब्राल्टर के बाद शुरू किया गया था। 17 दिनों तक चले इस युद्ध में कई सैनिक मारे गए थे। तत्कालीन सोवियत संघ और अमेरिका के हस्तक्षेप के बाद ताशंकद घोषणा के द्वारा युद्ध विराम की घोषणा की गई। भारत और पाकिस्तान के बीच 1971 में भी एक युद्ध लड़ा गया। इस युद्ध के बाद ही एक नए देश बांग्लादेश का जन्म हुआ।

2024 के चुनावी रण ...

है। मंगलवार शाम 4 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तमाम पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी की स्पीच को मार्गदर्शन वक्तव्य कहा गया है। इसके बाद दो दिन की यह मीटिंग खत्म हो जाएगी।

मोहन भागवत कोलकाता ...

क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में रॉय के साथ पूर्वी क्षेत्र के क्षेत्र संघचालक अजय नंदी और महानगर प्रचार प्रमुख शुभजीत बनर्जी भी मौजूद थे। नंदी ने बताया कि 19 जनवरी को डॉ. भागवत शहर की कुछ प्रमुख हस्तियों और संघ के अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान डॉ. भागवत 22 जनवरी तक समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों और संगठन के पदाधिकारियों से मुलाकात करेंगे। उन्होंने बताया कि 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर शहीद मिनार मैदान में बड़ा कार्यक्रम होगा जिसमें हजारों की संख्या में स्वयंसेवक गणवेश में उपस्थित होंगे। रॉय ने बताया कि कार्यक्रम के मद्देनजर एक महीने में 10 हजार से अधिक गणवेश संघ कार्यालय केशव भवन से बिक्री हुआ है। क्षेत्र संघचालक नंदी ने बताया कि 1921 में डॉ केशव बलिराम हेडगेवार ने कोलकाता में नेताजी सुभाष चंद्र बोस से मुलाकात की थी। दोनों ने माना था कि देश को आगे ले जाने के लिए अनुशासित संगठन की जरूरत है। इसके बाद नेताजी ने आजाद हिंद फौज का नेतृत्व किया और 1925 में डॉ. हेडगेवार ने 12 बाल स्वयंसेवकों को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। बाद में जब नेताजी सुभाष चंद्र बोस नागपुर में एक ट्रेन से गुजर रहे थे तब उन्होंने स्टेशन के पास स्वयंसेवकों का पथ संचलन देखा। इसके बाद डॉ. हेडगेवार से मिलने के लिए जून 1940 में नागपुर गए थे, लेकिन डॉ. हेडगेवार की तबीयत गंभीर होने के कारण बहुत अधिक बात नहीं हो पाई थी। उन्हीं यादों को संजोकर 23 जनवरी को शहीद मीनार में *नेता जी को लौह प्रणाम* कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसके जरिए स्वयंसेवक नेताजी की जीवनी और देशभक्ति से शारीरिक और बौद्धिक प्रेरणा लेंगे।

गूगल ट्रांसलेट में...

करने की सुविधा मिलती है। इस ऐप में टेक्स्ट को कॉपी कर ट्रांसलेट किया जाता है। वहीं यूजर्स को अब कुछ और नई भाषाओं जैसे कि उड़िया, सिंधी, चिचेवा, सिबुआनो, बास्क, हौसा, इग्बो, जावानीज़, खमेर, लैटिन, बर्मीज को भी ट्रांसलेट करने की सुविधा मिलेगी। इस नई अपडेट के लिए यूजर्स को पहले इंटरनेट कनेक्शन के साथ मनपसंद भाषा को डाउनलॉड करना होगा, जिसके बाद इस भाषा को ऑफलाइन ट्रांसलेट भी किया जा सकेगा।

क्यों नहीं छुड़ा पा रहा भारत...

फोर्सेज इंटरनेशनल मिलिट्री कॉर्पोरेशन के पूर्व प्रमुख ने भी पूर्णेन्दु का स्वागत किया था। इस कार्यक्रम का आयोजन इंडियन कल्चरल सेंटर में हुआ था। उस वक्त भारतीय दूतावास में तैनात इंडियन नेवी के कैप्टन कपिल कौशिक भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे। दाहरा कंपनी की वेबसाइट में पहले पी कुमारन और दोहा में भारतीय दूतावास में उनके उत्तराधिकारी वर्तमान राजदूत दीपक मित्तल का दिया हुआ एक सर्टिफिकेट भी था, जिसमें दोनों देशों के बीच अच्छे संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी के काम को सराहा गया था। गिरफ्तार किए गए लोगों में से ज्यादातर 4-6 साल से दाहरा में काम कर रहे थे। कतर की इंटेलिजेंस एजेंसी के स्टेट सिक्योरिटी ब्यूरो ने इंडियन नेवी के 8 पूर्व अफसरों को 30 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया। हालांकि भारतीय दूतावास को सितंबर के मध्य में पहली बार भारतीयों की गिरफ्तारियों के बारे में पता चला। 30 सितंबर को इन भारतीयों को अपने परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी देर के लिए टेलीफोन पर बात करने की अनुमति दी गई। पहली बार कॉन्सुलर एक्सेस 3 अक्टूबर को गिरफ्तारी के एक महीने बाद मिला। इस दौरान भारतीय दूतावास के एक अधिकारी को इनसे मिलने दिया गया। इसके बाद इन लोगों को हर हफ्ते परिवार के सदस्यों को फोन करने की अनुमति दी गई। दूसरा कॉन्सुलर एक्सेस दिसंबर में दिया गया। कतर सरकार ने 8 भारतीयों पर लगे आरोपों को अब तक सार्वजनिक नहीं किया है। हालांकि, सॉलिटरी कन्फाइनमेंट में भेजे जाने से यह चर्चा है कि उन्हें सुरक्षा संबंधी अपराध के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इंडियन नेवी के पूर्व अधिकारी इजराइल के लिए उनके देश की जासूसी कर रहे थे। हालांकि इसमें भी कोई तथ्य पेश नहीं किया गया है।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **सप्तम अध्याय**

(विरह)

विरह वियोग उबाल में, विरही बोला होय।
सुधि नहिं जीवन मरन की, दुख सुख क्या गन सोय॥ 13॥

शब्दार्थ : (उबाल) वृद्धि (बौला) उन्मत।

भाष्य : विरही का वियोग दुःख जब बढ़ जाता है, तब वह प्रभु के विरह में पागल की भांति हो जाता है। उसे अपने जीवन-मरण की सुधि नहीं रहती, तब उसे अपने दुःख-सुख की क्या गिनती है? अर्थात क्या महत्व है?

विरह तपनि अन्तर तपे, कोइ औषध नहिं लाग।
हे प्रभु दर्शन कब मिलै, कब जन होय सुभाग ॥ 14॥

शब्दार्थ : (औषध) भेषज, दबा (सुभाग) सौभाग्य।

भाष्य : विरह-अग्नि अन्दर में सदैव जलती रहती है, उसे कोई औषधि नहीं लगती है। हे प्रभो! दर्शन कब मिलेगा? कब मैं आपके दर्शन से कृतकृत्य होऊंगा। यह सौभाग्य कब प्राप्त होगा?

बाक्सा में नाव पलटी, आठ को बचाया व एक लापता

बाक्सा (हि.स.)। जिले में बेकी नदी में एक नाव पलट गई। नाविक सहित नाव पर सवार आठ लोगों को बचा लिया गया है, लेकिन देर शाम तक पानी में डूबे एक युवक का पता नहीं चल सका है। एसडीआरएफ ने उसे बचाने के लिए बुधवार को भी प्रयास करेगी। घटना मंगलवार को हुई। हादसे की शिकार नाव में कुल नौ यात्री सवार थे। लापता युवक की पहचान बाक्सा जिला अंतर्गत मैनामाटा निवासी शिजू खेरकेटारी के रूप में हुई है। बचाए गए एक यात्री ने बताया कि युवकों का एक समूह बेकी नदी पार कर भोज खाने गया था। घटना उस समय हुई जब वह दोपहर में वापस लौट रहे थे। रास्ते में, नाव लगभग तट पर पहुंचने के साथ ही पलट गई। इस हादसे में आठ लोगों को बचा लिया गया है लेकिन एक युवक अभी भी लापता है। मंगलवार देर शाम को अंधेरा होने के बाद तलाशी अभियान को रोक दिया गया। सुबह फिर से तलाशी अभियान चलाया जाएगा।

महिला ने दो बच्चों के साथ नदी में कूदी एक बच्चे को बचाया

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (ग्रामीण) जिला के कमलपुर थाना अंतर्गत आठगांव इलाके में एक महिला द्वारा अपने दो बच्चे के साथ नदी में छलांग लगाई जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को एक महिला अपने दो बच्चे के साथ पुठीमारी नदी में आत्महत्या करने के इरादे से छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों की मदद से एक बच्चे को बाहर निकाला गया। जबकि, महिला और अन्य एक बच्चे का कुछ पता नहीं चल पाया। लापता महिला की पहचान रुमि डेका और उसके बच्चे की पहचान बिटुपन डेका के रूप में की गई है। हालांकि, महिला ने नदी में छलांग लगाकर आत्महत्या क्योंकि इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

मोरीगांव में ऐतिहासिक उदयपुर मेले का आयोजन

मोरीगांव (हि.स.)। मध्य असम के मोरीगांव जिला में स्थित दापोनीबाड़ी गांव में मंगलवार को असम की तिवा जाति द्वारा मनाए जाने वाले एक दिवसीय उदपुर मेले का शुभारंभ हुआ। ऐतिहासिक शीलसांग तिवा खेलदेव राजा उदपुर मेले के उत्सव स्थल को बड़े आकर्षक रूप से सजाया गया है। राजदरबार इस दौरान मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। इस मौके पर इलाके में स्थित उदपुर तालाब में बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी परंपरा के निर्वाह को जारी रखते हुए सामूहिक रूप से मछलियां पकड़ी। मेले में तिवा जाति की संस्कृति और परंपरा के साथ नृत्य, मुर्गों की लड़ाई ने लोगों का ध्यान अपनी आकर्षित किया। राज दरबार के अधिकारी और कर्मचारियों के साथ तिवा स्वायत्तशासी परिषद के मुख्य कार्यकारी पार्षद जीवन चंद्र कोंवर के साथ उदयपुर मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष धरणीधर बरदलै इस दौरान उपस्थित थे। खेलदेव राजा का यह उत्सव मकर सक्रांति और बिहू के अवसर पर मनाया जाता है। ऐतिहासिक तालाब में मछलियां पकड़ी जाती हैं और यहां राज दरबार लगाया जाता है। उत्सव में भाग लेने पहुंची एक महिला ने बताया कि हम खेलादेव राजा पर्व में भाग लेने के लिए आए हैं। हमने मुर्गे की लड़ाई और मछली मारने का आनंद लिया। इस उत्सव में मध्य असम से बड़ी संख्या में असम के सभी जाति और जनजाति के लोग हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे।

गैंडे के हमले में छात्र गंभीर रूप से घायल

माजुली (हि.स.)। नदी दीप माजुली जिले के लुईत-खाबलू पंचायत के शांतिपुर गांव में एक युवक पर गैंडे ने मंगलवार को हमला कर दिया। इस हमले में कक्षा 9वीं का छात्र लेखन मिली गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके हाथ-पैर और कमर पर गंभीर चोटें आई हैं।
आधिकारिक जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह 4 बजे के आसपास जब छात्र जुताई करने के लिए घर से हल लेकर खेत की ओर जा रहा था, इसी दौरान गैंडा ने लेखन पर हमला कर दिया। आज काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से दो गैंडे निकले और माजुली इलाके में आतंक मचाए हुए हैं। जिस गैंडे ने छात्र पर हमला किया था उसे वन विभाग की टीम ने पावो संरक्षित वन क्षेत्र में पहुंचा दिया है, जबकि दूसरा गैंडा इलाके में घूम रहा है, जिसके चलते लोगों में दहशत व्याप्त है।

होजाई हाथी ने ली महिला की जान

होजाई (निसं)। होजाई जिले में एक जंगली हाथी द्वारा एक महिला को कुचल कर मार दिए जाने कि मरमाहीत करने वाली घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना होजाई के कपिली घाटी वन परिक्षेत्र कार्यालय अंतर्गत सिंगरी बस्ती पंचायत के दिघलबाली गांव के पास दिघलबाली वन शिविर में हुई। मृतक महिला की पहचान अमतोला की 40 वर्षीय कलमी देवी के रूप में हुई है। ज्ञात हो कि सुबह करीब 9 बजे वह अन्य चार महिलाओं के साथ जंगल के पास बैर तोड़ने गई थी, तभी एक हाथी जंगल से निकल कर उस इलाके में पहुंचा। महिला ने हाथी से दूर भागने की कोशिश की लेकिन हाथी ने उस पर हमला कर दिया। मौके पर ही महिला की मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

डिलिमिटेशन : टियक विधानसभा के नाम को बनाए रखने की मांग को लेकर बौद्धिक आंदोलन शुरू

जोरहाट (हि.स.)। चुनाव क्षेत्र पुनर्निर्धारण (डिलिमिटेशन) प्रक्रिया के तहत ऐतिहासिक टियक विधानसभा क्षेत्र विलुप्त होने की कगार पर है। ऐतिहासिक टियक विधानसभा चुनाव क्षेत्र को बचाए रखने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा से स्थानीय नागरिकों ने हस्तक्षेप की मांग की है। सवाल उठने लगा है कि क्या आहोम राजवंश के दौर से नाम पड़े टियक चुनाव क्षेत्र अब इतिहास बन जाएगा। क्या आहोम स्वर्गदेव के नाम पर रखा गया और घी और शहद के प्रचुर उत्पादन के कारण प्रसिद्ध टियक निर्वाचन क्षेत्र का नाम समय की धारा में अतीत हो जाएगा? इस सवाल पर वर्तमान में निर्वाचन क्षेत्र के बौद्धिक समाज में लगातार चर्चा हो रही है। ध्वनि कवि बिनंद चंद्र बरुवा, जतिंद्र नाथ गोस्वामी और स्वतंत्रता आंदोलन के कई अग्रणी योद्धाओं और प्रसिद्ध नागरिकों की स्मृति से जुड़े निर्वाचन क्षेत्र के नाम के मुद्दे को हल्के में लेना हर किसी के लिए आसान नहीं है। हर कोई यह महसूस करता है कि यह टियक की विरासत के लिए एक बड़ा झटका है। इस बीच सीमा में बदलाव पर किसी को आपत्ति नहीं है लेकिन लोग नाम हटाने के फैसले को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि टियक नाम को बरकरार रखने के लिए निर्वाचन क्षेत्र में एक बौद्धिक आंदोलन शुरू हो गया है। असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद जैसे छात्र संगठनों ने कुछ दिन पहले इस तरह के कृत्यों का विरोध कर मानव श्रृंखला बनाई है और हाल ही में मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भी भेजा है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि उच्च अधिकारी नए निर्वाचन क्षेत्रों के नामकरण में जनहित में उचित उपाय करेंगे।

मायुमं कामाख्या ने मनाया शिल्पी दिवस

गुवाहाटी (नसं)। मारवाड़ी युवा मंच की कामाख्या शाखा ने शिल्पी दिवस के उपलक्ष में फटाशील शिशु विद्या पीठ स्कूल में बच्चों के बीच कविता प्रतियोगिता कराई। जिसमें विजेता बच्चों को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर आहार परियोजना के तहत बच्चों को आहार भी प्रदान किया गया। शिल्पी दिवस की संयोजिका रितु अग्रवाल और पूजा भदानी थी। तथा आहार परियोजना की संयोजिका बबीता हरलालका और जूही जैन थी। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रेमलता सिंघानिया, सचिव इंदु पारीक, कोषाध्यक्ष खुशबू वर्मा के अलावा पूर्व अध्यक्ष मीना पोद्दार, उपाध्यक्ष योगिता अग्रवाल, संयुक्त मंत्री स्नेहल बिदासरीया,प्रीति जालान, शांति कुंडलिया उपस्थित थी।

रंगिया में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह संपन्न

रंगिया (निसं)। कामरूप जिले में सड़क सुरक्षा सप्ताह का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। सड़क सुरक्षा सप्ताह के समापन पर आज रंगिया के आई ओ सी में परिवहन और पुलिस विभाग द्वारा एक जागरूकता खुली बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कामरूप जिले के सड़क परिवहन अधिकारी रूप ज्योति कलिता, कामरूप जिला के अतिरिक्त उपायुक्त तथा रंगिया के प्रभारी महकमाधिपति जावीर राहुल सुरेश, रंगिया सदर थाना प्रभारी भास्कर मल्ल पटवारी सहित कई मुख्य अतिथियों ने भाग लिया जिन्होंने सड़क सुरक्षा के बारे में सभी को अवगत कराया। सड़क सुरक्षा सप्ताह के समापन समारोह में बोलते हुए जिला परिवहन अधिकारी रूप ज्योति कलिता ने कहा कि पिछले दो वर्षों में कामरूप जिले में सड़क दुर्घटनाओं में काफी कमी आई है तथा उन्होंने इस मौके पर लोगों से प्रशासन द्वारा निर्धारित सभी नियमों का पालन करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान जिले के परिवहन विभागीय अधिकारी और कर्मचारी सहित बहुत से स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

कलाकार गोविंद चौधुरी की स्मृति सभा का आयोजन

रंगिया (निसं)। रंगिया राजस्व चक्र के अंतर्गत शिमलुआ गांव में कलाकार गोबिंद चौधुरी की स्मृति में आज एक स्मृतिचारण सभा का आयोजन किया गया। शिल्पी दिवस के अवसर पर रंगिया राइजमेल समिति के सौजन्य से आयोजित इस सभा मे दिवंगत कलाकार को श्रद्धांजलि देने और उसकी स्मृति को संरक्षित करने के लिए कदम उठाने का निर्णय लिया गया। विशिष्ट समाजकर्मी हितराम सहरिया की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में इतिहासकार तथा अवसरप्राप्त अध्यापक पविन कलिता, रंगिया उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के अवसर प्राप्त अध्यापक लक्ष्मीकांत महंतो, रंगिया आलोचनी सभा के सचिव पवित्र कलिता, साउदांग का अभिनय करने वाले स्वर्गीय गोबिंद चौधुरी के पुत्र गोपाल चौधुरी, प्रपौत्र रमेन चौधुरी आदि ने कलाकार गोबिंद चौधुरी के जीवन परिचय के बारे में उपस्थित लोगों को अपने भाषण में बताया। बैठक के कार्यक्रम के दौरान कलाकार गोविंद चौधुरी के नाती-पोतों सहित उपस्थित कई लोगों ने विभिन्न गीतों की प्रस्तुति दी। उक्त आयोजन में योग चिकित्सक योगाचार्य ज्योतिष कलिता, उत्तर कामरूप महाविद्यालय के अध्यक्ष भुवनेश्वर लहकर, शिक्षक जयंत शर्मा, दक्षिण कामरूप पत्रकार संस्था के सचिव तरनीचरण कलिता, पत्रकार बिपुल कलिता, समाजकर्मी दीपक कलिता, रंगिया क्षेत्र के कई वरिष्ठ नागरिकों सहित बहुत से गणमान्य व्यक्ति, पत्रकार एवं कलाकार गोबिंद चौधुरी के परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

हम आनंदित व उत्साहित हैं, मुख्यमंत्री हिमंत का धन्यवाद : रहमान

होजाई (होसं)। ऑल असम अगर ट्रेडर्स एंड अगर ऑयल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आत्मा) के अध्यक्ष अताऊर रहमान व सचिव हिलालुद्दीन ने शनिवार संध्या आत्मा के सदस्यों के साथ होजाई के जुगल किशोर केडिया रोड स्थित आत्मा के मुख्यालय पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हम असम सरकार व असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्वशर्मा के हम आभारी व कृतज्ञ है जिनकी दूरदर्शिता व विलक्षण नेतृत्व के कारण असम के अगर उद्योग फिर से खिल उठेगा। उन्होंने बताया की असम सरकार ने असम वुड बेस्ड इंडस्ट्रीज (इस्टैब्लिशमेंट और रेगुलेशन) रूल्स 2000 को रद्द कर गत 12 जनवरी 2023 को असम वुड बेस्ड इंडस्ट्रीज (प्रमोशन एंड डेवलपमेंट) रूल्स 2022 का जो नोटिफिकेशन जारी किया है उसे हम काफी खुश व उत्साहित है हम भाजपा सरकार के आभारी हैं। उन्होंने बताया कि इस हेतु जल्द ही आत्मा का एक दल असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्वशर्मा से मुलाकात कर उनको धन्यवाद ज्ञापन करेगा। साथही होजाई मैं उन्हें आमंत्रित कर सामूहिक रूप से उनका भव्य स्वागत व सम्मान किया जाएगा। आगे संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आत्मा के अध्यक्ष अताऊर रहमान व सचिव हेलालुद्दीन ने कहा कि असम में लगभग हजार से भी ज्यादा अगर वुड उद्योग है जोकि होजाई, गोलाघाट, शिवसागर, जोरहाट, माजुली, नगांव, करीमगंज, कछार, डीमा हसाओ और बोडोलैंड इत्यादि जगह में है और पुराने कानून में कई प्रतिबंध होने के कारण उक्त उद्योग कई दशकों से प्रभावित हो रखा था परंतु नए नियम से अब अगर के उद्योग को काफी फायदा होगा। वहीं उन्होंने उक्त अधिसूचना से संबंधित कई जानकारियां दी और इसके फायदे बताएं। साथी आत्मा ने असम ट्रीस आउटसाइड फॉरेस्ट (सस्टेनेबल मैनेजमेंट) रूल्स, 2022 की अधिसूचना पर भी काफी खुशी जाहिर की है। उन्होंने बताया इस कानून से अगर उद्योग को काफी लाभ मिलेगा। आत्मा के सदस्यों ने असम के वन मंत्री चंद्रमोहन पटवारी का भी आभार व्यक्त किया जिनके प्रयासों से दोनों कानून को नोटिफाई किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि असम वुड बेस्ड इंडस्ट्रीज (प्रमोशन एंड डेवलपमेंट) रूल्स 2022 और असम ट्रीस आउटसाइड फॉरेस्ट (सस्टेनेबल मैनेजमेंट) रूल्स 2022 दोनों एक दूसरे के पूरक है और दोनों के क्रियान्वित होने से अगर के व्यवसाय को असम में काफी लाभ मिलेगा चाये छोटा या बड़ा व्यवसाय हो दोनों को ही लाभ मिलेगा और लाखों अगर के काम से जुड़े नौजवानों को रोजगार के अवसर मुहैया होंगे जिससे असम की अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचेगा। उन्होंने अंत में कहा कि हम अगर के व्यवसाई में उक्त ऐतिहासिक कदम का खुले दिल से स्वागत करते हैं। आज गुवाहाटी महिला शाखा की सदस्याओं ने शिल्पी दिवस के पुण्यवसर पर असम के महान साहित्यकार, कवि, लेखक, नाट्यकार, फिल्म निर्माता स्व. ज्योति प्रसाद अग्रवाला की विशालकाय प्रतिमा के चरणों में माल्यार्पण किया तथा दीप प्रज्जवलन की। उद्यान में नवनीकरण का कार्य युद्धस्तर पर जारी है इसलिए एक संक्षिप्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कुछ सदस्याएं और अतिथि आमंत्रित थे। कार्यक्रम के दौरान अपने वक्तव्य में अध्यक्षा कंचन केजरीवाल ने ज्योति प्रसाद अग्रवाला स्मृति रक्षा समिति के कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की जो प्रत्येक वर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन इतनी सादगी के साथ करते हैं। मंत्री सरोज जालान ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में संयुक्त मंत्री सुजाता मोर,कार्यकारिणी सदस्य ममता अग्रवाल,आशा चौधरी, सुमन शर्मा आदि का भरपूर सहयोग रहा।

गुप्त काशी विश्वनाथ घाट में शिल्पी दिवस कार्यक्रम आयोजित

विश्वनाथ (निसं)। पर्यटन नगरी गुप्तकाशी विश्वनाथ घाट में प्रत्येक वर्ष की भांति पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी, तेजपुर तथा विश्वनाथ जिला इकाई द्वार ज्योतिप्रसाद अगरवाला की 72वीं पुण्यतिथि पर शिल्पी दिवस, बहुभाषी कवि सम्मेलन तथा सम्मान समारोह का आज प्रात: 11 बजे प्रथम सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी के संस्थापिका व अध्यक्ष रीता सिंह सर्जना की अध्यक्षता में आयोजित और जिला इकाई सचिव संतोष कुमार महतो की संचालित सभा में उपस्थित अतिथि को मंचासीन कराया गया। बाद सभा के अध्यक्षा रीता सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी शंकर प्रसाद गुप्ता, मुख्य अतिथि साहित्य अकादमी के सदस्य डॉ. खेमराज नेपाल, मुख्य वक्ता व साहित्यकार हरिप्रसाद लुईटेल, जिला उपाध्यक्ष व कवि जमीर अहमद, विशिष्ट अतिथि विश्वनाथ चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, विश्वनाथ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के अध्यापिका गीता वर्मा, गड़ेहागी गांव पंचायत के अध्यक्षा रंजू शर्मा पराजुली, दीप प्रज्वलनकर्ता व नेपाली समन्वय समिति विश्वनाथ नगर के अध्यक्ष लोकनाथ शास्त्री, नाट्यकार व साहित्य अकादमी अनुवादक पुरस्कार प्राप्तकर्ता पूर्ण कुमार शर्मा और सत्रीया कलाकार व शंकरी कला साधक भवेन बोरा जी को फुलाम गामोछा से अभिनंदन किया गया। इसके बाद भी लोकनाथ शास्त्री जी ने ज्योतिप्रसाद अगरवाला के प्रतिछवि के सामने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, उपस्थित अतिथियों ने ज्योतिप्रसाद अगरवाला के प्रतिछवि के सामने श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस समारोह में शिक्षक अरुण सहनी ने एक भजन की प्रस्तुति दी। विश्वनाथ जिला इकाई के जिलाध्यक्ष प्रेम विश्वकर्मा ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद मुख्य वक्ता हरिप्रसाद लुइटैल ने ज्योतिप्रसाद अगरवाला के जीवनी पर प्रकाश डाला और कहा कि वे एक बहुमुखी प्रतिभा संपन्न व्यक्ति थे। शिक्षक चित्रप्रसाद पौडेल ने ज्योति संगीत द्वारा सभी को मंत्रमुग्ध किया। इसके बाद स्वतंत्रता सेनानी एवं वरिष्ठ समाज सेवक शंकर प्रसाद गुप्ता, साहित्य अकादमी द्वारा अनुवाद पुरस्कार प्राप्त व नाट्यकार, साहित्यकार पूर्ण कुमार शर्मा और शंकरी कला साधक व सत्रीया कलाकार भवेन बोरा को फुलाम गामोछा, अभिनंदन पत्र तथा स्मृति चिह्न से विशेष सम्मान किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि

डॉ. खेमराज नेपाल, विशिष्ट अतिथि प्रभुनाथ सिंह, गीता वर्मा, जमीर अहमद, रंजू शर्मा पराजुली, लोकनाथ शास्त्री तथा सम्मानित अतिथि गण ने अपना विचार रखा। साथ ही सभा में गायक सुरेश लुइटेल ने हिंदी गीत की प्रस्तुति दी। इस सत्र अध्यक्षा रीता सिंह सर्जना अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि ज्योति प्रसाद अगरवाला एक साहित्यकार से लेकर अभिनेता तक एक महान युगद्रष्टा भी थे। उनके परिवार राजस्थान से आकर पूरे असमिया समाज में कला, साहित्य, संस्कृति को उन्होंने अपना लिया। हमें भी यहां के सभी कला, संस्कृति को अपनाकर समन्वय स्थापित करना चाहिए। तत्पश्चात प्रथम सत्र का समापन के बाद भोजन अवकाश हुआ। उसके बाद दूसरा सत्र का शुभारंभ हुआ, जिसमें बहुभाषी कवि सम्मेलन हुआ, जिसका समीक्षक कवि जमीर अहमद और संचालन रीता सिंह सर्जना ने की। सर्वप्रथम कवि सम्मेलन में सुदूर उदालगुड़ी के माजबाट से पहुंचे कवि व हिंदी प्रेमी राजु बोड़ो को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन में सैयदा आनोवारा खातून, बेददीप उपाध्याय, निर्मला देवी, अर्जुन निराला, कृष्णनील कार्की, दिव्य ज्योति बरूआ, चित्र प्रसाद पौड़ेल, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता टीका देवी, राजु बोड़ो, चित्र प्रसाद पौड़ेल, रीता सिंह सर्जना, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, कल्पना पाल ने पाठ की और सभी श्रोताओं को भाव विभोर किया। इसके अलावा दीपिका उपाध्याय ने गीत प्रस्तुति दी। कवि सम्मेलन के समीक्षक कवि जमीर अहमद ने अपने एक कविता को पाठ कर सभी की कविता को सराहना की। अंत में कविता पाठ करने वाले सभी कवि, गायक व कलाकारों को फुलाम गामोछा और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा इस समारोह में पूर्वोत्तर हिंदी साहित्य अकादमी तेजपुर के आजीवन सदस्य क्रमश: प्रेम विश्वकर्मा, बेददीप उपाध्याय तथा संतोष कुमार महतो को आजीवन सदस्य का प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। राष्ट्रगान से सभा का समापन किया गया।

नगांव में याद किए गए रूपकोंवर

नगांव (निसं)। राज्यभर के साथ ही नगांव में भी विभिन्न कार्यक्रमों के साथ शिल्पी दिवस मनाया गया। शहर के ढाकापट्टी के मुख्य चौराहे पर स्थित असम रत्न ज्योति प्रसाद अग्रवाल की प्रतिमूर्ति के सामने आज नगांव जिला साहित्य सभा, मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा तथा नगांव भोगाली बिहु सम्मेलनी ने संयुक्त रूप से शिल्पी दिवस मनाया गया। सदर विधायक रूपक शर्मा ने ज्योति प्रसाद अग्रवाल की प्रतिमूर्ति पर माल्यार्पण करने के बाद जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष ठगीत महंत, सचिव रेबत हजारिका, मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कोठारी, सचिव संजय गाड़ोदिया, उपाध्यक्ष तथा पूर्व पार्षद प्रदीप अग्रवाला, कोषाध्यक्ष अजय मित्तल, समाज सेवी पवन गाड़ोदिया,महेश बुधिया, सुरेंद्र बंका, ओम प्रकाश जाजोदिया सहित अन्य गणमान्य लोगों ने माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक रूपक शर्मा ने कहा कि शिल्पी ज्योति प्रसाद अग्रवाला को साहित्यिक तथा असमिया कला-संस्कृति के युग निर्माता के रूप में समस्त असमवासी अपनी श्रद्धा भाव प्रकट करते आ रहे हैं। उनकी कला कृतियां आज भी विश्व के मानस पटल पर एक अमिट छाप छोड़ रही है। उन्होंने अपने भाषण के दौरान वर्तमान प्रतिमूर्ति के स्थान पर एक बड़ा ज्योति प्रसाद अग्रवाल की प्रतिमूर्ति स्थापना करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस काम को मारवाड़ी सम्मेलन और जिला साहित्य सभा के संयुक्त प्रयास संपादित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर शिल्पी नरेन बोरा को फुलाम गमछा, सेलेंग, जापी अभिनंदन पत्र तथा सामान्य नगद राशि भेंटकर विधायक रूपक शर्मा ने सम्मानित किया।

भारतीय सेना में पहली बार 108 महिला अफसर बनेंगी कर्नल, आर्मी बोर्ड गठित

नई दिल्ली, (हि.स.)। महिला अधिकारियों को और अधिक सशक्त बनाने के लिए भारतीय सेना ने पहली बार कमांड भूमिकाओं के लिए 30 से अधिक महिला अधिकारियों को मंजूरी दी है। भारतीय सेना ने 108 महिला अधिकारियों को कर्नल रैंक पर पदोन्नत करने के लिए आर्मी बोर्ड गठित कर दिया है। इसके अलावा महिला अधिकारियों को भारतीय सेना की कोर ऑफ आर्टिलरी में कमीशन देने का फैसला लिया है। इस बारे में एक प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है, जिस पर सेनाध्यक्ष ने जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद जताई है। सैन्य सूत्रों के मुताबिक 30 से अधिक महिला अधिकारियों की प्रारंभिक सूची को विभिन्न शाखाओं और सेवाओं से मंजूरी दे दी गई है, जिसमें कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स, सिग्नल, आयुध और इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियर शामिल हैं। जल्द ही और सूचियां सामने आएंगी, क्योंकि आर्मी बोर्ड से परिणाम जल्द घोषित किए जाएंगे। बोर्ड से पास होने वाली महिला अधिकारियों को कमांड की भूमिका दी जाएगी। उन्हें भविष्य में इससे उच्च रैंक पर पदोन्नत किया जा सकता है। इसी तरह कर्नल रैंक पर कमांड असाइनमेंट के लिए महिला अधिकारियों के चयन की प्रक्रिया प्रगति पर है। भारतीय सेना में 108 महिला अधिकारियों को कर्नल रैंक पर पदोन्नत करने के लिए आर्मी बोर्ड का गठन कर दिया गया है। यह आर्मी बोर्ड 108 महिला अधिकारियों को सैन्य खुफिया और इंजीनियरों सहित विभिन्न शाखाओं में कर्नल के रूप में पदोन्नत करने के लिए तैयार है। यह पहली बार है कि भारतीय सेना में इंजीनियर्स, मिलिट्री इंटेलिजेंस, आर्मी एयर डिफेंस, आयुध और सेवा सहित शाखाओं में कमांड भूमिकाओं के लिए महिला अधिकारियों का चयन किया जाएगा। इसके अलावा

सेना में महिला अधिकारियों के सशक्तिकरण के लिए अन्य उपाय पहले ही लागू किए जा चुके हैं, उनमें सभी शॉर्ट सर्विस कमीशन महिला अधिकारियों को उनके पुरुष समकक्षों के साथ स्थायी कमीशन दिया जाना भी शामिल है। सेना मुख्यालय के मुताबिक 108 महिला अधिकारियों को कर्नल रैंक पर पदोन्नत करने के लिए 1992 से 2005 तक के बैच से लिया गया है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के लिए एक वर्ष में महिला कैडेटों के लिए 20 रिक्तियां निर्धारित की गई हैं। इसके अलावा अधिकारी प्रशिक्षण अकादमियों में एसएससी महिला अधिकारियों के लिए 80 रिक्तियां जारी की गई हैं। सेना उड्डयन कोर की फ्लाइंग शाखा में महिला अधिकारियों की सीधी कमीशनिंग 2022 से शुरू हुई है। अग्निपथ प्रवेश योजना के माध्यम से महिला सैनिकों को भी शामिल किया जा रहा है। मार्च, 2023 में 100 से अधिक महिला अग्निवीरों का पहला बैच बेंगलुरु के प्रशिक्षण केंद्र में शामिल होगा। सेना मुख्यालय के अधिकारियों ने कहा कि महिला अधिकारियों को उनके पुरुष समकक्षों के बराबर अवसर दिए जा रहे हैं। हाल ही में कोर ऑफ इंजीनियर्स की कैप्टन शिवा चौहान को दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में कठोर प्रशिक्षण के बाद तीन महीने के लिए लगभग 15,600 फीट की ऊंचाई पर स्थित कुमार पोस्ट पर तैनात किया गया है। सेना ने मित्र देशों के साथ संयुक्त अभ्यास और संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न शांति मिशनों में भी महिला सैनिकों की तैनाती शुरू कर दी है। हाल ही में अफ्रीका के अबेई क्षेत्र में 25 महिला सैनिकों वाली भारतीय टीम को तैनात किया गया है। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने आर्मी डे पर सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि महिला अधिकारियों को भारतीय सेना की कोर ऑफ आर्टिलरी में कमीशन दिया जाएगा। इस बारे में हमने प्रस्ताव सरकार को भेज दिया है और हमें उम्मीद है कि इसे स्वीकार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सेना महिला अधिकारियों और सैनिकों को हर संभव अवसर देने के पक्ष में है और इस संबंध में केंद्र सरकार की नीति के अनुरूप उनके लिए और रास्ते खोलने पर भी विचार किया जा रहा है। जनरल पांडे ने महिला अग्नि वीरों की भर्ती के संबंध में बताया कि इस वर्ष मार्च से अभ्यर्थियों का प्रशिक्षण शुरू हो जाएगा और भारतीय सेना महिलाओं को सशक्त बनाना जारी रखेगी।

एनडीएमसी और एनआईयूए ने कौशल विकास से जुड़े समझौते पर किए हस्ताक्षर

अजय त्यागी

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान (एनआईयूए) ने सहयोग के माध्यम से क्षमता निर्माण और नगरपालिका वित्त और प्रबंधन में कौशल बढ़ाने के लिए आज एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता शहरी मामलों के राष्ट्रीय संस्थान के निदेशक हितेश वैद्य और एनडीएमसी के निदेशक (वित्त) राम सिंह द्वारा हस्ताक्षर किया गया। एनडीएमसी और एनआईयूए के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अमित यादव - अध्यक्ष, एनडीएमसी, पुस्कल उपाध्याय - वित्तीय सलाहकार की उपस्थिति में यह समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया। इस एमओयू का उद्देश्य कुशल ज्ञान साझा करने और सूचना के आदान-प्रदान के माध्यम से प्रमुख हितधारकों के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित करना है। यह समझौता पूरे क्षेत्र और देश के विकास में योगदान देने में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिए संगठन की संस्थागत क्षमता को बढ़ाने में मदद करेगा। यह समझौता सहमति संयुक्त गतिविधियों और यू20 और जी20 की भारत में भागीदारी के दौरान नगरपालिका वित्त पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों और कार्यशालाओं के आयोजन के लिए तत्पर होगा ।

गणतंत्र दिवस की तैयारियां जोरों पर

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल सिसी होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी मुख्य अतिथि होंगे। मिस्र के विदेश मंत्रालय में सचिव औसाफ सईद ने सोमवार को बताया कि जनवरी में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत द्वारा राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सिसी को आमंत्रित किया गया है। दोनों देशों के राजनायिक संबंधों को इस साल 75 साल पूरे हो रहे हैं। भारत और मिस्र के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने को एक महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए सईद ने कहा कि 15 अगस्त 1947 को भारत को स्वतंत्रता मिलने के तीन दिन बाद दोनों देशों ने औपचारिक संबंध स्थापित किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी को गणतंत्र दिवस के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया और निमंत्रण का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। विदेश मंत्रालय के सचिव औसाफ सईद ने सोमवार को कहा कि यह वास्तव में मिस्र के साथ हमारे द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण अवसर है जब हमारे दोनों देश राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष मना रहे हैं। मुझे बताया गया था कि जब हम 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुए थे तब तीन दिन बाद 18 अगस्त को मिस्र के साथ द्विपक्षीय संबंध स्थापित किए गए थे। सईद ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे गणतंत्र दिवस के लिए मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति सिसी को आमंत्रित किया है और राष्ट्रपति सिसी ने गर्मजोशी से निमंत्रण स्वीकार किया है।

हमने इस वर्ष अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान मिस्र को अतिथि देश के रूप में आमंत्रित किया है। संतुष्टि और सभ्यता जो भारत और मिस्र को जोड़ती है न केवल समय की कसौटी पर खरी उतरी है बल्कि आपसी गर्मजोशी दोस्ती और सद्भावना से और भी मजबूत हुई है। सईद ने कहा कि अब्देल फतह अल-सिसी की भारत यात्रा और संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न मंचों पर दोनों नेताओं के बीच बैठकों के साथ दोनों देशों के बीच संबंधों को और गति मिली है। बदलते वैश्विक क्रम में भारत-मिस्र संबंधों पर एक पैनल चर्चा में भाग लेते हुए विश्व मामलों की भारतीय परिषद (आईसीडब्ल्यूए) के महानिदेशक विजय ठाकुर सिंह ने भी कहा कि मिस्र के राष्ट्रपति को गणतंत्र दिवस के लिए मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह पैनल चर्चा मिस्र के राष्ट्रपति की यात्रा के अवसर पर हो रही है जो 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में भारत आएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मिस्र के राष्ट्रपति की आगामी यात्रा उनके राष्ट्रपति बनने के बाद से तीसरी होगी। राष्ट्रपति अल-सिसी ने अक्टूबर 2015 में अपनी पहली यात्रा की। राष्ट्रपति अल-सिसी की वर्तमान यात्रा न केवल द्विपक्षीय दृष्टिकोण से बल्कि इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब विश्व राजनीतिक प्रवाह में है। ठाकुर ने कहा कि कोविड महामारी ने अभूतपूर्व अव्यवस्था पैदा की है और रूसी-यूक्रेन संघर्ष ने वैश्विक खाद्य ऊर्जा और उर्वरक प्रतिभूतियों के लिए महान परिणाम विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए अगले वर्ष 2022-2023 के लिए ॠ20 के अध्यक्ष के रूप में भारत ने मिस्र को ॠ20 बैठकों में अतिथि देश के रूप में आमंत्रित किया है।

दो सौ करोड़ की ठगी मामले में पूरक चार्जशीट पर 20 जनवरी को सुनवाई

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने आज रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिवेंद्र सिंह की पत्नी अदिति सिंह से कथित तौर पर 200 करोड़ रुपये की ठगी मामले में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की ओर से दाखिल पूरक चार्जशीट पर सुनवाई टाल दी। स्पेशल जज शैलेंद्र मलिक ने चार्जशीट पर अगली सुनवाई 20 जनवरी को करने का आदेश दिया। कोर्ट ने पूरक चार्जशीट की प्रति पिंकी ईरानी के वकील को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। ईओडब्ल्यू ने पूरक चार्जशीट में पिंकी ईरानी को आरोपी बनाया है। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में मजिस्ट्रेट के समक्ष एक्ट्रेस नोरा फतेही, चाहत खन्ना, निक्की तंबोली और मॉडल सोफिया सिंह के दर्ज बयानों को आधार बनाया है। ईडी ने कोर्ट को बताया कि इस मामले के मुख्य आरोपित सुकेश चंद्रशेखर ने स्वीकार किया था कि 57 करोड़ अदिति सिंह से लिये थे, लेकिन जांच में पाया गया कि उसने 80 करोड़ लिये थे। सुकेश ही इस मामले का मास्टरमाइंड है। इस मामले में उसने अदिति सिंह को पहला फोन लैंडलाइन से किया था। ईडी ने कहा कि सुकेश ने बताया कि इस पैसे से गाड़ी, लग्जरी आइटम और गिफ्ट खरीदे गए।

सरकारी नर्स महासंघ ने की फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कारों की संख्या कम न करने की अपील

नई दिल्ली, (हि.स.)। अखिल भारतीय सरकारी नर्स महासंघ ने फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार की संख्या 51 से 15 करने की खबरों के मद्देनजर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र लिख कर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। महासंघ की महासचिव जीके खुराना ने पुरस्कारों की मौजूदा संख्या को बहाल करने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कारों की स्थापना वर्ष 1973 में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समाज में नर्सों और नर्सिंग पेशेवरों द्वारा प्रदान की गई सराहनीय सेवाओं को मान्यता देने के रूप में की गई थी। अखिल भारतीय सरकारी नर्स महासंघ की महासचिव जीके खुराना ने बताया कि भारत सरकार ने फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार 51 से 15 करने का फैसला किया है जो पूरी तरह से हतोत्साहित करने वाला कदम है। कोरोना महामारी के दौरान नर्सों ने पीड़ितों के लिए अपनी समर्पित सेवाएं प्रदान की हैं। लेकिन सरकार के इस तरह के उदासीन रवैये से नर्सों को बेहद निराशा हुई है। नर्सें इस अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि इन पुरस्कारों के लिए सभी राज्यों एवं विभागों से नर्सों का चयन किया जाता है। लेकिन सम्मान की संख्या सिर्फ 15 होने से सभी राज्यों और विभागों को स्थान नहीं मिल पाएगा। सरकार को इन पुरस्कारों की संख्या को 100 करना चाहिए लेकिन यहां इसे घटाने की बात की जा रही है।

ताजमहल के पांच सौ मीटर दायरे में बनी दुकानें फिलहाल नहीं हटेंगी, सुप्रीम कोर्ट का व्यापारियों को राहत

नई दिल्ली, (हि.स.)। आगरा के ताजमहल के पांच सौ मीटर के दायरे में स्थित चार सौ दुकानें फिलहाल नहीं हटेंगी। जस्टिस संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए यूपी सरकार से कहा कि अगर आप उनका पुनर्वास नहीं कर सकते तो क्यों ना उन्हें वहीं रहने दिया जाए। सुनवाई के दौरान यूपी सरकार ने कहा कि इस मामले में अभी पुनर्वास पर कमेटी द्वारा विचार किया जा रहा है। तब कोर्ट ने तीन महीने के अंदर पुनर्वास मामले पर रिपोर्ट देने को कहा है। नौ नवंबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने ताजमहल से पांच सौ मीटर के दायरे में बनी दुकानें नहीं हटाने का अंतरिम आदेश दिया था। कोर्ट ने आगरा विकास प्राधिकरण को निर्देश दिया था कि वो ताजगंज के व्यापारियों को दुकानें हटाने की नोटिस वापस ले। ताजमहल के पश्चिमी गेट मार्केट एसोसिएशन ने याचिका दायर की थी। कारोबारी एसोसिएशन द्वारा सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर ताजमहल के पांच सौ मीटर दायरे से दुकानों को हटाने के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। दरअसल आगरा विकास प्राधिकरण ने ताजमहल के पांच सौ मीटर के दायरे में व्यावसायिक गतिविधियां बंद करने के आदेश दिए थे। आगरा विकास प्राधिकरण की तरफ से इस बाबत व्यापारियों को नोटिस जारी किए गए थे। प्राधिकरण के आदेश को मार्केट एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। व्यापारियों का कहना था कि शाहजहां के फरमान पर बसाए गए ताजगंज बाजार की अपनी अहमियत है। ऐसे में इसे हटाना गलत होगा।

कोवोवैक्स को हेटेरोलॉगस बूस्टर खुराक के रूप में मिली मंजूरी

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने कोरोना टीका कोवोवैक्स को वयस्कों के लिए हेटेरोलॉगस बूस्टर खुराक के रूप में मंजूरी दे दी है। अब जिन लोगों ने कोविशील्ड या कोवैक्सीन की दो खुराक ली है, वे कोवोवैक्स बूस्टर डोज के रूप में ले सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्र ने बताया कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने कोवोवैक्स के लिए हाल ही में डीसीजीआई को पत्र लिखकर कुछ देशों में कोरोना महामारी की बढ़ते मामलों के मद्देनजर 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए कोवोवैक्स हेटरोलॉगस बूस्टर खुराक की मंजूरी मांगी थी। इस संबंध में गत बुधवार को सीडीएससीओ की विषय विशेषज्ञ समिति ने विचार-विमर्श किया और उन वयस्कों के लिए हेटेरोलॉगस बूस्टर खुराक के रूप में कोविड वैक्सीन कोवोवैक्स को बाजार में अनुमति देने की सिफारिश की थी, जिन्हें कोविशील्ड या कोवैक्सीन की दो खुराक दी गई हैं।

उत्तर भारत में कई जगह पारा शून्य से नीचे, दिल्ली में 2.4

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। उत्तर भारत के कई शहरों का तापमान शून्य से नीचे चला गया है। इस लिहाज से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को जरूर कुछ राहत है। हिमाचल प्रदेश के शिमला में ताजा बर्फबारी से पड़ोसी राज्यों में ठंडी हवा बह रही है। यह जानकारी भारत मौसम विज्ञान विभाग के एक अधिकारी ने मंगलवार को दी। इस अधिकारी के मुताबिक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश और पश्चिम उत्तर प्रदेश में न्यूनतम तापमान में 1-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। सबसे कम न्यूनतम तापमान -3.7 डिग्री सेल्सियस राजस्थान के फतेहपुर में दर्ज किया गया। दिल्ली में बुधवार से तीन दिन तक भीषण शीतलहर चलेगी। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शीत लहर की स्थिति बनी हुई है। दिल्ली के सफदरजंग वेधशाला में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 2.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यहां सोमवार को न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, दो पश्चिमी विक्षोभ 18 और 20 जनवरी को उत्तर पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकते हैं। 18 जनवरी तक राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कई हिस्सों और इसके बाद 19 जनवरी को पूर्वी राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में शीत लहर से गंभीर शीत लहर की स्थिति की संभावना है। 19 जनवरी तक उत्तर प्रदेश और बिहार के अलग-अलग हिस्सों में शीतलहर की स्थिति रह सकती है।

इस बीच रेल सेवाओं पर कोहरे कहर जारी है। उत्तर रेलवे के एक प्रवक्ता के मुताबिक मंगलवार को कोहरे के कारण कम से कम 15 ट्रेनें एक घंटे से आठ घंटे की देरी से चल रही हैं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित पालम वेधशाला में दृश्यता स्तर 500 मीटर दर्ज की गई है।

देश में बढ़ती आर्थिक असमानता के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासनकाल में देश में आर्थिक असमानता बढ़ी है। खड़गे ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि भाजपा ने आर्थिक असमानता की खाई को इतना गहरा कर दिया है कि देश का आम इंसान उसमें धंसता जा रहा है। भारत में सबसे अमीर एक फीसदी लोगों के पास देश की कुल संपत्ति का 40 फीसदी से अधिक हिस्सा है। वहीं आधी आबादी के पास सिर्फ तीन फीसदी ही हिस्सा बचा है। उन्होंने कहा कांग्रेस देश में बढ़ रही

आर्थिक असमानता के खिलाफ है। भारत जोड़ो यात्रा आर्थिक असमानता की खाई को भरने का आंदोलन है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार को ट्वीट कर देश में डबल इंजन की सरकार को फेल करार दिया था। उन्होंने कहा था कि गुजरात में हर दिन 9 और देश में 115 दिहाड़ी मजदूर आत्महत्या कर रहे हैं।

एलजी को समझना चाहिए कोई भी सरकार स्थाई नहीं होती: मुख्यमंत्री

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना से मुलाकात करने गया था। उनको समझना चाहिए कि कोई भी सरकार स्थाई नहीं होती है। हो सकता है कल केंद्र में हमारी सरकार हो। उन्होंने कहा कि भगवान ने चाहा तो कल केंद्र में हमारी सरकार होगी। हम चुनी हुई सरकार की इज्जत करते हैं। लोग बच्चों को सरकारी स्कूल में भेज रहे हैं। शिक्षकों को फिनलैंड जाने से रोका जा रहा है। हमारी सरकार शिक्षकों को ट्रेनिंग के लिए फिनलैंड भेजना चाहती है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा के कई नेता विदेशों में पढ़कर आए हैं। उनके बच्चे विदेशों में पढ़ रहे हैं। हर काम के लिए एलजी के पास फाइल जाती है। भाजपा की मानसिकता सामंतवादी, क्या अब एलजी यह करेंगे कि हम अपने बच्चों को कहां पढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने हमारे बच्चों को पढ़ने नहीं दिया। हमारे लिए जनतंत्र, संविधान और कानून सर्वोपरि हैं। एलजी को भी कानून, दिल्ली की जनता और उनके द्वारा चुनी विधानसभा का सम्मान करना चाहिए।

बंगाल में आवास योजना का काम स्थगित, ममता सरकार ने वित्तीय संकट को बताया वजह

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में केंद्रीय आवास योजना के क्रियान्वयन को लेकर लग रहे तमाम आरोपों के बीच राज्य सरकार ने केंद्र को पत्र लिख कर बताया है कि फिलहाल वित्तीय संकट की वजह से राज्य में आवास योजना का काम बंद है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना की धनराशि तत्काल जारी करने की मांग की गई है। राज्य सरकार ने अपने पत्र में लिखा है कि अगर फंड जारी करने में और देरी हुई तो राज्य 31 मार्च की समय सीमा में 11 लाख घरों के निर्माण का लक्ष्य पूरा करने में विफल होगा। राज्य सचिवालय के एक अधिकारी ने इस-ाकी पुष्टि करते हुए बताया कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से इस संबंध में पत्र भेजकर आवास योजना के क्रियान्वयन की स्थिति के बारे में जानकारी मांगी गई थी। इसी के जवाब में पत्र लिखा गया है। अधिकारी ने कहा कि राज्य द्वारा

सोमवार को भेजा गया पत्र, केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के 493 पन्नों के पत्र का जवाब है, जिसमें योजना के हिस्से के रूप में किए गए खर्चों का ब्योरा भी मांगा गया है। पत्र में कहा गया है कि राज्य ने गंभीर वित्तीय संकट के बावजूद, आवास योजना के तहत 40 प्रतिशत खर्च वहन किया है। पत्र में यह भी कहा गया है कि 31 मार्च तक यदि धनराशि जारी नहीं की गई तो 11.5 लाख घर बनाने का लक्ष्य हासिल करना संभव नहीं होगा। योजना के तहत केंद्र 60 प्रतिशत लागत वहन करता है और राज्य 40 प्रतिशत। अधिकारी ने दावा किया राज्य सरकार ने चार हजार 800 करोड़ रुपये का वहन किया है और केंद्र सरकार ने अभी अपना हिस्सा 13 हजार करोड़ नहीं भेजा है। उक्त अधिकारी ने यह भी बताया कि फिलहाल पश्चिम बंगाल में आवास योजना का काम रुका हुआ है।

उप्र शिखर सम्मेलन में यूपी के मंत्रियों का प्रदेश में निवेश का आह्वान, कहा- योगी सरकार आपकी सुविधा व सुरक्षा सुनिश्चित करेगी

कोलकाता, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश व्यापार शिखर सम्मेलन-2023 में निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि आज पूरे देश में उत्तर प्रदेश सबसे सुरक्षित और सुविधा वाला राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य में कानून व्यवस्था इतनी अच्छी है कि वहां उद्योगपतियों की सुरक्षा व सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। औद्योगिक घरानों से कदम आगे बढ़ाने की अपील करते हुए उन्होंने विश्वास दिलाया कि योगी सरकार हर परेशानी दूर करेगी। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वीडियो संदेश प्रसारित किया गया। सम्मेलन में सरकार की ओर से संचालित औद्योगिक विकास की योजनाओं के बारे में विभिन्न विभागों की ओर से प्रस्तुतिकरण भी किया गया। इस मौके पर नंदी ने कहा कि 2014 के बाद इस देश में स्थिति और परिस्थिति किस तरह से बदली है कि आज भारत दिन प्रतिदिन विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। देश की बागडोर नरेन्द्र मोदी के हाथों में है तो उत्तर प्रदेश की बागडोर योगी आदित्यनाथ के हाथों में है। अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे, इसके लिए लगातार सरकार ने काम किया है। इसका नतीजा है कि

आज यूपी उद्योग के लिए सर्वश्रेष्ठ जगह बन कर उभरा है। 2017 के पहले तक उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य के तौर पर जाना जाता था लेकिन 2017 से 2022 तक उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बना और अब सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि जब हम सरकार में आए थे तब उत्तर प्रदेश में केवल दो एयरपोर्ट संचालित थे, आज यहां नौ एयरपोर्ट संचालित है। पहले केवल 24 जगहों पर उड़ान भरी जाती थी और आज 90 से अधिक जगहों पर उड़ान भरी जा रही है। आने वाले समय में 19 एयरपोर्ट होंगे जिसमें से पांच इंटरनेशनल और बाकी डोमेस्टिक एयरपोर्ट होंगे। जेवर एयरपोर्ट केवल चुनावी घोषणा बनकर रह गया था लेकिन प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के निर्देशन में आज यह सपना साकार हो रहा है। 2024 के पहले क्वार्टर में उसका ट्रायल शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए हमारी सरकार की प्रतिबद्धता ने यहां उद्योगपतियों को काफी प्रेरित किया है।

कोरोना के समय उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा डाटा सेंटर महज 14 महीनों में तैयार कर लिया गया, ड्रोन से सर्वे करके जो भारत के इतिहास में पहली बार था। यह उत्तर प्रदेश का उद्योग के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दिखाता है। आज योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून व्यवस्था ना केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए उदाहरण बन चुकी है। नंदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के 37.7% एक्सप्रेसवे है। हमारा मकसद 17 लाख करोड़ का निवेश लक्ष्य को पूरा करना है। जल्द ही हमारे उत्तर प्रदेश के जीडीपी को एक ट्रिलियन करना है। इसमें बंगाल के निवेशक बड़े सहायक हो सकते हैं। यहां से निवेश करने वालों का एक-एक पैसा सुरक्षित और संरक्षित रखने की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश की होगी। उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा आज निवेश लिए जितना अच्छा माहौल उत्तर प्रदेश में है वह पूरी दुनिया में कहीं नहीं है। दुनिया भर के 16 देशों के साथ पूरे देश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम कर रहे हैं। अनिल ने कहा कि राज्य का श्रम मंत्रालय मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रम कानूनों को सरल करने और उद्योगपतियों तथा कारोबारियों को उससे होने वाली परेशानियों को खत्म करने को कहा था।

उसे हमने खत्म कर दिया है। आज यूपी में कोई भी उद्योगपतियों या कारोबारियों को परेशान नहीं कर सकता। अगर कोई करेगा तो हमने उन्हें दंडित करने का प्रावधान रखा है। खासतौर पर बुंदेलखंड कॉरिडोर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कॉरिडोर आने वाले समय में यह सबसे लोकप्रिय होने वाला है क्योंकि डिफेंस कॉरिडोर बना है और उत्तर प्रदेश सरकार यहां निवेश के लिए हर तरह की मदद देगी। उन्होंने कहा कि सरकार आपके साथ हर कदम पर मदद के लिए खड़ी है।

स्वास्थ्य विभाग में दवाओं के नाम पर मची है लूट : अखिलेश

लखनऊ, 17 जनवरी (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में हर दिन नए-नए घोटाले उजागर हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग में दवाओं के नाम पर लूट मची हुई है। मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ हो रहा है। लेकिन इसकी फिक्र न तो मुख्यमंत्री को है और न ही स्वास्थ्य मंत्री को। वे केवल वाहवाही लूटने और अखबारों में नाम छपवाने में व्यस्त हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि दवाओं की खरीद में पिछले घोटालों की हुई जांच का नतीजा क्या हुआ? इधर फिर नए-नए घोटाले उजागर हो रहे हैं। इस घोटाले में ऊपर से नीचे तक की संलिप्तता हैं जिसके कारण दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। ताजा मामला विटामिन ए से जुड़ा हुआ है। विटामिन ए की सीसी की खरीद को लेकर स्वास्थ्य विभाग में बड़े पैमाने पर घोटाला सामने आया है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में विटामिन ए की घटिया दवा सप्लाई की गई। सप्लाई की गई विटामिन ए की दवा की गुणवत्ता बेहद घटिया पाई गई है। आम जनता और बच्चों के लिए जो विटामिन ए की सिरप अस्पतालों में सप्लाई की गई है वह सीसी में ही जम जा रही है। इसके पहले भी 16 करोड़ की घटिया दवाओं की खरीद का मामला सामने आया था। सरकार ने उसकी लीपापोती कर दी और जांच का कोई नतीजा सामने नहीं आया। उन्होंने कहा कि डॉ. राम मनोहर लोहिया संस्थान में दवाओं में बड़े पैमाने पर हेरा-फेरी का भी मामला सामने आया। भाजपा सरकार में ही 2021-22 में राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम योजना के तहत जो सामानों की खरीद हुई, उसमें भी बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ।

इसमें भी अनुमानित 50 करोड़ का घोटाला हुआ। हालात यह है कि स्वास्थ्य विभाग में विभागीय मंत्री के आदेशों पर भी कार्यवाही नहीं हो रही है। विभाग के राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने एक फर्म की जांच के लिए लिखा था। बताते हैं उस फर्म के लोग टेण्डर में अपनी शर्तें डलवाते हैं। मंत्री के पत्र पर सब आंखें मूंदे बैठे हैं। सपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि भाजपा सरकार आम जनता को गुणवत्तायुक्त और रियायती दरों पर दवाइयां देने में विफल है। स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से चरमरा गई हैं। अस्पतालों में न दवाएं हैं और न डॉक्टर। मरीजों को अस्पतालों तक ले जाने के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार ने डायल 108 और 102 एम्बुलेंस सेवा की शुरूआत की थी, जिसे भाजपा सरकार ने पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। भाजपा सरकार के कार्यकाल में इन सेवाओं में भी तमाम घोटाले सामने आ रहे हैं। इस सरकार में सिर्फ लूट मची है। यह जानकारी सपा मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी द्वारा मंगलवार को पत्र जारी कर दी गई है।

पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी और दोनों बेटों को अलग-अलग जेल भेजा

मेरठ, (हि.स.)। बसपा सरकार में मंत्री रहे याकूब कुरैशी और उनके दोनों बेटों को मेरठ जेल से अलग-अलग जेलों में शिफ्ट कर दिया गया। जेल में पूर्व मंत्री से मिलने वालों की संख्या लगातार बढ़ती देखकर यह निर्णय लिया गया। अल फहीम मीटैक्स प्राइवेट लिमिटेड प्रकरण में पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी और उनके बेटे इमरान व फिरोज की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। 50 हजार रुपए का इनाम घोषित होने के बाद मेरठ पुलिस ने याकूब कुरैशी और उनके बेटे इमरान को दिल्ली से गिरफ्तार किया था। जबकि एक बेटा फिरोज पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। गैंगस्टर के तहत याकूब कुरैशी की संपत्ति को चिन्हित करने का काम तेजी से चल रहा है। मेरठ जेल में बंद पूर्व मंत्री और दोनों बेटों से मिलने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही थी। जेल में याकूब कुरैशी को सुविधाएं मिलने की बात भी सामने आ रही थी। शासन स्तर पर मामला उठने पर याकूब कुरैशी पर शिकंजा कसने का काम शुरू हुआ। याकूब कुरैशी को मंगलवार को मेरठ जेल से सोनभद्र जेल में शिफ्ट कर दिया गया। इमरान को सिद्धार्थनगर और फिरोज को बलरामपुर जेल में शिफ्ट किया गया है। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण के मुताबिक, शासन के आदेश के अनुसार तीनों पिता-पुत्र को अलग-अलग जिलों में शिफ्ट कर दिया गया है। जेल में जिन-जिन लोगों ने याकूब कुरैशी और उनके बेटों से मुलाकात की है। उनका क्या कनेक्शन है, इस-ाकी भी जांच-पड़ताल की जा रही है। मेरठ जिला कारागार के वरिष्ठ जेल अधीक्षक राकेश कुमार का कहना है कि पूर्व मंत्री और बेटों को पुलिस स-ुरक्षा में प्रदेश की अलग-अलग जेलों में शिफ्ट कर दिया गया।

लखनऊ विवि में भिड़े वामपंथी व अभाविप के कार्यकर्ता, हुई धक्का-मुक्की

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को वामपंथी छात्र संगठन और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गये। यह विवाद तब शुरू हुआ जब वामपंथी संगठन के छात्र रोहित वेमुला की पुण्यतिथि पर कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे। उसी समय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के नारे लगाने लगे। छात्रों ने बीच-बचाव करने आए पुलिसकर्मियों व प्रॉक्टोरियल बोर्ड के लोगों से भी धक्कामुक्की की। एबीवीपी समर्थक छात्रों का कहना है कि हम लखनऊ विश्वविद्यालय को जेएनयू नहीं बनने देंगे और जय श्रीराम के नारे लगाए। परिसर में रोहित वेमुला की पुण्यतिथि पर आइसा और एनएसयूआई छात्र कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहे थे, जिसका एबीवीपी के छात्रों ने विरोध किया। एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उल्लेखनीय है कि 17 जनवरी 2016 को हैदराबाद सेंट्रल विश्वविद्यालय के हास्टल में एक विद्यार्थी रोहित वेमुला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उस-ाके खुदकुशी के बाद जगह-जगह बवाल हुए थे।

महोबा- प्राणघातक हमले में बाल-बाल बचे विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के जिला संयोजक व दो अन्य पदाधिकारी

महोबा, (हि. स.)। मुख्यालय अन्तर्गत बीती रात विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के जिला संयोजक सहित तीन लोगों पर विशेष समुदाय के लोगों ने घेराबंदी कर जानलेवा हमला कर दिया । सशस्त्र बदमाशों ने अवैध असलहों से फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी । वीएचपी और बजरंग दल के संयोजकों पर एक साथ हमले की घटना से आक्रोशित सैकड़ों की संख्या में कार्यकताओं ने कार्यवाही की मांग को लेकर कोतवाली का घेराव कर दिया । मामले की गंभीरता को देख पुलिस अधीक्षक सुधा सिंह ने आधा दर्जन से अधिक बदमाशों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर तीन टीमों को रवाना किया है । जानकारी के अनुसार महोबा में विश्व हिंदू परिषद के जिला संयोजक मयंक तिवारी और बजरंग दल के प्रांत संयोजक अवधेश शर्मा अपने दो अन्य साथियों के साथ साथी पदाधिकारी के मातृ शोक में शामिल होकर कार से अपने घर वापस लौट रहे थे तभी पहले से घात लगाए बैठे विशेष समुदाय के दर्जन भर लोगों ने डिग्री कालेज तिराहे के पास रास्ते को अवरुद्ध कर कार के पास आकर घेराबंदी कर विश्व हिन्दू परिषद के नेता मयंक तिवारी को कार से नीचे उतार लिया एवं हाथापाई शुरू कर दी, इसके बाद कार में मौजूद अन्य सभी के साथ भी मारपीट शुरू कर दी। यही नहीं, हमलावरों द्वारा मौके पर जान से मारने के इरादे से फायरिंग भी की गई , घटनास्थल पर फायरिंग से मौके पर उपस्थित दुकानदारों और लोगों में सन्नाटा छा गया। सभी हिन्दू संगठन पदाधिकारी किसी तरह अपने को बचा कर कोतवाली पहुँचे एवं पुलिस ने सूचना मिलते ही कार्यवाही शुरू की। जानलेवा हमले में बाल-बाल बचे मयंक तिवारी, अवधेश शर्मा और उनके साथी ने बताया कि उनकी सूझबूझ और साहस और ईश्वर की विशेष कृपा के चलते वे सभी लोग सकुशल अपनी जान बचाने में कामयाब रहे हैं। वहीं घटना की जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक सुधा सिंह ने बताया कि सोमवार की देर शाम विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के जिला संयोजक नगर के एक परिवार के घर से शोक संवेदना व्यक्त कर कार से घर वापस लौट रहे थे। तभी कुछ अज्ञात साथियों के साथ घात लगाए बैठे बदमाशों ने टीम पर हमला बोल दिया है। मामले की जांच के लिए टीम गठित कर दी है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस पूछताछ कर रही है। जल्द ही दोषी हमलावरों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नफरत का माहौल बना जनता को डरा रही : वीरेन्द्र राय

-राहुल गाँधी भारत जोड़ों यात्रा से देश में सौहार्द कायम करने में सफल हैं

भदोही,(हि.स.)। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हिन्दू और मुसलमान के बीच नफरत पैदा कर समाज को बांटने मे लगी है। अब समय आ गया है कि देश के लोग लोकतन्त्र को बचाने और अपनी मूलभूत अधिकारों के लिए आगे आएं और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ कंधे से कन्धा मिला कर भाईचारा का माहौल बनाएं। भदोही गोला मण्डी स्थित कांग्रेस नेता स्वालेह अंसारी के आवास पर कांग्रेसजनों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय नेता वीरेन्द्र राय ने कहा कि देश में महंगाई व बेरोजगारी चरम पर है । उस पर चर्चा न कर धर्म पर बहस कराई जाती है । उन्होंने कहा कि जब भी देश पर संकट के बादल छाए तब कांग्रेस के लोगों ने अपनी जिम्मेदारी निभायी। आज राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से देश में सौहार्द कायम करने में सफल हैं। उनकी यात्रा में लाखो की भीड़ ने उनके हौसले को बल दिया है और नफरत के नाग अपने बिलों मे जाने पर मजबूर हो गये। उन्होंने उपस्थित कांग्रेस नेताओं व कार्यकताओं से क-हाकि उन न्यूज चैनलों के विरुद्ध आवाज बुलन्द करने का समय आ गया है जो देश का माहौल बिगाड़ रहे हैं।आपलोग उन चैनलों का बॉयकाट करे और लोगों से भी बॉयकाट की मुहिम चलाने, उन चैनलों का अनसब्सक्राइब करने के लिए अपील करें। बैठक मे प्रमुख रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता काशीनाथ,माबूद खां, मु-शीर इकबाल, कर्मचन्द बिन्द, राजेन्द्र प्रसाद मौर्य,कुलदीप श्रीवास्तव, संतोष कनौजिया,डॉ. महेन्द्र यादव, अमजद रसूल अंसारी, परवेज अंसारी, अभिमन्यु यादव, आनन्द मौर्य, शश-ांक तिवारी, उपेन्द्र कुमार भारतीय, अरशद मलिक, शम्शुल हक हाशमी, मुश्ताक अंसारी सोनू कुमार आदि मौजूद रहे।

सपा प्रदेश अध्यक्ष देंगे एमएलसी व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव में जीत का मंत्र

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रदेश में 30 जनवरी 2023 को होने वाले विधान परिषद खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनावों की तैयारी को लेकर जिला कार्यालयों में बैठक करेगी। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष पार्टी के प्रमुख नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव की रणनीति और जीत का मंत्र देंगे। समाजवादी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने मंगलवार को पत्र जारी करते हुए बताया कि विधान परिषद खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की सीटों पर उतारे गए पार्टी उम्मीदवारों को जीत का मंत्र दिया जाएगा। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष व सदस्य विधान परिषद नरेश उत्तम पटेल जिला कार्यालयों में बैठक लेंगे। यह बैठकें 19 जनवरी से शुरू होकर 26 जनवरी को समाप्त होंगी। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष प्रमुख नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की बैठक करेंगे तथा प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित कराने की रणनीति बनाएंगे। सपा प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम 19 जनवरी को कानपुर नगर तथा कानपुर ग्रामीण की बैठक प्रत्याशी के केन्द्रीय चुनाव कार्यालय पर (कानपुर नगर) में करेंगे। 20 जनवरी को कानपुर देहात बैठक अकबरपुर जिला कार्यालय पर 01.00 बजे, 21 जनवरी को उरई (जालौन) बैठक 11.00 बजे, हमीरपुर बैठक 02.00 बजे, 23 जनवरी को उन्नाव बैठक 01.00 बजे, 24 जनवरी शाहजहांपुर बैठक 12.00 बजे, 25 जनवरी को बरेली बैठक, 26 जनवरी को मुरादाबाद में बैठक की जाएगी।

कानपुर में पहुंचा दो डिग्री तापमान, सर्दी ने तोड़ा 22 वर्ष का रिकार्ड

कानपुर, (हि.स.)। उप्र के कानपुर समेत कई जिलों में बर्फीली हवाओं ने कहर बरसाना शुरू कर दिया है। न्यूनतम तापमान ने 22 वर्ष का रिक-ार्ड तोड़ दिया है और पारा दो डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। बीते चौबीस घंटे के दौरान 6.8 डिग्री पारा नीचे गिर गया। सर्द हवाएं 15 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 12 जनवरी को न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री सेल्सियस था। इसके बाद लगातार आठ डिग्री से अधिक पर चला गया। लेकिन सोमवार तड़के यह तेजी से धड़ाम हो गया। यह सामान्य से 4.8 डिग्री कम है। रात में सर्द हवाओं की गति 15 किमी प्रति घंटा से अधिक पहुंच गई। वहीं, सोमवार-मंगलवार की रात में पारा रिकॉर्ड तोड़ते हुए दो डिग्री तक पहुंच गया। मंगलवार की सुबह भी धूप के साथ हुई, लेकिन ठंड की वजस से धूप पूरी तरह बेअसर साबित हो रही है। सुबह का तापमान चार डिग्री दर्ज किया गया। सीएसए यूनिवर्सिटी के मौसम विज्ञानी डा. एस.एन सुनील पांडेय ने बताया कि 19 जनवरी तक ठंड का असर जारी रहेगा। वहीं 23 से 25 के बीच बारिश के आसार बन रहे हैं। बीते चौबीस घंटे में हार्ट अटैक से सात और मरीजों ने दम तोड़ दिया। 37 गंभीर रोगियों को आकस्मिक कक्ष में भर्ती कराया गया है। उधर, हैलट इमरजेंसी में ब्रेन स्ट्रोक के 22 मरीजों को भर्ती कराया गया है। कार्डियोलॉजी में सुबह से मरीजों का तांता लगा रहा। ओपीडी में मरीजों की संख्या एक हजार से पार कर चुका है। हैलट इमरजेंसी में प्रो. जे.एस कुशवाहा की देखरेख में 44 मरीजों को भर्ती कराया गया है। इसमें आधे से अधिक मरीज सिर्फ ब्रेन स्ट्रोक के हैं। डॉ. कुशवाहा की ओपीडी में ही 300 से ज्यादा मरीज आए हैं।

इविवि एवं एमएनएनआईटी के बीच जमीन को लेकर हुआ समझौता

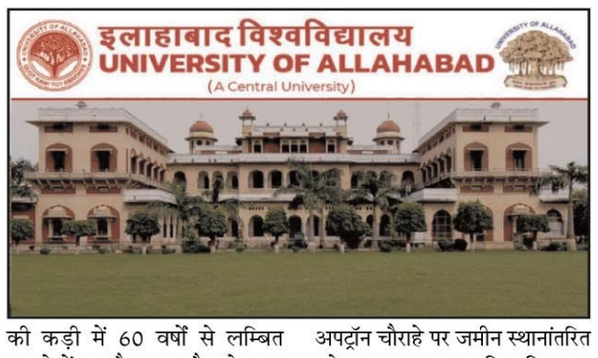

प्रयागराज, (हि.स.)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय और एम एन एन आई टी के बीच जमीन के आदान-प्रदान को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। इसके अंतर्गत सहमति हुई कि विश्वविद्यालय की जिस 5.32 एकड़ जमीन का इंजीनियरिंग कॉलेज के मध्य में होने के कारण स्वतंत्र प्र-वेश नहीं है, वह इंजीनियरिंग कॉलेज को दे दी जाएगी।

उसके बदले इंजीनियरिंग कॉलेज विश्वविद्यालय को उतनी ही जमीन देगा। यह जानकारी इविवि की मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डॉ जया कपूर ने मंगलवार को देते हुए बताया कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में वर्षों से लम्बित मामलों के सुलझने की कड़ी में 60 वर्षों से लम्बित मामले में समझौता हुआ है। जो बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस समझौते के अनुसार इंजीनियरिंग कॉलेज में स्थित विश्वविद्यालय की एक 5.32 एकड़ जमीन के बदले विश्वविद्यालय को इंजीनियरिंग कॉलेज के रिहायशी परिसर में एवं अपट्रॉन चौराहे पर जमीन स्थानांतरित करेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की तरफ से समिति में कुलपति प्रो एन के शुक्ला के नेतृत्व में 4 सदस्यीय टीम और इंजीनियरिंग कॉलेज की तरफ से 9 सदस्यों की टीम ने समझौता वार्ता में हिस्सा लेकर समझौते को अंतिम रूप दिया है।

राजद-जदयू मिलकर बिहार में फैला रही है धार्मिक और जातीय उन्माद : कुंदन कुमार

बेगूसराय, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मीडिया सेल के बिहार प्रदेश संयोजक विधायक कुंदन कुमार ने कहा है कि राजद और जदयू मिलकर बिहार में जातीय एवं धार्मिक उन्माद फैला रही है। जो पार्टी कहती है हम ए टू जेड की पार्टी हैं वह रामचरितमानस को गाली दे रहा है। जो पार्टी कहता है हम सेक्युलर हैं, वह जातीय जनगणना करवा रहा है। मंगलवार को अपने बेगूसराय स्थित कार्यालय में कुंदन कुमार ने कहा कि दोनों मिल जातीय और धार्मिक उन्माद फैलाकर बिहार को बर्बाद कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव आने वाला है, इन लोगों के पास चुनाव में जाने का कोई मुद्दा नहीं है तो जातीय और धार्मिक उन्माद फैलाकर वोट के रूप में उस-ाका लाभ लेना चाहते हैं। बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने पूरे हिंदू समाज को ठेस पहुंचाया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जवाब देना चाहिए कि वह सिर्फ मुंह से ही सेक्युलर बोलते रहेंगे या ऐसे मंत्री का इस्तीफा लेकर जनता को बताएंगे कि वह सही में सेक्युलर हैं। अगर शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर का इस्तीफा मुख्यमंत्री नहीं लेंगे तो जनता को पता चल जाएगा कि वह सत्ता के लिए कुछ भी कर सकते हैं। रामचरितमानस ही नहीं, किसी की भावना को ठेस लगेगा तो वह क्रोधित होगा। यहां हर घर में राम बसे हैं, हर हिंदू समाज के दिल में राम बसते हैं। ऐसे में हिंदुओं की भावना को आखिर क्यों ठेस पहुंचा जा रहा है।

विपक्ष में बैठी भाजपा ने ही नहीं, जदयू के नेताओं ने भी कहा है कि बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने जो कहा है वह सही नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हिंदू की भावना को ठेस पहुंचने पर चुप रहते हैं और बाकी किसी की भावना को ठेस पहुंचने पर उग्र क्यों होते हैं। रामचरितमानस को गाली का हर हाल में विरोध होगा। जिस पंक्ति की शिक्षा मंत्री ने चर्चा की है वह काक भुसुंडि ने अपने संबंध में कहा था। लेकिन शिक्षा मंत्री ने गलत रूप से प्रस्तुत किया है। भारतीय जनता पार्टी किसी जात पात की बात नहीं करती है। गुजरात के गोधरा की बात होती है, गोधरा में कार सेवा के लिए ट्रेन से जा रहे हिंदुओं को ट्रेन में आग लगाकर जला दिया गया। उसकी बात किसी ने नहीं की, सिर्फ सब गोधरा की बात करते हैं। आखिर कब तक हिंदुओं की भावनाओं से खेला जाता रहेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समाधान यात्रा को फेल बताते हुए कुंदन कुमार ने कहा कि सरकार के लोग बताएं कि मुख्यमंत्री जिस-जिस जिला में यात्रा पर गए हैं, वहां के किस-किस समस्या का समाधान हुआ है। पूरे बिहार की कानून व्यवस्था बर्बाद है, शिक्षा व्यवस्था बदहाल है, कौन समाधान कराएं हैं। विपक्ष ही नहीं पक्ष के जनप्रतिनिधि के द्वारा उठाए गए कि समस्या का समाधान किया गया। कुछ नहीं हो रहा है सिर्फ आई वाश किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी में तो अब नीतीश कुमार के लिए सभी दर-वाजा बंद हो गए हैं। नीतीश कुमार तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाएं या कहें कि नहीं बनाएंगे तो हम भाजपा नेतृत्व से निवेदन करेंगे कि तेजस्वी के लिए कुछ सोचें। चाचा को जब दिल्ली की राजनीति करना है, प्रधानमंत्री बनना है तो अब मात्र एक साल बचा है, भतीजा को बिहार सौंप कर देना चा-हिए, युवा को काम करने का मौका मिलना चाहिए।

भाजयुमो ने शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

सहरसा, (हि.स.)। भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर इकाई द्वारा मंगलवार को बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर का पुतला दहन शंकर चौक पर किया गया। इस मौके पर युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष प्रिंस सिंह ने कहा कि बिहार के शिक्षा मंत्री दिन-रात केवल झूठ की ही खेती करते हैं ।उन्होंने राम चि-रत्र मानस जैसे पवित्र ग्रंथ पर गलत टिप्पणी करना उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने की तरफ इशारा करती है। प्रिंस सिंह ने कहा कि जिस चौपाई का उल्लेख शिक्षा मंत्री ने किया। उस-ाका पूरा अर्थ को बदला है। केवल आधा चौपाई पढ़ कर मंत्री जी दीक्षांत समारोह में झूठा ज्ञान दे बैठे ।जबकि मंत्री जी को खुद पता नहीं है कि यह चौपाई है या दोहा। मंत्री जी चौपाई को दोहा बतला रहे हैं और समाज के अंदर लोगों को बरगला कर झूठ बोलकर नफरत फैला रहे हैं ।यह बिहार का इकलौता एकमात्र ऐसा मंत्री जो दिन-रात झूठ ही बोलते हैं ।इनसे अगर दूसरे धर्म के बारे में पूछ लिया जाए तो यह कहेंगे कि मैंने पढ़ा ही नहीं है लेकिन दूसरे धर्म के बारे में टीवी चैनलों पर इंटरव्यू में एक से एक कसीदे पढ़ेंगे। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला मीडिया प्रभारी अमित आनंद ने कहा कि शिक्षा मंत्री को बिहार की शिक्षा व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए। कैसे बिहार की शिक्षा व्यवस्था रसातल में पहुंच गई है। इस-ाके ऊपर वह ध्यान दें तो बेहतर होगा बाकी उनके परिवार में उनके पुरखों ने भी राम चरित्र मानस का सम्मान किया होगा। लेकिन मंत्री जी "अधजल गगरी छलकत जाए" वाली कहावत के तहत आधा अधूरा ज्ञान लेकर दीक्षांत समारोह जैसे पवित्र समारोह में जिसे कुल यज्ञ माना जाता है। वहां नफरत फैला रहे हैं।

जाप नेताओं ने नये थानाध्यक्ष आफताब आलम का स्वागत करते अपराध नियंत्रण की मांग की

अररिया (हि.स.)। जन अधिकार छात्र परिषद् के कार्यकर्ताओं ने फारबिसगंज में पदस्थापित नवनियुक्त थानाध्यक्ष आफताब आलम को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया ।साथ हो जाप के कार्यकताओं ने नए थानाध्यक्ष से फारबिसगंज के व्यवसायिक केन्द्र होने के कारण विधि व्यवस्था के साथ अपराध पर अंकुश लगाने की विशेष पहल करने की मांग की ।एसएचओ आफताब आलम ने भी जाप कार्यकर्ताओं को सकारात्मक रूप से विधि व्यवस्था संधारण के साथ आमजनों के सहयोग से अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा में पहल करने का आश्वासन दिया। प्रदेश सचिव शेख तालिब के नेतृत्व में जाप कार्यकर्ताओं ने फारबिसगंज थाना पहुंचकर नये थानाध्यक्ष का स्वागत किया। मौके पर शेख तालिब ने बताया कि फारबिसगंज के नये थानाध्यक्ष से सभी आम-आवामों समेत व्यापारियों को काफी उम्मीद हैं कि पुलिसिया कार्यवाही में तेजी लाकर आपराध समेत अन्य घटनाओ पर अंकुश लगाया जायेगा ।मौके पर जन अधिकार छात्र परिषद के जिला उपाध्यक्ष सरफराज आलम प्रधान महासचिव एहतेशाम अंसारी छात्र नेता आजम, सुमित झा,सुबोध,आफताब इब्राहिम, मुकेश कुमार झा समेत भारी संख्या में जाप कार्यकर्ता मौजूद थें।

राजस्थान में आयोजित स्काउट-गाइड के राष्ट्रीय जंबूरी में अररिया का प्रदर्शन उल्लेखनीय

अररिया (हि.स.)। बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड, जिला अररिया की 17 सदस्यीय टीम ने राजस्थान के पाली मारवाड़। के आयोजित 18वीं राष्ट्रीय जंबूरी में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। जिला संगठन आयुक्त बैजनाथ प्रसाद के नेतृत्व में अररिया जिला का जलवा रहा। संगठन आयुक्त बैजनाथ प्रसाद ने बताया कि राष्ट्रीय जंबूरी का थीम प्रोग्रेस विद पीस रखा गया था । जंबूरी स्काउट गाइड का सबसे बड़ा राष्ट्रीय कार्यक्रम है जो प्रत्येक 4 वर्ष पर आयोजित किया जाता है। 18वीं राष्ट्रीय जंबूरी का उद्घाटन 4 जनवरी 2023 को भारत के राष्ट्रपति महोदया द्रौपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति में मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्रा, अध्यक्षता राजस्थान के मुख्यमंत्री राजस्थान अशोक गहलोत के द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति के द्वारा स्काउट गाइड ध्वज फहराया गया ।जंबूरी पैरेट का निरीक्षण और मार्च पास्ट को सलामी दी गई। साथ ही भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एयरोबैटिक टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए राष्ट्रपति जी ने कहा कि स्काउट गाइड देश का सबसे बड़ा चरित्र निर्माण करने वाली संगठन है,जिनका कार्य अद्भुत है। कठिन अनुशासन एवं आत्मसमर्पण के साथ समाज की सेवा करने के लिए संगठन बधाई का पात्र है । इस जंबूरी में भारत के विभिन्न राज्यों से 37000 स्काउट गाइड और लीडर के अलावे बांग्लादेश, नेपाल, मलेशिया, श्रीलंका, भूटान, मालदीप, धाना, सऊदी अरबिया, केन्या, मडगास्कर, सिंगापुर के 1500 स्काउट गाइड लीडर्स ने भाग लिया।

संपादकीय

नए रोजगार की ओर

निर्णायक होने के कई मजमून हिमाचल का पीछा कर रहे हैं और इन्हीं के इर्द गिर्द तमाम मुख्यमंत्रियों का आकलन होता रहा है। इसी फेहरिस्त में आने वाले पांच साल मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के हर फैसले का मूल्यांकन करेंगे। हिमाचल सरकार के तौर तरीके और पहली मंत्रिमंडलीय बैठक ने यह स्थापित कर दिया कि बात पैसे की भी हो, तो जिरह और जमीन बदली जा सकती है। ओपीएस मुद्दे पर वचनबद्धता निभाना बेशक चुनावी वादा था, लेकिन इस के ऊपर सरकार का रवैया और वित्तीय प्रबंधन का तरीका निश्चित तौर पर निर्णायक भूमिका में परिचय दे गया और अगर मुख्यमंत्री इस मामले से जुड़ी तमाम आपित्तयों और शंकाओं से लांघ गए, तो वह अपने कत्र्तव्यों, दृष्टिकोण और कार्रवाइयों में उत्सुकता का आभास कराते रहेंगे। अब तक मंत्रियों का चयन, विभागों का वितरण और मंत्रिमंडल के फैसलों का आगाज सुखविंदर सिंह को अलग श्रृंखला बनाते हुए देख रहा है। जाहिर है कांग्रेस की गारंटियां सरकार के गले से बंधी हुई हैं और ये खर्चीली तथा वित्तीय प्रबंधन की अति कठोर तपस्या से जुड़ी हुई हैं। दूसरी ओर राज्य की अपेक्षाएं, हिमाचल की प्राथमिकताएं और व्यवस्था परिवर्तन की धाराएं जाहिर तौर पर मुख्यमंत्री को कडक़ और निर्णायक फैसले लेते हुए देखना चाहती हैं। सरकार के अगले कदमों में तीन सौ यूनिट तक मुफ्त बिजली की आपूर्ति, एक लाख रोजगार के अवसर पैदा करने और अपने पहले बजट के अनुमानों में आत्मनिर्भरता, आशा, विकास और वित्तीय कुशलता भरने का संकल्प देखा जाएगा। यह दीगर है कि सरकार हर फैसले के पैरामीटर में समय सीमा निर्धारित कर रही है और इसीलिए अगले एक महीने में महिला पेंशन व रोजगार पर फैसला लेने वाली है। ऐसे में हिमाचल और युवाओं के भविष्य की दृष्टि से रोजगार सृजन पर आने वाली रिपोर्ट तथा इससे संबंधित फैसले का इंतजार स्वाभाविक है। यह इसलिए भी कि अब तक रोजगार के मायने सरकारी नौकरी रहे हैं और कमोबेश हर सरकार ने युवाओं को किसी न किसी बहाने इसी दिशा की ओर प्रेरित किया। इतना ही नहीं प्रदेश का अब तक का शैक्षणिक माहौल भी एक तरह से सरकारी नौकरी को ही इसका अभिप्राय बनाता रहा है। ऐसे में रोजगार की रफ्तार को समझने के लिए युवा महत्त्वाकांक्षा और स्वरोजगार की संभावना को फिर से लिखने की जरूरत है। हिमाचल में एक लाख से कहीं अधिक रोजगार व्यापार, उद्योग, पर्यटन, परिवहन, स्वरोजगार, लोककलाओं, ग्रामीण व शहरी आर्थिकी से आ सकता है, बशर्ते ढांचागत परिवर्तन व नवाचार में सरकार आगे बढ़े। इस दिशा में युवाओं के लिए पूर्व घोषित स्टार्ट अप फंड से काफी आशा रहेगी। पर्यटन को ही लें, तो सरकार हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक पर्यटन गांव विकसित करते हुए कई होम स्टे, गिफ्ट सेंटर, जल पान गृह, मनोरंजन तथा अन्य गतिविधियों पर केंद्रित स्वरोजगार पैदा कर सकती है। ये पर्यटन गांव बिना किसी अतिरिक्त बजट के विधायक निधि, पर्यटन योजनाओं, ग्रामीण व शहरी विकास, जलशक्ति, पीडब्ल्यूडी, वन, भाषा-संस्कृति, मत्स्य पालन तथा प्रमुख धार्मिक स्थलों की आय व सहयोग से विकसित हो सकते हैं। ये हाई-वे, धार्मिक ईको, साहसिक खेलों, हाट बाजार तथा मनोरंजन गतिविधियों को आगे बढ़ाता हुआ ऐसा ढांचा होगा, जहां पूरे प्रदेश में कम से कम पच्चीस हजार लोगों को रोजगार के अवसर दिए जा सकेंगे। इसी तरह पीडब्ल्यूडी, ग्रामीण विकास व परिवहन विभाग अगर हर कस्बे में बस स्टॉप कम व्यापारिक केंद्र विकसित करें तो कम से कम पच्चीस हजार नए व्यापारिक केंद्र स्थापित हो सकते हैं। प्रदेश में शहरीकरण से उपजे रोजगार का मूल्यांकन हो, तो ऐसी अधोसंरचना निर्मित हो सकती है, जो कम से कम 25000 युवाओं को पहले ही चरण में भविष्य का रास्ता दिखाएगी।

सरकार के अगले कदमों में तीन सौ यूनिट तक मुफ्त बिजली की आपूर्ति, एक लाख रोजगार के अवसर पैदा करने और अपने पहले बजट के अनुमानों में आत्मनिर्भरता, आशा, विकास और वित्तीय कुशलता भरने का संकल्प देखा जाएगा। यह दीगर है कि सरकार हर फैसले के पैरामीटर में समय सीमा निर्धारित कर रही है और इसीलिए अगले एक महीने में महिला पेंशन व रोजगार पर फैसला लेने वाली है। ऐसे में हिमाचल और युवाओं के भविष्य की दृष्टि से रोजगार सृजन पर आने वाली रिपोर्ट तथा इससे संबंधित फैसले का इंतजार स्वाभाविक है। यह इसलिए भी कि अब तक रोजगार के मायने सरकारी नौकरी रहे हैं और कमोबेश हर सरकार ने युवाओं को किसी न किसी बहाने इसी दिशा की ओर प्रेरित किया।

समय रहते वर्तमान पीढ़ी की सरकार को संवेदनशील होना पड़ेगा, अन्यथा भविष्य की पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी

सवाल सिर्फ जोशीमठ का नहीं

डा. अश्विनी महाजन

'जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति' के आंदोलन के चलते नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) को आदेश दिया गया है कि तपोवन विष्णुगढ़ हाईड्रो पॉवर प्रोजेक्ट के निर्माण, जिसमें हेलांग बायपास सडक़ भी शामिल है, को रोक दिया जाए। एशिया की बससे बड़ी रोपवेज के काम को भी रोक दिया गया है। इस संकट के मद्देनजर चाहे ये कदम उठाये गये हैं, लेकिन जानकारों का मानना है कि जोशीमठ के धंसने को रोका नहीं जा सकेगा। यानि आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित इस पहले ज्योतिर्मठ के पतन को अब रोका नहीं जा सकता। यह पहला अवसर नहीं है कि इस हिमालयी क्षेत्र में इस प्रकार की त्रासदी हुई है।

आदि शंकराचार्य द्वारा आठवीं शताब्दी में स्थापित शहर जिसमें पवित्र ज्योतिर्लिंगम स्थित है, जिसे जोशीमठ के नाम से जाना जाता है, के धंसने की खबर से उत्तराखंड ही नहीं, संपूर्ण देश में चिंता व्याप्त है। जहां एक ओर जोशीमठ शहर के धंसने से बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हो रहे हैं, राजनीतिक दल एक-दूसरे पर दोषारोपण में व्यस्त हैं। 'जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति' के आंदोलन के चलते नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन (एनटीपीसी) को आदेश दिया गया है कि तपोवन विष्णुगढ़ हाईड्रो पॉवर प्रोजेक्ट के निर्माण, जिसमें हेलांग बायपास सडक़ भी शामिल है, को रोक दिया जाए। एशिया की सबसे बड़ी रोपवेज के काम को भी रोक दिया गया है। इस संकट के मद्देनजर चाहे ये कदम उठाये गये हैं, लेकिन जानकारों का मानना है कि जोशीमठ के धंसने को रोका नहीं जा सकेगा। यानि आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित इस पहले ज्योतिर्मठ के पतन को अब रोका नहीं जा सकता। यह पहला अवसर नहीं है कि इस हिमालयी क्षेत्र में इस प्रकार की त्रासदी हुई है। इससे पहले वर्ष 2021 में भी तपोवन बांध के मजदूरों सहित 200 लोगों की मौत चमोली बाढ़ में हुई थी। इससे पूर्व 2013 में भी भारी वर्षा के बाद इस क्षेत्र में गंगा, यमुना और उसकी सहायक नदियों में बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में पुल, सडक़ें और भवन धराशायी हो गये थे। हिमालयी क्षेत्र में आये दिन इस प्रकार की आपदाओं में हाल ही के वर्षों में भारी वृद्धि हुई है। इन प्राकृतिक आपदाओं को हल्के में नहीं लिया जा सकता। माना जा रहा है कि वर्तमान में बढ़ती आपदाओं के पीछे विकास के नाम पर अंधाधुंध निर्माण कार्य है। यानि ये आपदायें प्राकृतिक न होकर मानव निर्मित ही हैं। पिछले समय में तेजी से हो रहे इस प्रकार के विनाश के मद्देनजर यह विचार करना जरूरी हो गया है कि मानव के लालच से प्रेरित तथाकथित विकास को इस प्रकार से जारी नहीं रखा जा सकता। इस प्रकार के जर्जर एवं नाजुक पहाड़ पर अनियंत्रित निर्माण कार्य ही जोशीमठ के धंसने का कारण हैं। गौरतलब है कि जोशीमठ के पहाड़ की तलहटी में जिस प्रकार से जरूरत से ज्यादा चौड़े चार धाम मार्ग के निर्माण हेतु पहाड़ को काटा गया और एनटीपीसी द्वारा अपनी हाइड्रो परियोजना के लिए पहाड़ के बीच में से एक सुरंग निकाली गई, उससे इस नाजुक पहाड़ पर प्रभाव पडऩा एक स्वाभाविक बात मानी जा रही है। उस क्षेत्र का

जायजा लेने के बाद यह बात भी ध्यान में आती है कि वहां ऊंचे-ऊंचे होटलों एवं इमारतों के निर्माण और सेनिटेशन की ठीक व्यवस्था न होने के चलते इस जर्जर क्षेत्र की अस्थिरता और बढ़ गई। इस सबके चलते आज जोशीमठ का पूरा क्षेत्र ही धंसता जा रहा है और उसे बचाने का कोई रास्ता भी दिखाई नहीं दे रहा। सवाल सिर्फ जोशीमठ का नहीं है। विकास के नाम पर संपूर्ण उत्तराखंड में निर्माण कार्य और प्रकृति के साथ छेड़छाड़ लगातार जारी है। पेड़ों के कटने के कारण पहाड़ों पर हरियाली समाप्त हो चुकी है और इसके कारण मिट्टी वाले इन पहाड़ों से भूस्खलन एक सामान्य प्रक्रिया बन चुकी है। पूरे उत्तराखंड और खासतौर पर पर्यटन आकर्षण के केंद्र जैसे नैनीताल और मसूरी आदि भी विनाश के कगार पर खड़े हैं। कुछ लोगों का मानना है कि जोशीमठ जैसी स्थिति की पुनरावृत्ति नैनीताल में भी हो सकती है।

बिना सोचे-समझे निर्माण कार्य : गौरतलब है कि उत्तराखंड में सडक़ों का चौड़ीकरण, सुरंग निर्माण, रेलवे लाईन, बांध निर्माण आदि इन्फ्रास्ट्रक्चर और इसके अतिरिक्त बड़े पैमाने पर भवन निर्माण, जिसमें अधिकांशतः होटल निर्माण शामिल है, का काम पिछले दो दशकों में तेजी से बढ़ा है। इस दौरान केन्द्र और राज्य में अलग-अलग पार्टियों की सरकारें रही हैं। इसलिए किसी एक पार्टी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह एक वैज्ञानिक तथ्य है कि हिमालय पर्वत तुलनात्मक दृष्टि से नए पर्वत हैं और इसलिए ये जर्जर और नाज़ुक हैं। इसकी धारण क्षमता से ज्यादा इसमें बड़ी छेड़छाड़ यहां भूस्लखन एवं भूधसाव का कारण बनती है। ऐसी स्थिति के चलते इस क्षेत्र में नए निर्माण स्थाई नहीं रह सकते और वर्तमान स्थिति में तो ऐसा देखा जा रहा है कि निर्माण के दौरान ही भारी हादसे हो रहे हैं, जिससे निर्माण कार्य बीच में ही रुक जाता है। एनटीपीसी के 520 मेगावाट का हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट, जो 2006 वर्ष में शुरू हुआ था और जिसकी अनुमानित लागत प्रारंभ में 3000 करोड़ रुपए थी, उसका निर्माण कार्य बार-बार भूस्लखन एवं अन्य प्राकृतिक कारणों से लगातार अवरुद्ध होता रहा है और यह पांचवीं बार है कि इसका कार्य रोकना पड़ा है। माना जा रहा है कि इसकी लागत अभी तक लगभग 12 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच चुकी है और अभी इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के दूर-दूर तक आसार दिखाई नहीं दे रहे। यही बात सडक़ों के विस्तार कार्यों पर भी लागू होती है। समझना होगा कि आज की लागत के आधार पर इस हाइड्रो प्रोजेक्ट से बनने वाली बिजली की लागत 25 रुपये प्रति यूनिट बैठती है, जबकि सौर ऊर्जा की वर्तमान लागत मात्र 2 रुपये 50 पैसे प्रति यूनिट ही है।

क्या है समाधान ? : बिना अपेक्षित प्रभाव के आकलन के विकास के नाम पर विनाशकारी निर्माण आज की और इससे पूर्व की त्रासदी का करण बन रहे हैं। इस अंधाधुंध निर्माण पर अंकुश लगाकर ही इस संकट से बचा जा सकता है। लेकिन स्थान-स्थान पर निर्माण कार्यों को कानून बनाये बिना रोका नहीं जा सकता। कानून बनाने की एक लंबी प्रक्रिया होती है और विभिन्न हितधारकों की समान सोच बनाना एक कठिन कार्य है। राज्य सरकार संवेदनशीलता का परिचय देते हुए इसके लिए प्रयास कर सकती है कि वर्तमान विपत्ति के चलते जिला प्रशासन ने सभी निर्माण कार्यों पर रोक लगा दी है, लेकिन यदि दीर्घकालीन उपाय नहीं सोचे जायेंगे, तो ये निर्माण कार्य देर-सवेर फिर से शुरू हो जायेंगे। इसलिए जरूरी है कि इस समस्या से निपटने के लिए दीर्घकालीन उपाय किये जाने चाहिए। हम जानते हैं कि हिमालय पर्वत से देश में अधिकांष नदियों का उद्गम होता है। वहीं हिमालय के शिखर पर ग्लेशियर स्थित हैं। दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियर पिघल रहे हैं और उसके कारण जल के अधिक प्रवाह से एक तरफ पेयजल के स्रोत समाप्त हो रहे हैं, बल्कि समुद्र का जल स्तर भी बढ़ता जा रहा है।

इको सेंसिटिव जोन की हो घोषणा : ग्लेशियरों के नीचे विभिन्न नदियों का उद्गम होता है, जहां पहले गंगा नदी पर बांध बनाने के नाम पर प्रकृति के साथ छेड़छाड़ के चलते गंगा के अविरल प्रवाह के अवरुद्ध होने के कारण उसका भारी विरोध हुआ था।

ओपीएस के साथ जिम्मेवारियां भी बढ़ी

कांग्रेस पार्टी ने गत वर्ष विधानसभा चुनावों में कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग प्रमुखता से उठाई थी। प्रथम कैबिनेट की मीटिंग में इसकी बहाली करके अन्य राज्य के कर्मचारियों के लिए भी एक उदाहरण पेश किया है। वर्तमान हिमाचल प्रदेश सरकार पर करीब 75000 करोड़ रुपए का कर्ज है इसके अलावा कर्मचारियों का एरियर, भत्ते इत्यादि अनेकों देनदारी अभी भी लंबित पड़ी है जिस पर करीब 11000 करोड़ रुपए का खर्चा होना प्रस्तावित है। ऐसी वितरित आर्थिक परिस्थितियों में भी श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने अपने प्रदेश के कर्मचारियों के आने वाले भविष्य को बेहतरीन, सुखद व समृद्ध बनाने का ऐतिहासिक निर्णय धरातल पर उतारा है। जिस प्रदेश या घर का मुखिया अपने वायदों तथा जिम्मेदारियों को अपनी कार्यशैली में भी अमल में लाए तो उस प्रदेश तथा घर की खुशहाली, समृद्धि व सुखद भविष्य को कोई नकार नहीं सकता। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू एक आम परिवार की पृष्ठभूमि से संबंध रखते हैं।

13 जनवरी 2022 को लोहड़ी के पावन अवसर पर हिमाचल प्रदेश कांग्रेस पार्टी की सरकार ने अपनी प्रथम कैबिनेट की मीटिंग में हिमाचल प्रदेश के कर्मचारियों के लिए बहुचर्चित व लंबित मांग पुरानी पेंशन को बहाल करके प्रदेश के करीब 126000 कर्मचारियों के बुढ़ापे को सहारा देकर एक नया इतिहास रचा है। कांग्रेस पार्टी ने गत वर्ष विधानसभा चुनावों में कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग प्रमुखता से उठाई थी। प्रथम कैबिनेट की मीटिंग में इसकी बहाली करके अन्य राज्य के कर्मचारियों के लिए भी एक उदाहरण पेश किया है। वर्तमान हिमाचल प्रदेश सरकार पर करीब 75000 करोड़ रुपए का कर्ज है। इसके अलावा कर्मचारियों का एरियर, भत्ते इत्यादि अनेकों देनदारी अभी भी लंबित पड़ी है जिस पर करीब 11000 करोड़ रुपए का खर्चा होना प्रस्तावित है। ऐसी वितरित आर्थिक परिस्थितियों में भी श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने अपने प्रदेश के कर्मचारियों के आने वाले भविष्य को बेहतरीन, सुखद व समृद्ध बनाने का ऐतिहासिक निर्णय धरातल पर उतारा है। जिस प्रदेश या घर का मुखिया अपने वायदों तथा जिम्मेदारियों को अपनी कार्यशैली में भी अमल में लाए तो उस प्रदेश तथा घर की खुशहाली, समृद्धि व सुखद भविष्य को कोई नकार नहीं सकता। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री सुखविंदर सिंह सुक्खू एक आम परिवार की पृष्ठभूमि से संबंध रखते हैं। ताउम्र कड़ा संघर्ष करने के बाद आज प्रदेश के सर्वोच्च पद पर विराजमान हुए हैं। पिछले 1 महीने के कार्यकाल में इन्होंने बड़ी स्पष्टतता, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी तथा प्रदेश की जनता के हितों में काम करने का जो प्रण लिया है, वह आने वाले समय में हिमाचल प्रदेश के इतिहास में सुनहरे शब्दों में उद्धृत होगा। वर्तमान समय में सरकारी नौकरी प्राप्त करना काफी कठिन हो गया है। प्रदेश में 10 लाख के करीब बेरोजगार सरकारी नौकरी की कतार में खड़े हैं। हिमाचल प्रदेश में छोटी से छोटी नौकरी के लिए भी हजारों की संख्या में बेरोजगार आवेदन करते हैं। उसके बाद अनुबंध पर अपनी सेवाएं देते हैं। तदोपरांत जब वे नियमित होते हैं तो उसके उपरांत होने 2 वर्ष का प्रोबेशनरी पीरियड भी बिताना पड़ता है जिसमें उन्हें पुराना वेतनमान ही दिया जाता है। इन सभी परिस्थितियों से गुजरने के बाद एक कर्मचारी अपनी सारी जिंदगी सरकार के आदेशों के अनुरूप निर्वहन करता है। ऐसे में जब भी कर्मचारी रिटायर्ड होता है तो उसे एक सुखद व समृद्ध भविष्य मिले, यह उसके नियोक्ता का परम कर्तव्य बन जाता है। लेकिन वर्ष 2003 से हिमाचल प्रदेश में नई पेंशन स्कीम आने से कर्मचारियों की रिटायरमेंट की जिंदगी दयनीय बन चुकी थी। कर्मचारियों को पेंशन के नाम पर महज चंद रुपए ही मिलते थे, जिससे एक कर्मचारी को अपने घर के खर्चे पूरे करने के भी लाले पड़ गए थे। ऐसी परिस्थिति में सभी कर्मचारियों ने एकजुटता के साथ पुरानी पेंशन की बहाली को लेकर आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया और अनेकों उतार-चढ़ाव के फलस्वरूप अंततः प्रदेश के कर्मचारियों को पेंशन बहाली का तोहफा प्रदेश सरकार की तरफ से नसीब हुआ।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में कांग्रेस पार्टी को 68 सीटों में से 40 सीटों पर जीत दर्ज हुई थी। कांग्रेस पार्टी को सत्ता 0.90 फीसदी अंतराल से प्राप्त हुई थी। भारतीय जनता पार्टी को 43 फीसदी मत तथा कांग्रेस पार्टी को 43.90 फीसदी मत प्राप्त हुए थे। कांग्रेस पार्टी को सत्तासीन करने के पीछे प्रदेश के कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली की मांग कांग्रेस के लिए संजीवनी बूटी का काम कर गई थी। यही कारण है कि प्रदेश में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने अपनी पहली ही कैबिनेट की मीटिंग में कर्मचारियों की बड़ी मांग को बड़ी सजगता के साथ सुलझा कर प्रदेश के कर्मचारियों को प्रदेश के बेहतरीन भविष्य के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया है। हिमाचल प्रदेश सरकार का यह निर्णय अन्य राज्यों की सरकारों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बनेगा क्योंकि हिमाचल से ज्यादा समृद्ध कई अन्य राज्य हैं, जो कि अपने कर्मचारियों के लिए पेंशन दे सकते हैं। हिमाचल प्रदेश सरकार के इस निर्णय से कर्मचारी पूर्ण तन्मयता, विश्वसनीयता, ईमानदारी तथा कर्तव्यनिष्ठता से अपने कार्य को करने के लिए सुदृढ़ होंगे। वर्तमान प्रदेश सरकार द्वारा व्यवस्था परिवर्तन करने का जो नारा बुलंद किया है उसके पीछे प्रदेश के कर्मचारी एक बड़ी ताकत बन सकते हैं। प्रदेश का कर्मचारी पूरी लगन, मेहनत तथा ईमानदारी के साथ सरकार की योजनाओं तथा कार्यों को आम जनमानस तक पहुंचाने के लिए लग जाए तो निश्चित तौर पर प्रदेश सरकार आने वाले समय में नए आयाम स्थापित कर सकती है। अब हिमाचल प्रदेश सरकार ने पुरानी पेंशन बहाल करके अपनी जिम्मेदारी को निभा दिया है। अब कर्मचारियों को भी प्रदेश के आम जनमानस के लिए कार्य करने के लिए पूर्ण ईमानदारी के साथ जुट जाना होगा। वर्तमान सरकार के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक संसाधनों की व्यवस्था करना होगा। सरकार के बजट का एक बहुत बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन, भत्ते तथा पेंशन पर चला जाएगा। ऐसे में समाज के अन्य वर्गों के कल्याण के लिए भी सरकार को राज्य में उपलब्ध संसाधनों के बेहतरीन दोहन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। जिसमें प्रदेश का कर्मचारी तथा अधिकारी वर्ग की भूमिका भी अग्रणीय होगी। प्रदेश सरकार को पर्यटन, कृषि, पन विद्युत, सौर ऊर्जा तथा औद्योगिकरण से प्रदेश की आर्थिकी को सुधारना होगा। जिसमें बाहरी निवेशकों की अहम भूमिका होगी। प्रदेश में अनेकों ऐसे डेस्टिनेशन उपलब्ध हैं, यदि उनका उत्थान बाहरी निवेशकों के माध्यम से किया जाए तो भी प्रदेश सरकार की आर्थिक स्थिति को सुधारा जा सकता है। इसके अलावा प्रदेश का शांत व स्वास्थ्यवर्धक वातावरण, गगनचुंबी पहाडियां, हसीन वादियां, स्वच्छ नीर तथा प्राकृतिक कृषि के लिए समृद्ध भूमि इत्यादि संसाधन बाहरी निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र सदैव बने हुए हैं। प्रदेश सरकार को बाहरी निवेशकों को बेहतरीन सुविधाएं दे करके इनके दोहन की एक पारदर्शी तथा समयबद्ध नीति लानी होगी। यदि प्रदेश की आर्थिक स्थिति सरकार के नियंत्रण में आ गई तो निश्चित तौर पर प्रदेश की आम जनता का भविष्य भी सुनहरे मार्ग को प्रशस्त करेगा।

कुछ अलग

सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम में अपना प्रतिनिधि क्यों चाहती है केंद्र सरकार?

केंद्रीय कानून मंत्री ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिख कर मांग की है कि उच्च और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों का चयन करने वाले कॉलेजियम में सरकार का भी प्रतिनिधि होना चाहिए। इस पत्र पर हालांकि कॉलेजियम में चर्चा के बाद ही कोई निर्णय लिया जायेगा, लेकिन इस पर देश में बहस भी शुरू हो गयी है। कुछ न्यायविद् इसे एनजेएसी अधिनियम की वापसी बता रहे हैं तो वहीं सरकार से जुड़े लोगों का कहना है कि हमने कोई अभूतपूर्व मांग नहीं की है क्योंकि पूरी दुनिया में ही ऐसा होता है। कानून मंत्री का मानना है कि कॉलेजियम प्रणाली में सरकार का प्रतिनिधि होने से इसमें पारदर्शिता और सार्वजनिक जवाबदेही भी आएगी। देखा जाये तो उच्चतम न्यायालय की मौजूदा कॉलेजियम प्रणाली पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में केंद्रीय कानून मंत्री के बयान के बाद कुछ पूर्व न्यायाधीशों ने भी इस मुद्दे पर बयान दिये जिस पर न्यायालय ने नाखुशी भी जताई थी। लेकिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जिस तरह एनजेएसी अधिनियम को रद्द किये जाने पर संसद में चर्चा नहीं होने पर हैरत जताई थी, उससे अंदेशा हो गया था कि सरकार कोई कदम उठा सकती है। अब केंद्रीय कानून मंत्री ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर कॉलेजियम में सरकार का प्रतिनिधि रखने की जो मांग की है उससे स्पष्ट हो गया है कि सरकार न्यायाधीशों के चयन के मुद्दे को सिर्फ कॉलेजियम के भरोसे छोड़ने को तैयार नहीं है। उल्लेखनीय है कि 2015-16 में संसद से पारित एनजेएसी में कॉलेजियम प्रणाली को पलटने का प्रावधान था, हालांकि शीर्ष अदालत ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था। न्यायपालिका और सरकार के बीच कॉलेजियम प्रणाली पर मतभेद उस समय भी सामने आये थे जब हाल ही में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने केशवानंद भारती मामले में अदालत के ऐतिहासिक फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा था कि न्यायपालिका, संसद की संप्रभुता से समझौता नहीं कर सकती। उल्लेखनीय है कि उस फैसले ने देश को 'संविधान के मूलभूत ढांचे का सिद्धांत' दिया था। धनखड़ ने जयपुर में आयोजित पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम को निरस्त किये जाने पर एक बार फिर सवाल उठाते हुए कहा था कि लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए संसदीय संप्रभुता और स्वायत्तता सर्वोपरि है। बहरहाल, न्यायपालिका और सरकार के बीच जो मतभेद दिख रहे हैं उसका हल सौहार्द्रपूर्ण तरीके से ही निकाला जाना चाहिए।

केंद्रीय कानून मंत्री के बयान के बाद कुछ पूर्व न्यायाधीशों ने भी इस मुद्दे पर बयान दिये जिस पर न्यायालय ने नाखुशी भी जताई थी। लेकिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जिस तरह एनजेएसी अधिनियम को रद्द किये जाने पर संसद में चर्चा नहीं होने पर हैरत जताई थी, उससे अंदेशा हो गया था कि सरकार कोई कदम उठा सकती है। अब केंद्रीय कानून मंत्री ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर कॉलेजियम में सरकार का प्रतिनिधि रखने की जो मांग की है उससे स्पष्ट हो गया है कि सरकार न्यायाधीशों के चयन के मुद्दे को सिर्फ कॉलेजियम के भरोसे छोड़ने को तैयार नहीं है। उल्लेखनीय है कि 2015-16 में संसद से पारित एनजेएसी में कॉलेजियम प्रणाली को पलटने का प्रावधान था, हालांकि शीर्ष अदालत ने इसे असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया था।

नागरिक बोध

ऑक्सफॉम के ताज़ा आंकड़ों ने भारत में बढ़ती आर्थिक असमानता को उजागर कर दिया है

आजकल हम भारतीय लोग इस बात से बहुत खुश होते रहते हैं कि भारत शीघ्र ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। लेकिन दुनिया के इस तीसरे सबसे बड़े मालदार देश की असली हालत क्या है? इस देश में गरीबी भी उतनी ही तेजी से बढ़ती जा रही है, जितनी तेजी से अमीरी बढ़ रही है। अमीर होने वालों की संख्या सिर्फ सैंकड़ों में होती है लेकिन गरीब होने वालों की संख्या करोड़ों में होती है। ऑक्सफॉम के ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक पिछले दो साल में सिर्फ 64 अरबपति बढ़े हैं। सिर्फ 100 भारतीय अरबपतियों की संपत्ति 54.12 लाख करोड़ रु. है यानि उनके पास इतना पैसा है कि वह भारत सरकार के डेढ़ साल के बजट से भी ज्यादा है। सारे अरबपतियों की संपत्ति पर मुश्किल से 2 प्रतिशत टैक्स लगता है। इस पैसे से देश के सारे भूखे लोगों को अगले तीन साल तक भोजन करवाया जा सकता है। यदि इन मालदारों पर थोड़ा ज्यादा टैक्स लगाया जाए और उपभोक्ता वस्तुओं का टैक्स घटा दिया जाए तो सबसे ज्यादा फायदा देश के गरीब लोगों को ही होगा। अभी तो देश में जितनी भी संपदा पैदा होती है, उसका 40 प्रतिशत सिर्फ 1 प्रतिशत लोग हजम कर जाते हैं जबकि 50 प्रतिशत लोगों को उसका 3 प्रतिशत हिस्सा ही हाथ लगता है। अमीर लोग अपने घरों में चार-चार कारें रखते हैं और गरीबों को खाने के लिए चार रोटी भी ठीक से नसीब नहीं होती। ये जो 50 प्रतिशत लोग हैं, इनसे सरकार जीएसटी का कुल 64 प्रतिशत पैसा वसूलती है जबकि देश के 10 प्रतिशत सबसे मालदार लोग सिर्फ 3 प्रतिशत टैक्स देते हैं। इन 10 प्रतिशत लोगों के मुकाबले निचले 50 प्रतिशत लोग 6 गुना टैक्स भरते हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को अपनी रोजमर्रा के जरूरी चीजों को खरीदने पर बहुत ज्यादा टैक्स भरना पड़ता है, क्योंकि वह बताए बिना ही चुपचाप काट लिया जाता है। इसी का नतीजा है कि देश के 70 करोड़ लोगों की कुल संपत्ति देश के सिर्फ 21 अरबपतियों से भी कम है। साल भर में उनकी संपत्तियों में 121 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अब जो नया बजट आने वाला है, शायद सरकार इन ताजा आंकड़ों पर ध्यान देगी और भारत की टैक्स-व्यवस्था में जरूर कुछ सुधार करेगी। देश कितना ही मालदार हो जाए लेकिन यदि उसमें गरीबी और अमीरी की खाई बढ़ती गई तो वह संपन्नता किसी भी दिन हमारे लोकतंत्र को परलोकतंत्र में बदल सकती है।

देश दुनीया से

सियासी होड़ में धूल चाटती परंपराएं

मंदिरों के शहर मदुरै के अवनीपुरम अखाड़े में सांडों को खुला छोड़ दिया गया, चमकदार सींगों और फड़कते नथुनों वाले दौड़ते गुस्सैल सांडों या बैलों को वश में करने के लिए युवा भी खतरनाक ढंग से उनके पीछे दौड़ने लगे। ध्यान रहे, 2017 के आंदोलन के बाद जल्लीकट्टू को पूरे देश में तमिल गौरव और संस्कृति के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। इसे वीरता का खेल कहा जाता है। यह खेल कभी-कभी हिंसक भी हो जाता है, हर साल एकाधिक लोग जान गंवाते हैं और सैकड़ों घायल हो जाते हैं। घायलों में तमाशबीन और राहगीर भी शामिल रहते हैं। वैसे यह स्तंभ जल्लीकट्टू पर केंद्रित नहीं है, बल्कि तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि और मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बीच चल रही सियासी होड़ पर है। राज्यपाल, जिन्हें संविधान का रक्षक माना जाता है और प्रशासन के मुखिया, मुख्यमंत्री, जो कार्यपालिका का संचालन करते हैं, दोनों के बीच चल रही लड़ाई भी जल्लीकट्टू से कुछ कम नहीं है। पिछले सप्ताह तमिलनाडु में सदन के फर्श पर भले ही लहू न गिरा हो, पर सुस्थापित संसदीय परंपराओं और रिवाजों को रौंद दिया गया। विधानसभा के बाहर तो और भी भद्दे झगड़े हुए हैं, जहां दोनों पक्षों ने परस्पर ऐसे ताबड़तोड़ हमले बोले कि बुरी स्थिति बन गई। 9 जनवरी को राज्य विधानसभा के उद्घाटन सत्र के पहले दिन हंगामा तब शुरू हुआ, जब राज्यपाल रवि ने पारंपरिक अभिभाषण पढ़ना शुरू किया। द्रमुक के विधायक पिछले सप्ताह एक समारोह में तमिलनाडु का नाम बदलकर तमिजागम करने के राज्यपाल के सुझाव से नाखुश थे, उन्होंने राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान नारे लगाए। उन्होंने महसूस किया कि राज्यपाल केंद्र की ओर से राजनीति करते हुए हदें पार कर रहे हैं। राज्यपाल अंग्रेजी में पहले से लिखित भाषण पढ़ रहे थे। मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट सहयोगियों ने गौर से सुनने पर उनके कथन और लिखित भाषण में अंतर पाया। राज्यपाल ने न सिर्फ कुछ पैराग्राफ छोड़ दिए थे, बल्कि कुछ ऐसी चीजें भी जोड़ दी थीं, जो भाजपा और केंद्र सरकार के साथ जुड़ी थीं। मुख्यमंत्री और उनके सहयोगियों ने चर्चा करके एक योजना बनाई, जिसे उन्होंने तब क्रियान्वित किया, जब अभिभाषण का तमिल संस्करण राज्यपाल की ओर से विधानसभा अध्यक्ष पढ़ रहे थे। मुख्यमंत्री ने जल्दी ही एक प्रस्ताव तैयार किया, जिसमें मूल भाषण को बिना किसी बदलाव के बनाए रखने की मांग की गई। जब अध्यक्ष तमिल संस्करण पढ़ने के बाद बैठे, तब मुख्यमंत्री ने अपने प्रस्ताव को तत्काल आगे बढ़ा दिया। सामान्य हालात में राज्यपाल के अभिभाषण के तुरंत बाद राष्ट्रगान होता है और उस दिन की कार्यवाही स्थगित हो जाती है। मूल लिखित भाषण को बहाल करने वाले प्रस्ताव को पढ़ना मुख्यमंत्री के लिए असामान्य था। कैसा अभूतपूर्व समय था, जब कार्यवाही औपचारिक रूप से संपन्न घोषित नहीं की गई थी और राज्यपाल ने बहिर्गमन कर दिया! बेशक, उच्च संस्थानों की पवित्रता बनाए रखने के लिए प्रोटोकॉल और नियम-कायदे तैयार किए जाते हैं। उम्मीद की जाती है कि जो लोग इन ऊंचे संस्थानों में पहुंचेंगे, वे विपरीत हालात का सामना करने में पर्याप्त सूझ-बूझ दिखाएंगे और संयम बरतेंगे। साफ तौर पर उस दिन ऐसा नहीं हुआ। राज्यपाल को जब पता चला कि उनके द्वारा बदले गए अंशों को विधानसभा के रिकॉर्ड से हटा दिया गया है, तो वह सदन से बाहर निकल गए। वैसे, संविधान में ऐसा कुछ नहीं है, जो राज्यपाल को जो कुछ भी दिया गया है, उसे पढ़ने के लिए बाध्य करता हो। यह मात्र संसदीय परंपरा रही है कि राज्यपाल राज्य मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित भाषण ही पढ़ते हैं। पहले भी ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, पर पहले किसी भी राज्यपाल ने बहिर्गमन नहीं किया था। यह विवाद तब और गहरा गया, जब घटना के तुरंत बाद राजभवन से सूचना लीक हो गई, जिसमें दावा किया गया कि सरकार द्वारा भेजे गए लिखित भाषण को राज्यपाल का अनुमोदन नहीं है। दावा किया गया कि राज्यपाल ने भाषण में बदलाव के सुझाव दिए थे, पर तब तक राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित अभिभाषण ही छपाई के लिए चला गया था, पाठ में संशोधन के लिहाज से बहुत देर हो चुकी थी।

पिछले सप्ताह तमिलनाडु में सदन के फर्श पर भले ही लहू न गिरा हो, पर सुस्थापित संसदीय परंपराओं और रिवाजों को रौंद दिया गया। विधानसभा के बाहर तो और भी भद्दे झगड़े हुए हैं, जहां दोनों पक्षों ने परस्पर ऐसे ताबड़तोड़ हमले बोले कि बुरी स्थिति बन गई। 9 जनवरी को राज्य विधानसभा के उद्घाटन सत्र के पहले दिन हंगामा बत शुरू हुआ, बज राज्यपाल रवि ने पारंपरिक अभिभाषण पढ़ना शुरू किया। द्रमुक के विधायक पिछले सप्ताह एक समारोह में तमिलनाडु का नाम बदलकर तमिजागम करने के राज्यपाल के सुझाव से नाखुश थे, उन्होंने राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान नारे लगाए।

सिख होने की वजह से रिपब्लिकन पार्टी कर रही भेदभाव भारतवंशी नेता हरमीत ढिल्लन ने लगाए गंभीर आरोप

वॉशिंगटन।

अमेरिका में भारतीय मूल की प्रतिष्ठित वकील हरमीत ढिल्लन, रिपब्लिकन नेशनल कमेटी की चेयरवूमन पद की रेस में हैं। इस बीच हरमीत ढिल्लन ने आरोप लगाया है कि उनकी सिख धर्म में आस्था के चलते उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। हरमीत ढिल्लन ने आरोप लगाया कि उनकी धार्मिक आस्था के चलते रिपब्लिकन नेताओं द्वारा उन पर कट्टर हमले किए जा रहे हैं।

हालांकि उन्होंने कहा है कि वह ऐसे हमलों से डरने वाली नहीं और लड़ाई जारी रखेंगी। बता दें कि हरमीत ढिल्लन कैलिफोर्निया रिपब्लिकन पार्टी की पूर्व सह-अध्यक्ष रह चुकी हैं और अब रिपब्लिकन नेशनल कमेटी की चेयरवूमन पद का चुनाव लड़ रही हैं। इस पद के लिए हरमीत ढिल्लन का मुकाबला रोना मैक्डैनियल के साथ है। हरमीत ढिल्लन ने एक ट्वीट करते हुए लिखा कि वह ये साफ कर देना चाहती हैं कि कोई भी धमकी, कट्टरपंथी हमला उन्हें या उनकी टीम को नहीं डिगा सकता है। ढिल्लन ने एक अन्य ट्वीट में लिखा कि मेरी टीम के एक सदस्य ने रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के सबसे महंगे वेंडर को लेकर सवाल उठाए तो उन्हें धमकी मिली है। रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के चेयरपर्सन का चुनाव आगामी 27 जनवरी को होना है। बता दें कि रिपब्लिकिन नेशनल कमेटी एक राजनीतिक कमेटी है, जो कि अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी की गवर्निंग बॉडी है। रिपब्लिकन पार्टी को बतौर ब्रांड प्रमोट करना और पार्टी के फंड इकट्ठा करना और चुनावी रणनीति बनाने का काम करती है। हरमीत ढिल्लन ने अपने एक बयान में कहा है कि रिपब्लिकन पार्टी को लॉबिस्ट, कंसल्टेंट्स और ऐसे लोगों से मुक्त करना है जो पार्टी को अपनी मन मर्जी से चलाते हैं। बातचीत में ढिल्लन ने कहा कि उनके विरोधी उनकी धार्मिक आस्था को लेकर उन्हें निशाना बना रहे हैं और इसे मेरे खिलाफ हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि ढिल्लन की विरोधी और रिपब्लिकन नेशनल कमेटी की पूर्व चेयरवूमन मैक्डैनियल ने धार्मिक आस्था को लेकर निशाना बनाने की निंदा की। उन्होंने कहा कि हम आस्था, परिवार और आजादी वाली पार्टी हैं और हमारे यहां ऐसे हमलों के लिए कोई जगह नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

चीन में पांच हफ्तों में नौ लाख मौतें! चीनी यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट ने खोली जिनपिंग सरकार की पोल

बीजिंग। चीन ने स्वीकार किया है कि कोरोना महामारी से उनके यहां करीब 60 हजार लोगों की मौत हुई है। हालांकि दुनिया के विशेषज्ञों का दावा है कि चीन अभी भी सही आंकड़ा छिपा रहा है। माना जा रहा है कि चीन में मौतों का आंकड़ा आधिकारिक आंकड़ों से 10 गुना ज्यादा है। बता दें कि चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बीते हफ्ते बताया कि देशभर के अस्पतालों में 12 जनवरी तक करीब 59,938 लोगों की जान कोरोना महामारी के चलते गई। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजेल्स के फीलिडंग स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में महामारी विभाग के अध्यक्ष जू फेंग झांग का दावा है कि चीन मे कोरोना से मौतों का सही आंकड़ा आधिकारिक आंकड़े से बहुत ज्यादा बड़ा है। झेंग का दावा है कि चीन में कोरोना महामारी की शुरुआत में पहले के 5 हफ्तों में करीब 9 लाख लोगों की जान गई है। झेंग ने यह दावा चीन की पेकिंग यूनिवर्सिटी के नेशनल स्कूल ऑफ डेवलेपमेंट की रिपोर्ट के आधार पर किया है। बता दें कि पेकिंग यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी के मध्य तक देश की 64 फीसदी जनसंख्या कोरोना की चपेट में आ चुकी है। झेंग का कहना है कि अगर चीन में कोरोना का फर्टिलिटी रेट 0.1 फीसदी भी है तो चीन में कोरोना महामारी से पहले पांच हफ्तों में करीब नौ लाख लोगों की जान गई होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में कई मौतें नर्सिंग होम या घर पर हुई होंगी, जिनकी चीन की सरकार ने गिनती नहीं की होगी। सरकार के आधिकारिक आंकड़ों में सिर्फ अस्पतालों में हुई मौतें शामिल हो सकती हैं।

हमले के बाद मलबे में 36 घंटे दबी रही महिलाः यूक्रेनी रेस्क्यू टीम ने पांचवीं मंजिल से जिंदा निकाला; रूसी हमले में अब तक 40 की मौत

कीव। यूक्रेन के नीप्रो शहर में रूस के मिसाइल हमले से 9 मंजिला अपार्टमेंट धराशायी हो गया। इसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। करीब 36 घंटे बाद 5वीं मंजिल पर मलबे में दबी एक 23 साल महिला अनस्तासिया शवेत्स को बचा लिया गया। अब इसके वीडियो और फोटो वायरल हो रहे हैं। रूस ने शनिवार को मिसाइल दागी थी। महिला को रेस्क्यू के दौरान रविवार देर रात बचाया गया। खास बात ये है कि अनस्तासिया के पति भी फौज में थे और कुछ हफ्तों पहले ही युद्ध में उनकी मौत हो गई थी। जब हमला हुआ तो अनस्तासिया बाथरूम में थी। मलबे में एक दिन तक दबे रहने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। बचाए जाने के वक्त उनके हाथों में टेडी था। इस हमले में अब तक 40 लोगों की जान जा चुकी है। लोकल अथॉरिटीज का मानना है कि जो 34 लोग लापता हैं उनके बचने की उम्मीद अब न के बराबर है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने जिस नौ मंजिला इमारत पर मिसाइल गिराई, उसमें दो बच्चे भी अनाथ हो गए हैं। लापता लोगों की तलाश के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में इमरजेंसी सर्विसेज के अलावा आम लोग भी शामिल हुए। नीप्रो शहर में शनिवार को रूसी हमले से तबाह हुई इमारत में बचे एक घर के पीले किचन की तस्वीरें भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

भारतीय महिला शांति सैनिकों की अबेई में हुई तैनाती, संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक प्रमुख ने जताई खुशी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र शांति सेना प्रमुख जीन-पियरे लैक्रोइक्स ने सोमवार को अबेई में भारत से महिला शांति सैनिकों की सबसे बड़ी टुकड़ी की तैनाती का स्वागत करते हुए कहा कि महिला सैनिकों का मतलब कुशल संचालन है। उन्होंने एक ट्वीट करते हुए कहा कि भारत से महिला शांति सैनिकों की सबसे बड़ी टुकड़ी को अबेई में तैनाती में हमें बहुत खुशी हुई। शांतिरक्षक के रूप में अधिक संख्या में महिलाओं की तैनाती का अर्थ है अधिक कुशल संचालन और वे उन लोगों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने में मदद करते हैं जिनकी हम सेवा करते हैं। बता दें कि महिला शांतिरक्षक, हाल के वर्षों में भारत से एकमात्र सबसे बड़ी महिला पलटन, अबेई के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल (यूएनआईएसएफए) के साथ अपनी तैनाती शुरू करने के लिए बीते शनिवार को अबेई पहुंची। अबेई दक्षिण सूडान और सूडान की सीमा पर विवादित क्षेत्र है और इसे विशेष प्रशासनिक स्थिति प्रदान की गई है। पिछले साल 31 अक्तूबर तक भारत संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक मिशन में बांग्लादेश के बाद दूसरी सबसे बड़ी सेना भेजने वाला देश है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने क्यों कहा कि हमने भारत से युद्ध करके सबक सीख लिया क्या है इसके मायने

इस्लामाबाद।

महंगाई, आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत से युद्ध को लेकर बड़ा बयान दिया है। शहबाज शरीफ ने कहा कि भारत से तीन युद्ध के बाद हम (पाकिस्तान) सबक सीख चुके हैं। अब शांति चाहते हैं। सरहद पर तनाव के बीच पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के इस बयान ने सबको चौंका दिया है। सवाल उठ रहा है कि आखिर शहबाज शरीफ के इस बयान के मायने क्या हैं क्या वाकई में पाकिस्तान अब भारत से रिश्ते सुधारना चाहता है क्या आने वाले समय में दोनों देशों के बीच स्थिति में सुधार होगा

पहले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री का पूरा बयान जान लीजिए - पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के साथ बातचीत करने की इच्छा जताई है। शहबाज ने कहा, भारतीय प्रबंधन और पीएम मोदी को मेरा संदेश सिर्फ इतना है कि हम एक साथ बैठें और कश्मीर समेत आपसी मसलों पर बातचीत करें। हमें एक-दूसरे से झगड़े बिना एक दूसरे के साथ आगे बढ़ना है न कि समय और संपत्ति को झगड़े में बर्बाद करना है। उन्होंने आगे कहा, हमनें भारत के साथ तीन युद्ध लड़े हैं और ये अतिरिक्त परेशानियों और बेरोजगारी की वजह बने हैं। हमने इनसे सबक ले लिया है और अब हम शांति से रहना चाहते हैं। लेकिन इसके लिए पहले हमें अपने वास्तविक मसलों को सुलझाना होगा। शरीफ ने आगे कहा कि दोनों देश परमाणु संपन्न देश हैं और दोनों के पास हथियार हैं। अब अगर कोई युद्ध हुआ तो फिर किसका अस्तित्व बचेगा किसका नहीं, यह कोई नहीं जानता है।

अपने ही घर में घिरे हैं शहबाज शरीफ - पाकिस्तान में इन दिनों आर्थिक स्थिति काफी खराब चल रही है। लोग दाने-दाने को मोहताज हैं। पूरे देश में आटे की कमी हो गई है। लोग एक-एक किलो आटे के लिए एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। गैस-सिलेंडर, पेट्रोल-डीजल, सब्जियां और फल सब महंगा हो गया है। इसके चलते पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अपने ही घर में घिरे हुए हैं। जनता से लेकर मीडिया तक पाकिस्तान सरकार पर निशाना साध रही है। शरीफ के बयान से पहले पाकिस्तान के दो बड़े अखबारों ने पाकिस्तान सरकार को आड़े हाथों लिया था, जबकि भारत की तारीफ की

थी। अखबारों ने लिखा था कि देश में संकट गहराता जा रहा है और शरीफ को दुनिया के सामने हाथ फैलाने पड़ रहे हैं लेकिन भारत दिन-रात तरक्की की नई कहानी लिखने में लगा हुआ है।

शहबाज शरीफ के बयान के क्या हैं मायने - इसे समझने के लिए हमने पाकिस्तान के सिंध में रहने वाले वरिष्ठ पत्रकार और सिंध के सामाजिक कार्यकर्ता सज्जाद अली से बात की। उन्होंने कहा, पाकिस्तान इस वक्त सबसे बुरी स्थिति में है। लोग भूख से मर रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य की तो बात ही नहीं हो रही है। ऐसे समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का शांति वार्ता को लेकर बयान आना वाजिब है। पाकिस्तान की सरकार अपनी जनता के बीच घिरी हुई है। इस साल के अंत तक यहां चुनाव होना है। ऐसे में अगर यही हालात रहे तो शहबाज शरीफ और उनकी पार्टी को समर्थन देने वाली पार्टियां कभी सत्ता में वापसी नहीं कर पाएंगी। इसलिए शहबाज शरीफ कुछ भी करके इस स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। दुनिया के सभी बड़े देशों से पाकिस्तान कर्ज ले चुका है। चीन के कर्ज तले तो पूरा पाकिस्तान ही दबा हुआ है। स्थिति ये है कि चीन ने अपने कर्ज की बदौलत पाकिस्तान पर कब्जा करना शुरू कर दिया है। ऐसे में अगर पाकिस्तान सरकार अपने लोगों को खाने-पीने के लिए राहत देना चाहती है तो उसे भारत के साथ फिर से कारोबार शुरू करने होंगे। भारत के साथ कारोबार शुरू होने पर ही पाकिस्तान में स्थिति सुधर सकती है। शहबाज शरीफ का बयान इसी ओर इशारा कर रहा है। पाकिस्तान की सरकार ये जान चुकी है कि बगैर भारत की मदद के वह अपने लोगों को दो वक्त की रोटी नहीं दे सकती है। इसलिए कुछ भी करके शहबाज शरीफ फिर से दोनों देशों के बीच कारोबार शुरू करवाने की कोशिश में जुटे हैं। पाकिस्तान को इस बात का एहसास है कि बगैर चीन की मदद के वह भारत के साथ जंग लड़ना तो दूर, आंख भी नहीं दिखा सकता है। लेकिन सीधे चीन की मदद भी नहीं ले सकता। एक तरफ भारत तेजी से तरक्की कर रहा है तो दूसरी ओर पाकिस्तान की हालत उतनी ही खराब होती जा रही है। पाकिस्तान को अभी फौरी तौर पर बड़ी राहत की जरूरत है। वहां आटे, चावल व अन्य खाद्य पदार्थों का बड़ा संकट उभर आया है। अगर उन्हें इस मुश्किल दौर से कोई बाहर निकाल सकता है तो वह भारत है। भारत पूरे पाकिस्तान के खाद्य पदार्थों की जरूरतें पूरी कर सकता है। इसलिए शहबाज शरीफ का ये बयान अपने ही देश को बचाने के लिए दिया गया है। वह भारत को लेकर दिए गए बिलावल भुट्टो के बयान को हल्का करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि भारत उन्हें मदद देने को तैयार हो जाए।

ब्रिटिश पुलिस अफसर ने 24 महिलाओं से रेप कियाः 12 को स्लेव बनाया, इन्हें बिना कपड़े पहनाए घर साफ कराता था

लंदन।

16 जनवरी, सोमवार को ब्रिटेन में मेट्रोपॉलिटन पुलिस के एक सीनियर अधिकारी रहे शख्स ने अपनी 20 साल की नौकरी के दौरान 80 से ज्यादा यौन अपराध करने की बात स्वीकार की है। पूर्व पुलिस अधिकारी के इस कबूलनामे ने पूरे ब्रिटेन के लोगों को हैरान कर दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक डेविड कैरिक को 2003 से 2020 के बीच नौकरी में रहते हुए 24 महिलाओं से रेप और 12 से ज्यादा महिलाओं को सेक्स स्लेव बनाने के आरोप में दोषी करार दिया है। इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा भयानक बात 48 वर्षीय डेविड के अपराध करने का तरीका है। वह बेहद क्रूर तरीके से महिलाओं को गुलाम बनाकर उसका शारीरिक शोषण करता था। पुलिस के मुताबिक, कैरिक महिलाओं को अपने जाल में फंसाने के लिए अपने पद का फायदा उठाता था। जब महिला उसके जाल में फंस जाती थी तो वह बेहद क्रूर तरीके से उन महिलाओं का शोषण करता था। फिर अपने पुलिस अधिकारी होने की धमकी देकर महिलाओं को चुप करा देता था। जब महिलाएं शिकायत करने की बात कहती थीं, तो कैरिक उसे डराते हुए कहता था कि तुम्हारी बातों पर कोई भरोसा नहीं करेगा क्योंकि मैं एक पुलिस अधिकारी हूं। एक पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि डेविड ने उस पर पेशाब तक किया था। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक एक पीड़िता ने डेविड ने उसे छोटी सी अलमारी में 10 घंटे बिना खाने के कैद रखा। वो स्लेव बनाकर रखी गई महिलाओं को बेल्ट से पीटता था और उनके कपड़े उतरवाकर उनसे अपना घर साफ करवाता था। इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात तो यह है कि ब्रिटेन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस को 2000 और 2021 के बीच कैरिक के खिलाफ 9 बार यौन अपराध की शिकायत मिली। इसके बावजूद पुलिस ने उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। इसकी मुख्य वजह यह थी कि शिकायत करने वाली महिलाओं ने बाद में या तो अपनी शिकायत वापस ले ली या पुलिस को जांच में मदद नहीं किया। हालांकि, 2021 में एक महिला खुल डेविड पर आरोप लगाने लगी। मामला जब मीडिया में आया तो दूसरी पीड़ित महिलाओं ने भी शिकायतें दर्ज कराई।

अगर मेरी बात मान लेती तो बच जाती उसकी जान, फ्लाइट अटेंडेंट के पिता ने बयां किया दर्द

काठमांडू।

नेपाल विमान हादसे में जान गंवाने वाले मृतकों के परिवार का दर्द कम नहीं हो रहा है। चारों तरफ मातम पसरा हुआ है। इन सबके बीच एक ऐसा परिवार सामने आया है जिसकी बेटी भी इस दुर्घटना की शिकार हो गई थी। बात करते हैं एक पिता की जो कि सेवानिवृत्त भारतीय सेना के जवान रह चुके हैं। इस पिता ने अपनी 24 वर्षीय बेटी ओशिन को खोने का दर्द बयां किया है। पिता मोहन अले की बात सुनकर वहां मौजूद लोग भी भावुक हो गए। जान गंवाने वाली फ्लाइट अटेंडेंट के पिता मोहन अले मागर ने कहा कि मैंने सुबह-सुबह उसे एक विशेष दिन (मकर संक्रांति) पर काम पर जाने से मना किया था लेकिन वह मेरी बात नहीं मानी। मेरी बेटी ओशिन (24) रविवार को इस वादे के साथ घर से निकली कि वह अपने परिवार के साथ माघ संक्रांति त्योहार मनाने के लिए काम के बाद पोखरा से वापस आएगी। वह तो नहीं लौटी लेकिन उसका शव घर पहुंचा। ओशिन ने भारत में ही फ्लाइट अटेंडेंट की पढ़ाई की थी। ओशिन उन 69 लोगों में शामिल थीं, जिनकी रविवार को

मध्य नेपाल के रिसॉर्ट शहर पोखरा में सेती नदी के तट पर पांच भारतीयों सहित 72 लोगों के साथ यति एयरलाइंस के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से मौत हो गई थी। उनका परिवार घर पर त्योहार मनाने की तैयारी कर रहा था जब उन्हें विमान दुर्घटना की खबर मिली। बताया कि उस दिन दो उड़ानें पूरी करने के बाद उन्होंने त्योहार मनाने पर जोर दिया। ओशिन यति एयरलाइंस के साथ दो साल से काम कर रही थीं। मूल रूप से चितवन के माडी की रहने वाली वह नौकरी शुरू करने के बाद काठमांडू में रह रही थी और उसने अपने माता-पिता को पिछले छह महीने से राजधानी में रहने के लिए आमंत्रित भी किया था। ओशिन की दो साल पहले पोखरा में शादी हुई थी और उनके पति फिलहाल ब्रिटेन में हैं।

तानाशाह किम जोंग की हर चाल पर अब नजर रखेगा अमेरिका, 400 करोड़ रुपये खर्च कर करेगा बेनकाब

वाशिंगटन। उत्तर कोरियाई शासन को बेनकाब करने के लिए अमेरिका अपनी पूरी ताकत झोंकने के लिए तैयार है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका किम जोंग की गुप्त गतिविधियों का पता लगाने के लिए 400 करोड़ रुपये तक खर्च करने के लिए तैयार है। व्यापक वार्षिक रक्षा व्यय पैकेज के हिस्से के रूप में, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने दिसंबर के अंत में ओटो वार्मबियर काउंटरिंग उत्तर कोरियाई सेंसरशिप और निगरानी अधिनियम पर भी हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा इस ऑपरेशन को सहमति देने का मकसद उत्तरकोरिया की सर्वव्यापी सेंसरशिप और उसके नागरिकों की निगरानी का मुकाबला करना है। इस ऑपरेशन का नाम अमेरिकी छात्र वार्मबियर के नाम पर रखा गया है।

गिलगित-बाल्टिस्तान में आई भुखमरी की नौबत, आटा के लिए सरकारी डिपो भी बंद, सड़कों पर उतरे लोग

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और गिलगित बाल्टिस्तान में कई हफ्तों से खाद्यान्न की कमी और बढ़ती महंगाई को लेकर जारी गुस्सा बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों में बदल गया है। कब्जे वाले क्षेत्रों के लगभग सभी हिस्सों में सभी क्षेत्रों के लोगों ने सरकार के खिलाफ अपनी नाराजगी व्यक्त करने के लिए राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया और टायर जलाए। बता दें कि पाकिस्तान एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट से गुजर रहा है, जो आटे की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि के कारण उत्पन्न हुआ है। नागरिकों

को सब्सिडी वाला गेहूं उपलब्ध कराने वाले सरकारी डिपो पर ताला लगा दिया गया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र के स्थानीय लोगों ने कहा कि वे सरकार की नीतिगत विफलताओं के कारण गुजारा करने में असमर्थ थे, जिसके परिणामस्वरूप गेहूं की कीमत में तेज वृद्धि हुई है। पत्रकारों से बात करते हुए, पीओके कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने कहा कि लोग सड़कों पर हैं क्योंकि कोई भोजन नहीं है, कोई आटा नहीं है और पीओजेके में, उन्होंने एक दिन में गेहूं की कीमत 1,200 रुपये तक बढ़ा दी है। आटे के लिए सरकारी डिपो भी बंद कर दिया गया है। वहां आटा नहीं है। पीओके के लगभग हर शहर में लोग विरोध कर रहे हैं, यहां तक कि छात्र, वकील, नागरिक समाज और महिलाएं भी विरोध कर रही हैं। इस बीच, स्थानीय लोगों ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान नहीं किया गया तो वे प्रशासन को काम नहीं करने देंगे। इसी तरह, पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित बाल्टिस्तान में पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर जनसभाएं आयोजित की गई हैं। वे सरकार द्वारा बिना किसी मुआवजे के निजी संपत्ति पर कब्जा करने और बिजली के बिलों के खिलाफ भी विरोध कर रहे हैं।

मक्की को लेकर चीन ने इसलिए की दगाबाजी ! पाकिस्तान के इस बयान से बिगड़ा मामला

इस्लामाबाद।

चीन के चहेते आतंकी अब्दुल रहमान मक्की पर दरियादिली दिखाने की बजाय चीन ने दगाबाजी कर दी। पिछले साल जितनी शिद्दत के साथ चीन ने पाकिस्तान पर अपना हक जताते हुए मक्की के मामले में वीटो पावर लगा दी थी। इस बार वह धीरे से इस मामले से दूर होता गया और जब संयुक्त राष्ट्र की ओर से मक्की को वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया, तो उसने अपनी जुबान तक नहीं खोली। दरअसल मक्की के मामले में हाथ खींचने के पीछे असली वजह पाकिस्तान का उइगर मुसलमानों के पक्ष में किया गया वह ट्वीट है, जो पिछले सप्ताह किया गया। यह ट्वीट इतना ज्यादा विवादित हुआ कि बाद में पाकिस्तान के महावाणिज्य दूतावास को इसे डिलीट तक करना पड़ा था। सुरक्षा मामलों से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की मजबूत पैरवी और पाकिस्तान का चीन के उइगर मुसलमानों के पक्ष में बोलना उसे न सिर्फ भारी पड़ा, बल्कि उसके लिए अब बड़ी मुसीबतें भी शुरू हो गई हैं।

पिछले साल लगा दी थी वीटो पावर

पाकिस्तान के आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की पर संयुक्त राष्ट्र परिषद की ओर से वैश्विक आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद पाकिस्तान और चीन के बीच अंदरूनी तौर पर तनाव बढ़ गया। विदेशी मामलों के जानकार और सुरक्षा मामलों से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले साल चीन ने मक्की को आतंकवादी घोषित करवाने में अड़चन डालते हुए अपना वीटो पावर लगा दी थी। नतीजतन उसे आतंकवादी घोषित नहीं किया जा सका था। लेकिन इस बार जब मक्की को आतंकवादी घोषित किए जाने की प्रक्रिया शुरू हुई,

तो चीन ने अपने हाथ पीछे खींचने शुरू कर दिया। लंबे समय तक दुनिया के अलग-अलग मुल्कों में खुफिया एजेंसी में अपनी सेवाएं देने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी कहते हैं कि दरअसल चीन को पाकिस्तान की ओर से उइगर मुसलमानों के लिए जारी किए जाने वाले बयानों से नाराजगी थी। वह कहते हैं कि चीन ने इसके लिए पाकिस्तान सरकार पर दबाव भी डाला। लेकिन पाकिस्तान के एक विशेष तबके की ओर से उइगर मुसलमानों के लिए आवाज बुलंद होती रही। यही वजह रही कि चीन ने पाकिस्तान को दी जाने वाली बहुत सी मदद में ना सिर्फ हाथ पीछे खींचने शुरू कर दिए, बल्कि मक्की को आतंकी बनाने की प्रक्रिया रुकवाने में अपने हाथ पीछे खींचने शुरू कर दिए। सुरक्षा मामलों से जुड़े विशेषज्ञ बताते हैं कि चेंगदू में पाकिस्तानी महावाणिज्य दूतावास की ओर से ट्वीट कर कहा गया कि पाकिस्तान का विदेश मंत्रालय चीन की ओर से भेजी जाने वाली मदद का न सिर्फ शुक्रगुजार है, बल्कि वह आने वाले दिनों में चीन के साथ मिलकर वहां के उइगर मुसलमानों के अधिकारों और स्वतंत्रता के हितों के मुद्दे पर मिलकर काम भी करेंगे। पाकिस्तान की ओर से किया गया यह आधिकारिक ट्वीट चीन को इतना खला कि उसने पाकिस्तान को दी जाने वाली न सिर्फ मदद को रोका, बल्कि चीन की ओर से चलाए जाने वाले कई प्रोजेक्ट में भी हाथ पीछे खींचने शुरू कर दिए। सुरक्षा मामलों से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि चीन पहले से ही इस बात को लेकर पाकिस्तान से नाराजगी चता चुका था कि उनके मुसलमानों के मामले में पाकिस्तान अपना पक्ष ना रखें। यही वजह रही कि बीते कई महीनों से चीन की तमाम आपत्तियों के बाद भी हालात बिगड़ते रहे और पाकिस्तान को एन मौके पर दगा देने के लिए चीन ने अपनी तैयारियां शुरू कर दीं। दरअसल चीन पर उइगर मुसलमानों के उत्पीड़न का आरोप है। दुनिया भर के देश उइगर मुसलमानों पर होने वाले अत्याचारों को लेकर चीन से अपनी आपत्ति भी दर्ज कर चुके हैं। जबकि अमेरिका जैसे विकसित देशों ने तो चीन पर इसी अत्याचार के खिलाफ कई कड़े प्रतिबंध भी लगाए हैं। रक्षा मामलों से जुड़े विशेषज्ञ कर्नल (रिटा.) एमएन पुरी कहते हैं कि ऐसा नहीं है कि चीन को मक्की के मामले में पाकिस्तान की ओर से जारी उइगर मुसलमानों के बयानों की वजह से ही हाथ पीछे खींचना पड़ा है, बल्कि भारत की जबरदस्त पैरवी से भी चीन को अपने कदम पीछे खींचने पड़े हैं। वह कहते हैं, भारत में जिस तरीके से बीते कई महीनों से मक्की को आतंकी घोषित कराने की पैरवी की, आखिरकार वह रंग लाई। और भारत के खिलाफ साजिश करने वाला बड़ा आतंकी विश्व का आतंकी घोषित हुआ।

चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई, संपत्ति का ब्यौरा न देने पर 271 सांसदों-विधायकों को किया निलंबित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने संपत्ति का ब्यौरा न जमा करने पर सांसदों व विधायकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। आयोग ने 271 सांसद-विधायकों को उनकी सदस्यता से निलंबित कर दिया है। जारी बयान में कहा गया है कि जिन पर कार्रवाई की गई है, उनमें नेशनल असेंबली के 136 सदस्य, 21 सीनेटर और 114 प्रांतीय असेंबली के सदस्य हैं। चुनाव आयोग ने कहा है कि सांसदों-विधायकों की को हर साल 31 दिसंबर तक संपत्ति का ब्यौरा देना होता है। ऐसा न करने वाले सांसदों-विधायकों को चुनाव आयोग ने निर्देशित किया गया था कि वे 30 जून, 2022 तक का अपना वित्तीय विवरण 16 जनवरी, 2023 तक जमा करें, ऐसा न करने पर उनकी संबंधित सदस्यता निलंबित हो जाएगी।

राजस्थान में कांग्रेस फिर बनाएगी सरकार : पायलट

बीकानेर (हि.स.)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि विधानसभा चुनाव में अब दस महीने रह गए हैं। 26 जनवरी से शुरु हो रहा हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम ब्लॉक, जिला व प्रदेश लेवल पर चलेगा। इस पर लगातार काम कर रहे हैं। इस दौरान क्षेत्र, जिलों में जाकर लोगों को एकत्रित करके संगठित करेंगे और समय रहते पांच साल भाजपा, पांच साल कांग्रेस वाली पुरानी परिपाटी को तोड़ते हुए कांग्रेस की सरकार बनाएंगे। मंगलवार को हनुमानगढ़ के लिए रवाना होने से पहले मीडियाकर्मियों से बातचीत में सचिन पायलट ने कहा कि सरकार, संगठन, कार्यकर्ता-नेता एक साथ काम करेंगे तो निश्चित इस बार पुरानी परिपाटी टूट जाएगी और कांग्रेस की सरकार बनेगी। एक प्रश्न के उत्तर में पायलट ने कहा कि राहुल गांधी वर्तमान में देश में घुल रही कड़वाहट, समाज में पैदा हुआ टकराव के खिलाफ यात्रा निकाल रहे हैं जिसमें प्रतिशोध का माहौल है। यह यात्रा महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ भी है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक यात्रा है। पेपर लीक प्रक रण सम्बन्धी पूछे गए सवाल के जवाब में पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता और नौजवानों के विश्वास को एक बार फिर से स्थापित करना पड़ेगा। वे बोले कि लगभग साढ़े छह साल उनके पार्टी अध्यक्ष के कार्यकाल में कांग्रेस हाशिए से उठकर पुनर्स्थापित हुई है। नहरी क्षेत्र में अब बीकानेर, चूरु, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ के किसानों के लिए भी कांग्रेस कार्य करने को लेकर प्रतिबद्ध है। इससे पहले सचिन पायलट के बीकानेर आगमन पर रात के बाद मंगलवार सुबह भी कार्यकर्ताओं का अपार प्यार और समर्थन मिला। विप्र कल्याण बोर्ड के सदस्य राजकुमार किराडू ने बताया भारी संख्या में छात्र, युवा, बेरोजगार, स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधि, तमाम संगठन के साथ-साथ भारी संख्या में कर्मचारी संगठन, व्यापारी संगठन असंगठित कामगार लोगों से मिलकर पायलट ने व्यक्तिगत रूप से उनकी समस्याओं को सुना और निस्तारण करने का

हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। पूर्व जिला प्रमुख सुशीला सिंवर, जवाहर बाल मंच के अध्यक्ष अरुण व्यास, पूर्व सचिव सलीम भाटी, पार्षद हुसैन कुरैशी, प्रहलाद सिंह मार्शल, गजानंद शर्मा, मदन कस्वां, पूर्व सरपंच सलीम कल्लर, किशोर व्यास, प्रभु गोदारा, राजू पारीक, नवीन बिश्नोई, लक्ष्मीकांत बिस्सा, अमन पारीक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल कल से

जयपुर (हि.स.)। दुनिया के सबसे करिश्माई लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन 19 से 23 जनवरी को गुलाबी नगरी जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में होने जा रहा है। इस साल फेस्टिवल के 16वें संस्करण में विज्ञान,तकनीक और एआई की दुनिया के विशेषज्ञ इन जटिल विषयों पर रोशनी डालेंगे। प्रोग्राम की विविधता के साथ फेस्टिवल के एक सत्र में पुरस्कृत खोजी पत्रकार विद्या कृष्णन से वस्कुलर सर्जन और लेखक अम्बरीश सात्विक संवाद करेंगे। सत्र के दौरान कृष्णन अपनी नई किताब फैंटम प्लेग हाउ ट्यूबरक्लोसिस शेप्ड आवर हिस्ट्री के माध्यम से बतायेंगी कि विभिन्न बीमारियों के उपचार ने कैसे मानवजाति को प्रभावित कर विकास में योगदान दिया। एक अन्य सत्र में, जाने-माने कैंसर चिकित्सा विज्ञानी जीवविज्ञानी और पुलित्र पुरस्कार से सम्मानित लेखक सिद्धार्थ मुखर्जी अपनी नई किताब, द सोंग ऑफ द सेल के माध्यम से हमारे अंगों की सबसे छोटी और महत्वपूर्ण ईकाई के बारे में बताएंगे।

चंडीगढ़ नगर निगम में आठवें साल भी भाजपा का कब्जा

मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर व डिप्टी मेयर पदों पर मिली जीत

चंडीगढ़(हि.स.)। चंडीगढ़ नगर निगम में मेयर पद पर एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी का कब्जा हो गया है। सांसद किरण खेर की एक वोट के बल पर भाजपा ने यहां मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर तथा डिप्टी मेयर के पदों पर कब्जा किया है। कांग्रेस तथा शिरोमणि अकाली दल के पार्षदों ने इस चुनाव का बहिष्कार करते हुए भाग नहीं लिया। चंडीगढ़ में मेयर का कार्यकाल एक साल का होता है। यहां कुल 35 सीटों में से वर्तमान में भाजपा के पास 14, आम आदमी पार्टी के पास 14, कांग्रेस के पास छह तथा शिरोमणि अकाली दल के पास एक पार्षद है। यहां एक वोट सांसद का है। इस वर्ष मेयर पद के लिए भाजपा ने अनूप गुप्ता तथा आम आदमी पार्टी ने जसबीर सिंह को उतारा। भाजपा के अनूप गुप्ता को 15 तो आम आदमी पार्टी के जसबीर सिंह को 14 वोट मिले। एक वोट के अंतर से भाजपा ने मेयर पद का चुनाव जीत लिया। इसी प्रकार सीनियर डिप्टी मेयर के लिए भाजपा के कंवरपाल राणा व आप की तरुणा मेहता के बीच मुकाबला था। इस पद पर भी भाजपा के कंवरपाल राणा को जीत मिली। उधर, डिप्टी मेयर पद के लिए भाजपा के हरजीत सिंह ने आप की सुमन सिंह को हरा दिया। निगम कार्यालय में आज सुबह 11 बजे चुनाव प्रक्रिया शुरू होते ही आम आदमी पार्टी के पार्षदों ने नामजद पार्षदों के हाल में बैठने को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। आप पार्षदों का आरोप था कि नामजद पार्षदों को यहां बिठाने से चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं होगी। इसे लेकर काफी देर हंगामा चलता रहा। निर्वाचन अधिकारी द्वारा रूल बुक दिखाए जाने के बाद मेयर पद के लिए चुनाव शुरू हुआ। सबसे पहला वोट चंडीगढ़ की सांसद किरण खेर ने डाला। उसके बाद अन्य पार्षदों ने वोट डाले। वोट डालते समय आप के पार्षदों ने बैलेट पेपर पर स्याही लगे होने का तर्क देते हुए विरोध जताया। चंडीगढ़ नगर निगम में लगातार आठवें साल भारतीय जनता पार्टी ने अपना मेयर बनाया है। साल 2015 के बाद से कांग्रेस का कोई भी मेयर नहीं बन पाया है। भाजपा वर्ष 2016 से लगातार मेयर बनाती आ रही है। यहां पिछले साल हुए आम मतदान में भाजपा व आप दोनों को एक समान सीटें मिली थी। चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार करने वाली कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एच.एस. लक्की ने कहा कि पिछली बार की तरह इस बार भी कांग्रेस मेयर चुनाव से वॉकआउट कर चुकी है। कांग्रेस ने साफ किया है कि वह विपक्ष में बैठ कर शहर की जनता के मुद्दों को उठाती रहेगी। पार्टी के सभी छह पार्षद शहर से बाहर हैं। चंडीगढ़ नगर निगम में मेयर समेत तीनों पदों पर भाजपा के काबिज होने के बाद सांसद किरण खेर ने नई टीम को बधाई देते हुए कहा कि बगैर किसी भेदभाव के शहर का विकास करवाएं।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन आज

जयपुर (हि.स.)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन 18 जनवरी को चिकित्सा संस्थानों पर किया जायेगा। जिसमें उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनका इलाज करने के साथ पोषण युक्त आहार की जानकारी प्रदान की जायेगी। गौरतलब है कि राज्य स्तर के निर्देशानुसार प्रत्येक माह की 09, 18 व 27 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने बताया कि 18 जनवरी को चिकित्सा संस्थानों पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के आयोजन में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें गर्भ में पल रहे शिशु और स्वयं की देखभाल के बारे में बताते हुए पोषण युक्त आहार के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसमें गर्भवती महिलाओं के हिमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, शुगर, लंबाई, एचआईवी, सिफलिश आदि जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को गुणवत्ता युक्त प्रसव पूर्व जांच सुविधाएं देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाता रहा है, जिससे गर्भावस्था व प्रसव के दौरान जोखिम को कम करने में मदद मिल सकेगी। अभियान में सभी आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं निशुल्क प्रदान की जा रही हैं।

होशियारपुर पहुंची भारत जोड़ो यात्रा, राहुल गांधी बोले- कांग्रेस के टॉप एजेंडे में किसान

चंडीगढ़(हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि किसान हमेशा से कांग्रेस के टॉप एजेंडे पर रहा है। पंजाब व केंद्र में कांग्रेस की सत्ता आने पर किसानों को एमएसपी समेत कई रियायतें प्रदान की जाएंगी। भारत जोड़ो यात्रा के छठे दिन होशियारपुर में पत्रकारों से बातचीत में राहुल गांधी ने कहा कि यूपीए की सरकार में किसानों के लिए कई योजनाएं लागू की गईं, लेकिन जितना काम किसानों के लिए होना चाहिए था, वह नहीं हुआ है। पंजाब समेत पूरे देश में कृषि को बचाने के लिए किसानों को इस समय बड़े राहत पैकेज दिए जाने की जरूरत है। वरूण गांधी के साथ एक मंच पर आने के सवाल पर राहुल गांधी ने कहा कि वरूण गांधी ने संघ की जिस विचारधारा को अपनाया है, वह उस विचारधारा को नहीं अपना सकते। पंजाब सरकार पर कटाक्ष करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पंजाब के लोगों ने कुछ समय पहले आम आदमी पार्टी को सरकार बनाने का बड़ा मौका दिया, लेकिन आप सरकार पंजाब को अभी तक कोई विजन नहीं दे पाई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पंजाब में कांग्रेस की सरकार के सत्ता में आने पर पंजाबी किसानों को लंबे समय के लिए एक स्थाई विजन दिया जाएगा। राहुल ने कहा कि पंजाब को जब तक पंजाब से नहीं चलाया जाएगा, तब तक पंजाब के लोगों का भला नहीं हो सकता। पंजाब की पूर्व कांग्रेस सरकार के कार्यकाल पर टिप्पणी करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पिछले चुनाव के दौरान सत्ता विरोधी लहर थी। इस वजह से कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा, लेकिन बहुत जल्द कांग्रेस ने अपना खोया हुआ आधार वापस हासिल कर लिया है। पंजाब में सुरक्षा में चूक की घटनाओं को खारिज करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वह कई माह से यात्रा कर रहे हैं। ऐसा कई बार हुआ है, जब लोग उत्साहित होकर उनसे मिलना चाहते हैं, लेकिन सुरक्षा कर्मी रोक देते हैं। राहुल ने कहा कि आज सुबह भी पंजाब में कुछ लोगों ने सुरक्षा को दरकिनार करके उनसे मिलने का प्रयास किया है, लेकिन यह सुरक्षा में सेंध नहीं है। पंजाब में चल रही भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अकाली दल व अन्य राजनीतिक दलों की ओर से 84 के दंगों तथा ऑपरेशन ब्लू स्टार को लेकर उठाए जा रहे मुद्दे पर राहुल गांधी ने कहा कि यूपीए की सरकार के समय मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री होने के नाते संसद में अपना स्टैंड रखा था। सोनिया गांधी जब कांग्रेस की प्रधान थी, तब उन्होंने भी पूरे देश के सामने इस मुद्दे पर पार्टी का पक्ष रखा था। राहुल गांधी ने कहा कि ऑपरेशन ब्लू स्टार के मुद्दे पर वह सोनिया व मनमोहन के बयान का समर्थन करते हैं।

किसानों का फैसला, 20 जनवरी को शुगर मिल पर लगाएंगे ताला

यमुनानगर (हि.स.)। भारतीय किसान यूनियन चढूनी के बैनर तले जगाधरी अनाज मंडी में मंगलवार दोपहर को एक बैठक हुई। जिसमें आने वाली 20 जनवरी से शुगर मिलों को बंद करने का निर्णय लिया गया। जिला प्रधान संजू गुंदियाना ने पत्रकारों को बताया कि कल प्रदेश सरकार से गन्ने के दाम को लेकर एक बैठक होनी थी, लेकिन कृषि मंत्री नही आए। जिससे सरकार की मंशा का साफ पता चलता है कि वह किसानों को बरबाद करने पर तुली हुई है। उन्होंने कहा कि संगठन के सभी किसानों की ड्यूटी लगाई गई कि गांव-गांव जाकर किसानों से गन्ना छिलाई बंद करने की अपील की जाएगी। सभी किसान संगठनों से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि आज सभी किसान संगठन गन्ने के दाम को लेकर अपने हक की लड़ाई लड़ रहें है। इसलिए सभी संगठनों के किसान एकजुट होकर 20 जनवरी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपने वाहन लेकर सरस्वती शुगर मिल के गेट पर पहुंचें और सुबह 8 बजे सरस्वती शुगर मिल का गेट बंद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार गन्ने का रेट नहीं बढ़ाती तब तक अनिश्चितकाल के लिए शुगर मिलों को बंद किया जाएगा। इस मौके पर डायरेक्टर मंदीप रोड छप्पर, जिला महासचिव गुरबीर प्रदेश सहित बड़ी संख्या में किसान शामिल रहें।

क्लब 11 ने स्मैशर्स क्रिकेट क्लब को दी मात

जम्मू। नगरोटा खेल गांव में निर्भय भारत फाउंडेशन के नेतृत्व में गणतंत्र दिवस टी-20 क्रि केट कप का उद्घाटन किया गया, जिसमें उद्घाटन मैच में प्रैस क्लब 11 ने स्मैशर्स क्रिकेट क्लब को 20 रन के अंतर से रोमांचक मुकाबले में मात दी। टूर्नामैंट का उद्घाटन तरुण उप्पल चेयरमैन निर्भय भारत फाउंडेशन और सुनील भगत द्वारा किया गया जो इस अवसर पर मुख्यतिथि व विशेष के अतिथि के तौर पर शामिल हुए। टूर्नामेंट का नारा है ड्रग्स को ना, खेलों को हां हैं। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए तरूण उप्पल ने कहा कि इस आयोजन का आयोजन केंद्र शासित प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने और ड्रग्स और अन्य संबद्ध सामाजिक गतिविधियों के शिकार होने से युवाओं को बचाने है ताकि वह खेल गतिविधियों में अधिक से अधिक भाग लेकर नशों जैसी बुराइयों से बच सकें। उन्होंने कहा कि खेल गांव जम्मू में एक खेल केंद्र बन गया है और इसके क्षेत्र में मेगा कार्यक्र म आयोजित करने से नवोदित खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का पर्याप्त अवसर मिलता है। मैच में अंपायर के रूप में सचिन सिंह और सुनील थापा रहे। जबकि टूर्नामेंट मुख्य आयोजक नवीन कौल (खेल सचिव, निर्भय भारत फाउंडेशन) की देखरेख में आयोजित किया जा रहा है।

किसानों नें चूरू कलेक्ट्रेट के बाहर किया प्रदर्शन

चूरू (हि.स.)। किसानों की समस्याओं को लेकर भाजपा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने खरीफ 2021 के बीमा क्लेम के भुगतान, दिन में बिजली देने सहित किसानों की मांगों के समर्थन में जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग को ज्ञापन दिया। एमपी राहुल कस्वां, रतनगढ़ विधायक अभिनेश महर्षि, जिला प्रमुख वंदना आर्य, सरदारशहर पूर्व विधायक अशोक पिंचा, पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण मौजूद रहे। कलेक्टर से मुलाकात के दौरान एमपी राहुल कस्वां और पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण ने किसानों की समस्याओं के बारे में भी अवगत करवाया। पिछले कुछ दिनों से माइनस में चल रहे तापमान की वजह से हुए फसल खराबे, बिजली विभाग द्वारा किसानों को रात को बिजली दिए जाने आदि की समस्याओं के समाधान की भी मांग की गई। एमपी राहुल कस्वां ने बताया कि पिछले काफी समय से चूरू जिले में बीमा सुविधा देने वाली कंपनी सीबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी के द्वारा किसानों के हित को आघात पहुंचाते हुए बार बार बीमा दावों के खिलाफ राजस्थान सरकार की समिति के समक्ष आपति दर्ज करवाई जा रही है, जिससे किसानों को खरीफ 2021 का क्लेम नही मिल पा रहा है। पूर्व जिला प्रमुख हरलाल सहारण ने इसे सरकार की नाकामी बताते हुए कहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने किसानों के साथ अन्याय किया है। सात दिन में प्रशासन से खरीफ 2021 की रिपोर्ट मांगी है। यदि 21 दिन में प्रशासन इसकी रिपोर्ट नही देंगे तो जिले में बड़ा आंदोलन करेंगे। चूरू, राजगढ़ और तारानगर में 80 से 90 प्रतिशत तक क्रॉप कटिंग होने के बावजूद किसानों को सेटेलाइट के आधार पर पैसा दिया गया है। बीमा कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार ने मिलीभगत की है। सरकार किसानों के 500 करोड़ रुपए खा गई है। उन्होंने कहा कि जिले में किसान की फसल बर्बाद हो गई। पिछले कुछ दिनों से माइनस में तापमान चल रहा है। सरसों और गेहूं की फसल बर्बाद हुई है उसकी तुरंत गिरदावरी की जाए।

जैसलमेर में छह पाक विस्थापितों को सौंपी गई भारतीय नागरिकता

जैसलमेर (हि.स.)। जैसलमेर में पाकिस्तानी विस्थापितों को नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान करने के सम्बन्ध में एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। मंगलवार को कलक्ट्रेट परिसर स्थित डीआरडीए सभाकक्ष में आयोजित शिविर में जिला कलक्टर टीना डाबी ने छह पाक विस्थापितों को भारतीय नागरिकता प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस दौरान दस्तावेज की कार्रवाई कराने के लिए काफी संख्या में लोग उपस्थित हुए। शिविर में प्राप्त आवेदन पत्रों का आवश्यक जांच की जाकर नियमानुसार आवेदन पत्रों का रजिस्ट्रेशन किया गया। जिला कलक्टर डाबी ने पाक विस्थापितों गफुर भटठ् निवासी सुरती बाई तथा सकरूराम, नया वास अमरसागर निवासी भूरों तथा फूली तथा जयनारायण व्यास कॉलोनी निवासी सोबदार एवं माना को भारतीय नागरिकता के प्रमाण पत्र प्रदान किए एवं बधाई दी। पाक विस्थापित नागरिकों ने जिला कलक्टर टीना डाबी के हाथों नागरिता प्रमाण पत्र प्राप्त कर खुशी जाहिर की। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर गोपाल लाल स्वर्णकार ने नागरिकता सम्बन्धी किए जाने वाले ऑन लाईन कार्य के सम्बन्ध में प्रशासन के साथ ही सीआईडीए बीआई, पुलिस, आईबी के अधिकारियों को कहा कि वे पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्य कर इनको राहत प्रदान कराएं। साथ ही दस्तावेज की सम्पूर्ण जांच कर नागरिकता के लिए ऑनलाईन आवेदन पत्र भी भरवाने की कार्यवाई करे।

No. SSUHS/47/2010/

NOTICE INVITING QUOTATION

Sealed quotation affixing court fees Stamp of Rs 8.25 (Rupees Eight and Twenty Five paisa) only are invited from authorized dealer/ supplier for supply of the following item for office use at Srimanta Sankaradeva University of Health Sciences.

The quotation complete in all respect is to be submitted on or before **02.02.2023** upto 2:00 PM and the same will be opened **02.02.2023** at 3:00 PM

SL.	Parameter	Minimum Required Specification
A.	**PRINT :**	
1.	PRINT SPPED (A4) (Mono/Color)	25 PPM or higher
2.	Print Resolution	1,200 ×1,200 dpi or better
3.	First Print Out Speed	7 second of less
4.	Paper Weight	52-300 gsm or more
B.	**SCAN :**	
1.	**DADF**	
1.	Scanning Speed (Simplex)	48 ipm or more
2.	Scanning Speed (Duplex)	15 ipm or more
3.	Scan Resolution	600 dpi, 400dpi, 300dpi, 200dpi 200×400dpi, 200×100dpi
4.	File Format Supported	TIFF, JPEG, XPS, OpenXPS, PDF (MMR/JPG compression/ High-compression PDF), PDF/A, Encrypted PDF
5.	Transmission Type	Scan to SMB; Scan to E-mail: Scan to FTP to FTP over SSL; Scan to USB; TWAIN Scan; WSD Scan
C.	**COPY FUNCTION:**	
1.	Copy size / Copy Resolution	Max. A3×600 × 600 dpi or better
2.	Zoom Ratio	25%-400%
D.	**Other Common Parameters**	
1.	Warm up Time	18 Second or less
2.	Duplex Printing	Yes Required
3.	Paper Tray	2 (Two) Cassette
		Cassette 2 : 500 Sheets
		Cassette 2 : 500 Sheets
4.	Multi Purpose Tray	100 Sheets
5.	Maximum Paper Sheet Supported in the Machine with addition of additional trays	More than 6500 Sheets
6.	SSD / HDD Capacity	SSD : 32 GB/HDD 320 GB (Optional)
7.	Out put Tray	Max. 500 Sheets + 100 sheets face-down
8.	Power Consumption Range	500-700 Wait
9.	Control Panel	10 Inch or large Screen
10.	Noise (ISO7779/ISO9296 During Printing/Copy	67 dB(A)
11.	Processor Speed	1 GHz or more
12.	Memory (RAM)	4 GB or more
13.	Ports	USB 2.0 High Spped × 1, Ethernet 10 Base-T/100 Base-TX/1000 Base-T
14.	Toner Yielding Capacity	20,000 Pages or more
15.	Stabilizer	2 KVA Stabilizer
16.	Trolley	Trolley
17.	Warranty	1 Years Comprehensive On site Warranty

Terms & Conditions :

1. The price of items is to be quoted inclusive/exclusive of all taxes as applicable.
2. The copies of GST registration, Trade Licences, Pan Card to be annexed with the Quotation.
3. The bill/bills to be submitted in duplicate.
4. The bills to be produced for payment only after successful and satisfactory supply of the item.
5. The undersigned has every right to accept and reject the quotation as deem fit it proper.

Sd/-
Registrar
Srimanta Sankaradeva University of Health Sciences.

-- Janasanyog /C/18541/ 22

1प्रतिशत अमीरों के पास देश की 40प्रतिशत से ज्यादा संपत्ति, 50प्रतिशत आबादी के पास सिर्फ 3प्रतिशत संपत्ति

नई दिल्ली।

भारत के सबसे अमीर 1प्रतिशत लोगों के पास देश की टोटल वेल्थ का 40प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा है। इस बात की जानकारी ऑक्सफैम ने हाल ही में जारी अपनी एक रिपोर्ट सर्वाइवल ऑफ द रिचेस्ट: द इंडिया स्टोरी में दी है। रिपोर्ट में यह भी बताया है कि देश की आधी यानी 50प्रतिशत आबादी के पास इंडिया की टोटल वेल्थ का सिर्फ 3प्रतिशत है। ऑक्सफैम इंडिया के सीईओ अमिताभ बेहर ने कहा, देश में गरीब ज्यादा टैक्स का भुगतान कर रहे हैं। अमीरों की तुलना में वे आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर अधिक खर्च कर रहे हैं। समय आ गया है कि अमीरों पर टैक्स लगाया जाए।

5प्रतिशत टैक्स लगाने से सभी बच्चे जा पाएंगे स्कूल

भारत के 10 सबसे अमीरों पर 5प्रतिशत टैक्स लगाने से 1.37 लाख करोड़ रुपए जुटाए जा सकते हैं। यह 2020-2023 के लिए हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर मिनिस्ट्री (86,200 करोड़ रुपए) और आयुष मंत्रालय (3,050 करोड़ रुपए) के अनुमानित फंड्स से 1.5 गुना ज्यादा है। इतने पैसों से देश के सभी बच्चों को स्कूल भेजने के लिए पूरा पैसा मिल सकता है।

2प्रतिशत टैक्स से कुपोषितों की जरूरत होगी पूरी

ऑक्सफैम ने कहा, अगर भारत के बिलियनेयर्स पर उनकी टोटल वेल्थ पर 2प्रतिशत की दर से एक बार टैक्स लगाया जाए, तो इससे देश में अगले तीन साल तक कुपोषित लोगों के पोषण के लिए 40,423 करोड़ रुपए की जरूरत को पूरा किया जा सकता है। ऑक्सफैम ने कहा कि नवंबर 2022 तक महामारी शुरू होने के बाद से भारत में अरबपतियों ने अपनी संपत्ति में 121प्रतिशत या 3,608 करोड़ रुपए प्रति दिन की ग्रोथ देखी है। दूसरी ओर 2021-22 में गुड्स एंड सर्विस टैक्स में टोटल 14.83 लाख करोड़ रुपए का लगभग 64प्रतिशत आधी आबादी से आया। वहीं जीएसटी का सिर्फ 3प्रतिशत ही टॉप-10 से मिला।

ऑक्सफैम ने कहा कि भारत में अरबपतियों की टोटल संख्या 2020 के 102 से बढ़कर 2022 में 166 हो गई है। भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की संयुक्त संपत्ति 660 अरब डॉलर (54.12 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच गई है। यह एक ऐसी राशि है जो 18 महीने से ज्यादा के पूरे केंद्रीय बजट को फंड दे सकती है।

न्यूज ब्रीफ

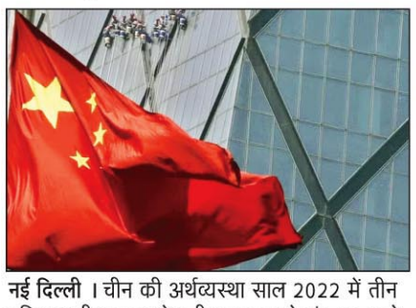

चीन में विकास दर 40 वर्षों में सबसे खराब, 2022 में 3प्रतिशत की दर से बढ़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली । चीन की अर्थव्यस्था साल 2022 में तीन प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ी। सरकार ने मंगलवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। इनके अनुसार कोरोना महामारी और रियर एस्टेट क्राइसिस के कारण चीन की विकास दर बीते साल पिछले 40 वर्षों में सबसे कमजोर रही। चीन की सरकार ने भविष्य के लिए 5.5प्रतिशत विकास दर का लक्ष्य रखा है, जो कि वर्ष 2021 में चीन जीडीपी जो कि आठ प्रतिशत से भी अधिक थी से काफी कम है। चीन के नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स के अनुसार चौथी तिमाही में विकास दर वर्षवार आधार पर 2.9प्रतिशत रही। तीसरी तिमाही में यह 3.9प्रतिशत रही थी। वैश्विक स्तर पर मांग घटने और जीरो कोविड पॉलिसी के कारण दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को 2022 में ऐतिहासिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस दौरान आर्थिक गतिविधियों में बड़ी गिरावट दिखी। ताजा आंकड़े वर्ष 1976 में माओ जिदोंग की मौत के बाद जब विकास दर -1.6प्रतिशत रही थी और 2020 में जब वुहान में कोरोना विस्फोट हुआ था, उसे छोड़कर सबसे खराब रहे हैं। पहले से ही मांग की कमी से जूझ रही चीन की अर्थव्यवस्था पिछले वर्ष ग्लोबल सप्लाई चेन में आई दिक्कतों के कारण बुरी तरह से प्रभावित हुई। वहीं दूसरी ओर, जीरो कोविड पॉलिसी के तहत सख्त लॉकडाउन, क्वारेंटिन और अनिवार्य मास कोविड टेस्टिंग से उत्पादन भी प्रभावित हुआ। दुनिया की सबसे बड़ी आईफोन फैक्ट्री वाले शहर झेंगझाऊ में भी कामकाज ठप पड़ गया। देशभर में हुए प्रदर्शनों के बाद बीते दिसंबर में सरकार को जीरो कोविड पॉलिसी में ढील देने का फैसला लेना पड़ा। विश्व बैंक ने वर्ष 2023 में चीन के लिए 4.3प्रतिशत की विकास दर का अनुमान जताया है, वह भी अपेक्षाकृत बहुत कम है।

कांग्रेस ने राणे के 'मंदी' वाले बयान के बाद किया सवाल, बोले- पीएम, वित्त मंत्री क्या छिपा रहे

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की आर्थिक मंदी वाली टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मंगलवार को पूछा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश से क्या छिपा रहे हैं केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) मंत्री नारायण राणे ने सोमवार को पुणे में पत्रकारों से कहा था कि अगर भारत आर्थिक मंदी का सामना करता है तो यह जून के बाद ही होगा। उन्होंने कहा था कि केंद्र ऐसी स्थिति से बचने के हरसंभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित देश पहले से ही आर्थिक मंदी का सामना कर रहे हैं। राणे के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता रमेश ने ट्वीट किया, ''2014 के बाद से बर्बाद हो चुके एमएसएमई के केंद्रीय कैबिनेट मंत्री नारायण राणे ने छह महीने बाद भारत में मंदी की भविष्यवाणी की है। उन्होंने जी20 सम्मेलन में पुणे में यह कहा है। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री देश से क्या छिपा रहे हैं राणे महाराष्ट्र के पुणे शहर में जी20 के पहले अवसंरचना कार्य समूह (आईडब्ल्यूजी) की बैठक का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे।

इस साल तैयार होंगे 5.4 लाख घरः ये 6 साल में सबसे ज्यादा, दिल्ली-एनसीआर में मिलेंगे बीते साल से दोगुने रेडी टु मूव मकान

नई दिल्ली। इस साल देश के सात प्रमुख प्रॉपर्टी मार्केट में 5.44 लाख रेडी-टु-मूव (तैयार) मकान उपलब्ध होंगे। ये 2016 के बाद बीते छह साल का सबसे बड़ा आंकड़ा है। प्रॉपर्टी कंसल्टेंट एनारॉक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मांग बढ़ने के बीच हाउसिंग प्रोजेक्ट्स का काम तेजी से पूरे होने से तैयार मकानों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। देश के सात प्रमुख प्रॉपर्टी मार्केट में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र , पुणे, बेंगलुरू, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कैलेंडर वर्ष 2023 के दौरान दिल्ली-एनसीआर में बीते साल के मुकाबले 93.3प्रतिशत ज्यादा 1,66,850 मकान बनकर तैयार हो जाएंगे। 2022 में यहां 86,300 मकान बनकर तैयार हुए थे। 2021 में तैयार मकानों की संख्या भी लगभग इतनी ही थी। दरअसल कोविड-19 के बाद रियल एस्टेट कंपनियों ने मकानों के निर्माण की रफ्तार तेज की। नतीजतन 2022 में देश के सात बड़े शहरों में 4.02 मकान बनकर तैयार हुए। यह वर्ष 2017 के बाद बीते पांच साल का सबसे बड़ा आंकड़ा है। एक साल पहले के मुकाबले भी ये करीब डेढ़ गुना ज्यादा है।

मध्यम वर्ग को 'बजट' से बड़ी आस, आयकर का दायरा बढ़ाने पर क्या फैसला लेंगी वित्त मंत्री

नई दिल्ली ।

जैसे-जैसे बजट की तारीख करीब आ रही हैं अटकलों का बाजार भी गर्म हो गया है। समाज का हर वर्ग अपने-अपने हिसाब से बजट से अपनी अपेक्षाओं को जोड़कर देख रहा है। देश के मध्यम वर्ग को इस बार के बजट से ढेर सारी उम्मीद हैं। आम तौर पर अर्थशास्त्री ढाई लाख प्रतिवर्ष से 20 लाख सालाना आमदनी वाले लोगों को मध्यम वर्ग के अंतर्गत मानते हैं। आइए जानते हैं इस बार देश का यह वर्ग वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से क्या चाहता है

आयकर के स्लैब में हो बदलाव

बीते कई वर्षों में आयकर के स्लैब में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस बार के बजट में देश का मध्यम वर्ग इस बात की उम्मीद लगाए है कि वित्त मंत्री आयकर के दायरे में बदलाव की घोषणा करेंगी। सरकार वर्ष 2020 में इंडिविजुअल टेक्सपेयर्स के लिए न्यू टैक्स रिजाइम लेकर आई थी। जानकारों के मुताबिक करदाताओं को उससे कोई बड़ा फायदा नहीं हुआ। ऐसे में देश का एक बड़ा वर्ग लंबे समय से टैक्स स्लैब में बदलाव की मांग कर रहा है। देश में लगातार बढ़ती महंगाई को देखते हुए भी लोगों का मानना है कि सरकार को आयकर का दायर कम ही सही लेकिन बढ़ाना चाहिए।

बच्चों की पढ़ाई का खर्च 80सी से बाहर हो

देश के आयकरदाताओं को 80सी के तहत विभिन्न खर्चों के एवज में टैक्स में छूट मिलती है। 80सी के तहत आने वाले खर्चों की लिस्ट पहले से बहुत लंबी है। ऐसे में देश का मध्यम वर्ग चाहता है कि इस लिस्ट से कम से कम बच्चों की ट्यूशन फी का खर्च हटा दिया जाए। बैंकर आशुतोष रंजन का कहना है कि महंगाई के कारण घरों का खर्च पहले ही बढ़ा हुआ है। 80सी के तहत महज डेढ़ लाख तक की ही राशि पर छूट मिलती है। साल भर में बच्चों की पढ़ाई का खर्च ही उससे अधिक हो जाता है। ऐसे में इस बार के बजट में सरकार को ट्यूशन फी को 80सी से बाहर करने की घोषणा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य बीमा योजना पर छूट बढ़ाने की अपेक्षा

देश का मध्यम वर्ग इस बात की उम्मीद कर रहा है कि इस बार के बजट में सरकार स्वास्थ्य बीमा योजनाओं पर मिलने वाली टैक्स छूट में वृद्धि करने का फैसला लेगी। फिलहाल इस मद में 25000 रुपये तक की राशि पर छूट मिलती है। लोगों की अपेक्षा है कि कोविड के बाद बढ़ते मेडिकल एक्सपेंस को देखते हुए इसे बढ़ा कर 50 हजार रुपये तक किया जाए।

आयुष्मान योजना का दायरा बढ़े तो मिलेगी बड़ी राहत

फिलहाल देश में एक खास आय वर्ग के लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिलता है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार की ओर से पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है। देश के मध्यम वर्ग की अपेक्षा है कि इस बार इस योजना का दायरा बढ़ाया जाए क्योंकि मध्यम वर्ग में भी कई ऐसे परिवार हैं जिनकी आमदनी महज ढाई से पांच लाख रुपये सालाना है। वे निजी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का भार उठाने में सक्षम नहीं है। ऐसे में उनके लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरकार को आयुष्मान योजना का दायरा बढ़ाने की घोषणा करनी चाहिए।

रोजगार के अवसर बढ़ें, खाली पदों पर हो नियुक्ति

कोरोना संकट के बाद देश में एक बड़ा वर्ग रोजगार की कमी की समस्या से जूझ रहा है। ऐसे में देश का मध्यम वर्ग चाहता है कि सरकार इस बार के बजट में कुछ ऐसी योजनाओं की घोषणा करें जिससे मध्यम वर्ग के परिवारों से आने वाले युवाओं को रोजगार के समुचित अवसर मिल सकें। इसके अलावे देश वर्तमान में विभिन्न सरकारी संस्थानों में खाली पड़े पदों पर नियुक्ति सुनिश्चित करने के प्रयास भी सरकार को करने चाहिए।

वित्त मंत्री के बयान से मध्यम वर्ग की जगी उम्मीद

हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि वे स्वयं मध्यम वर्ग के परिवार से आती हैं इसलिए उनका दर्द समझती हैं। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल के दौरान मध्यम वर्ग पर किसी नए टैक्स का भार नहीं दिया है। पांच लाख तक की सालाना आमदनी वाले लोगों पर कोई टैक्स नहीं लगाया गया है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा था कि मिडिल क्लास को बढ़िया पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन की जरूरत है, इसलिए हमने 27 शहरों तक मेट्रो का विस्तार किया है। मध्यम वर्ग के परिवारों को रोजगार के लिए शहरों का रुख करना पड़ा है ऐसे में हम स्मार्ट सिटी की परिकल्पना को साकार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जहां रोजगार के साथ उनके लिए तमाम सुविधाएं मौजूद हों। बजट से ठीक पहले वित्त मंत्री के ऐसा बयान देने से जानकार उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार अपने बजट भाषण के दौरान वे इस वर्ग को खास सौगात देंगी।

60 रुपए लीटर वाले फ्लेक्स फ्यूल से दौड़ेंगी गाड़ियां

ऑटो एक्सपो में दिखी एथेनॉल ब्लेंडिंग फ्यूल से चलने वाली कार और बाइकों की झलक

ग्रेटर नोएडा।

आने वाले 1-2 सालों में आपको फ्यूल 60-62 रुपए प्रति लीटर में मिल सकता है। अभी पेट्रोल की कीमत 108 रुपए के आसपास चल रही है। दरअसल, पेट्रोल-डीजल गाड़ियों से होने वाले एयर पॉल्यूशन को रोकने और फ्यूल के दाम कम करने के लिए दुनियाभर की सरकारें एथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल पर काम कर रही हैं। भारत में भी एथेनॉल को पेट्रोल-डीजल के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। इससे गाड़ियों का माइलेज भी बढ़ेगा। देश में 5प्रतिशत एथेनॉल से प्रयोग शुरू हुआ था जो अब 10प्रतिशत तक पहुंच चुका है। अब सरकार नेशनल बायो फ्यूल पॉलिसी को लागू कर 22 अप्रैल से ई-20 (20प्रतिशत एथेनॉल + 80प्रतिशत पेट्रोल) से ई-80 (80प्रतिशत एथेनॉल + 20प्रतिशत पेट्रोल) पर जाने के लिए प्रोसेस शुरू करने जा रही है। अप्रैल से सिर्फ फ्लेक्स फ्यूल कंप्लाइंट गाड़ियां ही बेची जा सकेंगी। साथ ही पुरानी गाड़ियां एथेनॉल कंप्लाएंट व्हीकल में चेंज की जा सकेंगी। ग्रेटर नोएडा में चल रहे ऑटो एक्सपो के शुभारंभ के मौके पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी कह चुके हैं, मैं फ्लेक्स फ्यूल के लिए 2004 से सपना देख रहा हूं। ब्राजील में पहले से ही फ्लेक्स फ्यूल टेक्नोलॉजी है। ऑटो एक्सपो 2023 में एथेनॉल पवेलियन बनाया गया है। यहां भविष्य में फ्लेक्स फ्यूल से चलने वाली गाड़ियों की झलक देखने को मिली। यहां हम आपको एथेनॉल और उससे चलने वाली गाड़ियों के बारे में बता रहे हैं एथेनॉल एक तरह का अल्कोहल है, जो स्टार्च और शुगर के फर्मेंटेशन से बनाया जाता है। इसे पेट्रोल में मिलाकर गाड़ियों में इको-फ्रैंडली फ्यूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है। एथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने के रस से होता है, लेकिन स्टार्च कॉन्टेनिंग मटेरियल्स जैसे मक्का, सड़े आलू, कसावा और सड़ी सब्जियों से भी एथेनॉल तैयार किया जा सकता है।

1जी एथेनॉल : फर्स्ट जनरेशन एथेनॉल गन्ने के रस, मीठे चुकंदर, सड़े आलू, मीठा ज्वार और मक्का से बनाया जाता है। 2जी एथेनॉल : सेकंड जनरेशन एथेनॉल सेल्युलोज और लिग्नोसेल्यूलोसिक मटेरियल जैसे - चावल की भूसी, गेहूं की भूसी, कॉर्नकॉब (भुट्टा), बांस और वुडी बायोमास से बनाया जाता है।

सिम्फोर्ज इंजीनियरिंग स्टार्टअप से पहले 350 रुपए जेब में थेः निरंजन ओवल

नई दिल्ली।

नेशनल स्टार्टअप डे पर भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट के कार्यक्रम में पहुंचे युवा उद्यमी निरंजन ओवल ने कहा, किदिल में अगर कुछ करने का जज्बा हो तो इंसान कुछ भी कर सकता है। सिमफोर्स इंजीनियरिंग के स्टार्टअप से पहले वह एक छात्र थे और उनकी जेब में सिर्फ 350 रुपए थे। आपको बता दें कि निरंजन ओवल की सिम्फोर्ज इंजीनियरिंग नकली कार रेसिंग उत्पादों को सस्ती दरों पर बनाती है। जिससे कि ज्यादा से ज्यादा लोग खेल में प्रवेश कर सके। गौरतलब है कि जब 23 और 24 अक्टूबर को मोनाको में पहली बार सिम रेसिंग विश्व कप आयोजित किया गया था। तो टीम इंडिया में दो होनहार ड्राइवर मुहम्मद इब्राहिम और डेव्लिश सिंह शामिल थे। सिम रेसिंग या सिम्युलेटेड कार रेसिंग भारत में तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रही है और आमतौर पर मॉल के अंदर गेम पार्लर में खेली जाती है। स्टार्टअप सिमफोर्ज इंजीनियरिंग के पुणे स्थित संस्थापक निरंजन ओवल के अनुसार यदि सिम रेसिंग उपकरण अधिक किफायती होते तो देश में अधिक ड्राइवर होते। ओवल का स्टार्टअप यही कर रहा है। अधिक लोगों को खेल में प्रवेश दिलाने के प्रयास में सिमफोर्ज सस्ती दरों पर गुणवत्ता वाले सिम रेसिंग उत्पाद बनाती है। इस साल की शुरूआत में, ओवल ने यूथ बिजनेस इंटरनेशनल (वाईबीआई) द्वारा आयोजित ग्लोबल यूथ एंटरप्रेन्योरशिप समिट में कोविड रेजिलिएंस अवार्ड जीता जो दुनिया भर में 18 से 35 वर्ष के बीच के लोगों को व्यवसाय शुरू करने और संचालित करने में सहायता करता है।

निर्यात 12 फीसदी घटा, व्यापार घाटा बढ़कर 23.7 अरब डॉलर, आयात भी दिसंबर में घटा

नई दिल्ली । वैश्विक चुनौतियों के बीच देश का निर्यात दिसंबर, 2022 में 12.2 फीसदी घटकर 34.48 अरब डॉलर रह गया।इस दौरान आयात में कमी के बावजूद देश का व्यापार घाटा 12.8 फीसदी बढ़कर 23.76 अरब डॉलर पहुंच गया।सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल दिसंबर में आयात 3.5 फीसदी घटकर 58.24 अरब डॉलर रह गया।दिसंबर, 2021 में यह 60.33 अरब डॉलर रहा था। आधिकारिक बयान के अनुसार, दिसंबर, 2021 में देश से 39.27 अरब डॉलर की वस्तुओं एवं सेवाओं का निर्यात किया गया था। उस दौरान 21.06 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआथा। इंजीनियरिंग वड्डस्तुओं का निर्यात दिसंबर में करीब 12प्रतिशत घटकर 9.08 अरब डॉलर रहा।

90 प्रतिशत से अधिक भारतीय सीईओ परिचालन लागत में कटौती करने की बना रहे योजनाः पीडब्ल्यूसी

नई दिल्ली।

अधिकांश भारतीय सीईओ ने एक सर्वेक्षण में संकेत दिया है कि वे बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच अपनी परिचालन लागत में कटौती करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि साथ ही वे देश की आर्थिक संभावनाओं के बारे में आशावादी हैं। प्राइस वॉटरहाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) द्वारा जारी वार्षिक वैश्विक सीईओ सर्वेक्षण के अनुसार कई कंपनियां अपने कर्मचारियों की संख्या या वेतन में कटौती करने की योजना नहीं बनाती हैं। दावोस में सोमवार से शुरू हुई विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की बैठक के पहले दिन यह सर्वेक्षण जारी किया गया। यह अक्टूबर और नवंबर 2022 के बीच भारत के 68 सीईओ सहित 105 देशों और क्षेत्रों के 4,410 सीईओ के बीच आयोजित किया गया था। सर्वेक्षण से यह भी पता चला है कि 10 में से लगभग चार सीईओ (40 प्रतिशत वैश्विक और 41 प्रतिशत भारतीय उत्तरदाताओं) को उम्मीद नहीं है कि उनकी कंपनियां 10 वर्षों में आर्थिक रूप से व्यवहार्य होंगी, यदि वे अपने मौजूदा पथ पर जारी रहती हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है, मौजूदा माहौल के जवाब में भारत के 93 प्रतिशत सीईओ (वैश्विक सीईओ के 85 प्रतिशत और एशिया प्रशांत सीईओ के 81 प्रतिशत के मुकाबले) कहते हैं कि वे परिचालन लागत को कम करने की योजना बना रहे हैं। साथ ही भारत के 78 फीसदी सीईओ, वैश्विक सीईओ के 73 फीसदी और एशिया पैसिफिक के 69 फीसदी सीईओ को लगता है कि अगले एक साल में वैश्विक आर्थिक विकास में गिरावट आएगी। हालांकि सर्वेक्षण में पाया गया कि धूमिल वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के बावजूद, 57 प्रतिशत या 10 में से पांच भारतीय कॉरपोरेट अगले एक साल में भारत की आर्थिक वृद्धि के बारे में आशान्वित हैं, बावजूद इसके कि वैश्विक दृष्टिकोण निराशाजनक है। इसके विपरीत एशिया पैसिफिक के केवल 37 प्रतिशत सीईओ और 29 प्रतिशत वैश्विक सीईओ अगले 12 महीनों में अपने देशों या क्षेत्रों में आर्थिक विकास में सुधार की उम्मीद करते हैं।

वित्त वर्ष 2023 के लिए भारत का राजकोषीय घाटा 17.5 लाख करोड़ रुपये

वित्त वर्ष 2024 के लिए 17.95 लाख करोड़ रुपये अनुमानित : एसबीआई

चेन्नई ।

2023-24 के लिए आगामी भारतीय बजट घटती मुद्रास्फीति के वैश्विक माहौल के बीच राजकोषीय समेकन के रोडमैप का पालन करना सरकार के लिए एक चुनौतीपूर्ण होगा। भारतीय स्टेट बैंक के एक शीर्ष अर्थशास्त्री ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि भारत के लिए, यह नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) संख्या को 10 प्रतिशत से काफी अधिक निर्धारित करना मुश्किल बना सकता है, जिसमें अपस्फीति लगभग 3.5 प्रतिशत है। लेकिन इसका मतलब यह भी हो सकता है कि लगभग 6.2 प्रतिशत की अनुमानित जीडीपी वृद्धि से अधिक हो। उन्होंने यह भी कहा कि वित्त वर्ष 2023 के लिए भारत सरकार का राजकोषीय घाटा लगभग 17.5 लाख करोड़ रुपये होगा। एसबीआई की ग्रुप चीफ आर्थिक सलाहकार डॉ. सौम्य कांति घोष के अनुसार, वित्त वर्ष 2023 के लिए, सरकार की कुल प्राप्तियां बजट अनुमानों (बीई) से लगभग 2.3 लाख करोड़ रुपये, उच्च प्रत्यक्ष कर प्राप्तियों (लगभग 2.2 लाख करोड़ रुपये), उच्च जीएसटी प्राप्तियों (95,000 करोड़ रुपये) के कारण अधिक होंगी, लेकिन कम लाभांश (लगभग 40,000 करोड़ रुपये), उपकर का कम ईंधन कर शुद्ध (30,000 करोड़ रुपये) और कम विनिवेश प्राप्तियां (लगभग 15,000-20,000 करोड़ रुपये) होंगी। घोष ने कहा, इस बीच, अधिक सब्सिडी बिल और सरकार द्वारा घोषित अतिरिक्त व्यय के कारण बजट अनुमान के लगभग 3 लाख करोड़ रुपये अधिक होने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए, वित्त वर्ष 2023 में सरकार का राजकोषीय घाटा 17.5 लाख करोड़ रुपये रहने की उम्मीद है। हालांकि, उच्च सांकेतिक जीडीपी वृद्धि (15.4 प्रतिशत) का अनुमान राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 6.4 प्रतिशत पर रखने में मदद करेगा। घोष ने रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2024 के संबंध में सरकार का खर्च वित्त वर्ष 2023 के अनुमानों की तुलना में लगभग 8.2 प्रतिशत बढ़कर 46 लाख करोड़ रुपये होने की संभावना है। सब्सिडी बिल जो वित्त वर्ष 2023 में काफी बढ़ गया था, वित्त वर्ष 2024 में लगभग 3.8-4 लाख करोड़ रुपये कम होने का अनुमान है और पूंजीगत व्यय 12 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इस बीच, कर राजस्व प्राप्तियों में 11 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना के साथ प्राप्तियों (ऋण और अन्य देनदारियों को घटाकर) में लगभग 12.1 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। नॉमिनल जीडीपी वृद्धि 10 प्रतिशत पर होने के कारण वित्त वर्ष 2023 में कर उछाल 1.5 के अनुमानित कर उछाल की तुलना में 1.1 के करीब होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रकार, वित्त वर्ष 2024 के लिए राजकोषीय घाटा लगभग 17.95 लाख करोड़ रुपये या वित्त वर्ष 2024 में जीडीपी का 6 प्रतिशत अनुमानित है, जिसके परिणामस्वरूप चालू वित्त वर्ष से 40 बीपीएस का राजकोषीय समेकन हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, जहां तक उधार लेने का सवाल है, हमारा मानना है कि वित्त वर्ष 2024 में केंद्र की शुद्ध बाजार उधारी लगभग 11.7 लाख करोड़ रुपये और 4.4 लाख करोड़ रुपये के पुनर्भुगतान के साथ, सकल उधारी 16.1 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है। हमारा मानना है कि लगभग 50,000 करोड़ रुपये के स्विच की भी घोषणा होने की संभावना है।

केंद्र से हायर टैक्स डेवॉल्यूशन के साथ, राज्यों को वित्त वर्ष 2023 में लगभग 8 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की संभावना है, जो पहले के अनुमान से कम है।

तेल कंपनियों ने जारी किए पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम जारी कर दिए हैं। कंपनियों ने दिल्ली और चेन्नई में तेल के दामों में बदलाव किया है। सरकार ने कुछ महीने पहले पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटाने की घोषणा की थी। देश में तेल के दाम लगभग पिछले चार महीने से ज्यादा समय से स्थिर हैं। दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये व डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 106.03 रुपये जबकि डीजल का दाम 92.76 रुपये प्रति लीटर है। वहीं चेन्नई में भी पेट्रोल 102.63 रुपये प्रति लीटर तो डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर है।

कुत्ते असफल मायूस हुआ बॉलीवुड दक्षिण ने फिर मारी बाजी

मुंबई (ईएमएस)। मल्टी स्टारर फिल्म कुत्ते बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो चुकी है। विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान भारद्वाज के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने प्रदर्शन के दो दिन में बॉक्स ऑफिस पर 2.32 करोड़ का ही कारोबार करने में सफलता प्राप्त की है। शुरूआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 1.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया जो कि बेहद निराशाजनक रहा। तरण आदर्श ने कहा कि शनिवार और रविवार को उम्मीद की जा सकती है कि कारोबार बढ़े लेकिन ऐसा हुआ नहीं। कुत्ते ने शनिवार को बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 1.25 करोड़ का कारोबार करे में सफलता पाई जो पहले दिन के मुकाबले सिर्फ 18 लाख ज्यादा रहा। दो दिन के आंकड़े देखते हुए यह स्पष्ट हो गया कि कुत्ते बॉक्स ऑफिस पर असफल हो गई है। इस फिल्म से अर्जुन कपूर को बहुत सारी आशाएँ थी जो धूमिल हो गई हैं। अर्जुन कपूर बॉक्स ऑफिस पर लगातार असफल हो रहे हैं। वे सिर्फ मीडिया में मलाइका अरोड़ा के साथ अपने सम्बन्धों को लेकर प्रसिद्ध हो रहे हैं।अर्जुन कपूर तब्बू राधिका मदान और नसीरुद्दीन शाह जैसे एक्टर्स से सजी इस फिल्म से उम्मीद की जा रही थी कि पहले दिन कुत्ते का कलेक्शन तकरीबन 8 से 10 करोड़ का होगा लेकिन फिल्म ऐसा करने में असफल रही है। जहां एक तरफ रीजनल फिल्में बॉक्स ऑफिस पर दमदार कलेक्शन कर रही हैं वहीं पहले दिन इस बॉलीवुड फिल्म के आंकड़े भी मायूस कर देने वाले हैं। अब बॉलीवुड बॉक्स ऑफिस की नजरें शाहरुख खान की 25 जनवरी को प्रदर्शित होने वाली पठान पर लगी हैं। उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 30-35 करोड़ की ओपनिंग लेने में सफल होगी।

करण जौहर नहीं अमान देवगन करेंगे इस निर्देशक के साथ शुरूआत साथ होंगे अजय

मुंबई (ईएमएस)। अजय देवगन इन दिनों अपने निर्देशन में बनी फिल्म भोला को प्रदर्शित करने की तैयारियों में व्यस्त हैं। भोला के अतिरिक्त अजय देवगन इस वर्ष मैदान में भी नजर आएंगे जिसका निर्माण बोनी कपूर ने किया है। फिलहाल अजय देवगन की चर्चा फिल्मी गलियारों में उनकी फिल्मों को लेकर नहीं हो रही है अपितु उनकी चर्चा उनके भतीजे अमान देवगन के फिल्मों में आने के कारण हो रही है। बहती हवाओं का कहना है कि अजय देवगन अपने भतीजे को फिल्मों में लाने की तैयारी पूरी कर चुके हैं। उनके भतीजे अमान देवगन को लांच करने का मौका नेपोटिज्म को प्रमोट करने का टैग हासिल कर चुके करण जौहर को नहीं मिल रहा है। करण जौहर यह मौका चुक गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि अमान देवगन सोलो नायक के तौर नहीं अपितु अपने चाचा अजय देवगन के साथ सिनेमाई परदे पर शुरूआत करने जा रहे हैं।इसके लिए फिल्म निमार्ता-निर्देशक अभिषेक कपूर ने मेगा प्लान बनाया है। सामने आ रहे समाचारों के अनुसार केदारनाथ फेम निर्देशक अभिषेक कपूर अपनी अगली फिल्म पर काम कर रहे हैं जिसमें अजय देवगन लीड रोल में नजर आएंगे। अजय देवगन का इस फिल्म में किरदार अब तक का सबसे अलग होने वाला है। इसी फिल्म के जरिये अभिषेक कपूर अमान देवगन को लांच करने जा रहे हैं। पीपिंगमून की एक रिपोर्ट की मानें तो इस बारे में जानकारी देते हुए एक करीबी सूत्र ने कहा अभिषेक कपूर अपनी इस फिल्म में एक्शन और एडवेंचर स्पेस एक्सप्लोर करने की कोशिश में हैं। अब उनकी अगली कहानी एक निर्देशक के तौर पर और थोड़ा आगे बढने में मदद करेगी। वो इस फिल्म को शुरू करने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। इस फिल्म के साथ वो अमान देवगन को भी लॉन्च कर रहे हैं।सूत्र ने कहा यह एक बड़ी एक्शन एडवेंचर फिल्म है जिसके जरिए वो एक अलग दुनिया बनाने की कोशिश में हैं। फिल्म के सभी किरदारों को अभिषेक कपूर एक अलग दुनिया के हिसाब से बनाने की तैयारी में हैं। यह अनाम फिल्म अगले कुछ महीनों में फ्लोर पर पहुंचेगी। उन्हें अमान देवगन और अजय देवगन में एक दिलचस्प कॉम्बिनेशन मिला है। जिसमें अजय देवगन अब तक के सबसे अलग अवतार में दिखेंगे। उनका यह किरदार हर किसी को हैरान कर देगा।गौरतलब है कि अजय देवगन इन दिनों दृश्यम-2 की सफलता का आनन्द ले रहे हैं। इस वर्ष वे सबसे पहले स्वयं के निर्देशन में बनी फिल्म भोला में नजर आएंगे जो तमिल फिल्म कैथी का आधिकारिक हिन्दी रीमेक है। इसके बाद वे बोनी कपूर निर्मित मैदान में दिखाई देंगे। अप्रेल से अजय देवगन रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की अगली फिल्म सिंघम-3 को शुरू करेंगे। अब अजय देवगन के हाथ निर्देशक अभिषेक कपूर की यह फिल्म लगी है।

पैपराजी पर बुरी तरह भड़कीं चुलबुली शहनाज गिल

शहनाज गिल इन दिनों अपने शो देसी वाइब्स विद शहनाज गिल को लेकर खूब चर्चा में है। हाल ही में उनके इस शो पर रकुलप्रीत सिंह अपनी फिल्म छत्रीवाली के प्रमोशन के लिए पहुंची जिसकी एक झलक शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी शेयर की है। वहीं इस एपिसोड को शूट करने के दौरान शहनाज ने मीडिया से भी इंटरैक्शन किया लेकिन इसी बीच कुछ ऐसा हो गया जिसे लेकर शहनाज गिल गुस्सा हो जाती हैं। दरअसल मीडिया से बातचीत के दौरान कोई बार-बार उनका नाम लेकर उनसे सवाल पूछने की कोशिश कर रहा था। ऐसे में शहनाज परेशान हो जाती हैं और फिर उस शख्स की जमकर क्लास लगाती हैं। वह कहती हैं कि जब कोई बोल रहा है तो आप बीच में मत बोलो यह अपमान है... चुप रहो। सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो खूब वायरल हो रहा है। हालांकि यह पहली बार नहीं है इससे पहले भी शहनाज गिल को पैपराजी पर भड़कते हुआ देखा जा चुका है।

न्यू मॉम आलिया भट्ट को एडवर्ड ने किया इग्नोर

बालीवुड अदाकार आलिया भट्ट ने रविवार को फैंस को अपनी पालतू बिल्ली एडवर्ड के साथ अपनी नई पिक दिखाईं। न्यू मदर ने इंस्टाग्राम पर कुछ पिक्स शेयर कीं। पिक्स में आलिया को ब्लू कलर की डेनिम ड्रेस पहने और अपनी पालतू बिल्ली से आंख मिलाने की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है। पिक्स को शेयर करते हुए आलिया ने कैप्शन में लिखा नॉट सो हैप्पी संडे। उन्होंने जो पहली पिक पोस्ट की उसमें आलिया को मुस्कुराते हुए और अपने पालतू बिल्ली को देखते हुए देखा जा सकता है लेकिन उनकी बिल्ली उनकी ओर देखने के बजाय उन्हे इगनोर कर रही है। आलिया बेड पर एडवर्ड के बगल में लेटी हुई थी। एडवर्ड के साथ आलिया की पिक्स पर फीडबैक देते हुए एक फैंन ने पोस्ट पर कमेंट किया कि ये दोनों एक जैसे हैं। एक अन्य फैन ने लिखा दो सुंदरियां एक फ्रेम में। हाल ही में आलिया और रणबीर कपूर को मुंबई में अपनी बिल्डिंग के बाहर स्पॉट किया गया जहां वे बेटी राहा को घुमाने ले गए।

अनुपमा के अनुज कर चुके हैं यामी गौतम से रोमांस

-जिस सीरियल में रोमांस किया वह है यह प्यार ना होगा कम

मुंबई (ईएमएस)। क्या आप जानते हैं अनुपमा के अनुज यानी गौरव खन्ना बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम के साथ भी रोमांस कर चुके हैं वह भी सालों पहले। जी हां गौरव खन्ना करीब 14 साल पहले यामी गौतम के साथ छोटे पर्दे पर रोमांस कर चुके हैं। फिल्मों से पहले यामी टीवी इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाए हुए थीं। यामी ने गौरव खन्ना के साथ जिस सीरियल में रोमांस किया वह था यह प्यार ना होगा कम इसमें गौरव खन्ना और यामी गौतम लीड रोल में थे। यह सीरियल टीवी पर 2009-2010 में प्रसारित हुआ था जिसे दर्शकों से खूब प्यार मिला था।ये सीरियल एक लव स्टोरी थी जिसमें गौरव खन्ना ने एक ब्राह्माण परिवार के लड़के का किरदार निभाया था जिसका नाम अबीर बाजपेयी था। वहीं यामी ने एक कायस्थ परिवार की लड़की लहर माथुर का रोल प्ले किया। दोनों के प्यार के बीच जात-पात की दीवार परिवार और समाज के ताने आ जाते हैं और इसी के बीच दोनों अपने प्यार के लिए लड़ते हैं। कहानी का प्लॉट लखनऊ के इर्द गिर्द घूमता है जो जातिवाद और दो वर्गों में भिन्नताओं को दिखाता है। इस शो के चलते यामी और गौरव को खूब प्यार मिला। अब गौरव जहां अनुपमा के चलते चर्चा में हैं तो वहीं यामी अपनी फिल्मों से हलचल मचा रही हैं।

यामी उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक काबिल दसवीं ए थर्सडे और विकी डोनर जैसी फिल्मों के जरिए सुर्खियां बटोर चुकी हैं। बता दें कि रुपाली गांगुली स्टारर अनुपमा ने इन दिनों टीवी इंडस्ट्री में हलचल मचा रखी है। कोई भी सीरियल टीआरपी के मामले में इस सीरियल को टक्कर नहीं दे पा रहा है। मेकर्स अक्सर शो में कुछ ऐसा लेकर आ जाते हैं जिससे दर्शक का शो से मोह कम नहीं हो रहा।

इन दिनों अनुपमा और अनुज के बीच भी कुछ खटपट देखने को मिल रही है। ऐसे में अनुपमा अनुज को मनाने और समझाने में जुटी है। दोनों के बीच रोमांटिक सीन भी देखने को मिल रहे हैं।

भगवान की भक्ति में लीन हुईं हेमा मालिनी

हिंदी सिनेमा की ड्रीम गर्ल यानी हेमा मालिनी किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हेमा ने फिल्मों ही नहीं बल्कि राजनीति में भी अपना एक अलग नाम बनाया है। एक्ट्रेस राजनीति में काफी सक्रिय भी रहती हैं। इसी वजह से इन दिनों बीजेपी से सासंद हेमा मालिनी अपने संसदीय क्षेत्र मथुरा के दौर पर पहुंची हैं। इस दौरे की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं जिसमें हेमा भजन गाती दिख रही हैं। अक्सर देखा गया है कि हेमा मालिनी धार्मिक कामों में काफी दिलचस्पी रखती हैं। इस वीडियो में हेमा को भजन गाते सुना जा सकता है। मीडिसा के अनुसार हेमा मालिनी ने शनिवार को वृंदावन के राधा मंदिर में भजन गाया। इसके साथ ही हेमा मालिनी ने इसी मंदिर में पूजा-अर्चना भी की है। इससे पहले हेमा मालिनी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर फैंस को मकर संक्रान्ति और पोंगल की बधाई दी थी।

भोला के पोस्ट प्रोडक्शन में व्यस्त अजय देवगन

-अजय के साथ नजर आएंगी सई मांजरेकर

मुंबई(ईएमएस)। बालीवुड एक्टर अजय देवगन वर्तमान में अपने निर्देशन भोला के पोस्ट प्रोडक्शन में व्यस्त हैं जो मार्च 2023 की शरूआत में प्रदर्शित होने के लिए तैयार है। हालांकि जनवरी के अंत तक उनकी बहुप्रतीक्षित नीरज पांडे फिल्म की शूटिंग शुरू होने की उम्मीद है। इस मामले से जुड़े करीबी सूत्रों के मुताबिक यह फिल्म अपनी तरह की अनूठी रोमांटिक थ्रिलर है जो दो अलग-अलग युगों में सेट है।फिल्म में अजय देवगन के साथ जिमी शेरगिल मुख्य भूमिका में होंगे। जानकारी के अनुसार इस फिल्म में दबंग-3 से बॉलीवुड फिल्मों में शरूआत करने वाली सई मांजरेकर अजय देवगन के अपोजिट नजर आएंगी। सई मांजरेकर इस अभी तक अनटाइटल्ड रोमांटिक थ्रिलर की महिला प्रधान भूमिका निभाने के लिए बोर्ड पर आई हैं। बताया जा रहा है नीरज पांडे और उनकी टीम पिछले कई महीनों से इस भूमिका के लिए नवोदित सितारों पर नजर रख रही थी अन्त में जाकर उन्होंने सई मांजरेकर को इस भूमिका के लिए अनुबंधित किया है। सई की भूमिका क्या होगी इसे फिलहाल जाहिर नहीं किया है। बताया जा रहा है कि फिल्म में अजय देवगन और जिम्मी शेरगिल के अतिरिक्त एक और युवा अभिनेता को शामिल किया जाएगा। इसकी जानकारी जल्द ही बाहर आएगी। लखनऊ में जनवरी महीने के अंत तक शूटिंग शुरू हो जाएगी इसके बाद मुंबई में एक और शेड्यूल शूट होगा। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है जिसे 50 दिनों की अवधि में शूट किया जाएगा। पहले फिल्म को जून 2023 में प्रदर्शित करने की घोषणा की गई थी लेकिन अब इसे आगे सरकाते हुए वर्ष के मध्य या अन्त में प्रदर्शित करने की योजना बनाई जा रही है। हालांकि प्रदर्शन तिथि की घोषणा शूटिंग पूरी होने के बाद घोषित की जाएगी।अजय देवगन और नीरज पांडे की यह पहली फिल्म होगी। हालांकि इससे पूर्व अजय देवगन को लेकर नीरज पांडे ने चाणक्य बनाने की घोषणा की थी लेकिन उसे फिलहाल पोस्टपोन करते हुए इस नई रोमांटिक थ्रिल को शूट किया जा रहा है। इस रोमांटिक थ्रिलर में अजय को एक अनोखे अवतार में दिखाया गया है और नीरज दर्शकों को इस ट्रैक के साथ आश्चर्यचकित करने की योजना बना रहे हैं। नीरज पांडे की फिल्म के अलावा अजय देवगन कुमार मंगत के साथ कुछ विषयों पर चर्चा कर रहे हैं जिनमें से एक की शूटिंग 2023 की दूसरी छमाही में शुरू होगी। अभिनेता अगले साल अप्रैल के महीने से सिंघम 3 शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध है और यह निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ देवगन के लिए एक लंबा मल्टी-लोकेशन शेड्यूल होने जा रहा है। आज जैसी स्थिति है सिंघम 3 के 2024 में रिलीज होने की उम्मीद है। एक इंटरव्यू में रोहित शेट्टी ने सिंघम अगेन के लिए अपनी योजनाओं के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था हम सिंघम अगेन के लिए बहुत उत्साहित हैं क्योंकि स्क्रिप्ट वास्तव में अच्छी बनी है। यह जीवन से बड़ा है। हम इसे सूर्यवंशी में एक अलग स्तर पर ले गए और यह सूर्यवंशी से 10 गुना बड़ा है। जिस तरह की स्क्रिप्टिंग हुई है और जिस तरह की कहानी है। कुछ तो है जैसे जब मैंने इसे रणवीर को सुनाया तो उनके रोंगटे खड़े हो गए। कहानी आपको एक ऊंचाई देती है। मैं बहुत कम ही किसी फिल्म को लेकर उत्साहित होता हूं और सिंघम अगेन इतने सालों के बाद एक ऐसी स्क्रिप्ट है जिससे मैं फिल्म शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। सिंघम फिर से रोहित शेट्टी कॉप ब्रह्मांड को आगे बढ़ाता है जिसमें रणवीर सिंह को सिम्बा और अक्षय कुमार को सूर्यवंशी के रूप में दिखाया गया है।अजय की अगली कुछ फिल्मों में भोला और मैदान शामिल हैं। दूसरी ओर जिम्मी शेरगिल इससे पहले नीरज पांडे के साथ ए वेडनेसडे और स्पेशल 26 में काम कर चुके हैं। अजय देवगन स्टारर इस फिल्म को खत्म करने के बाद नीरज जून के महीने से स्पेशल ऑप्स के दूसरे सीजन की ओर बढ़ेंगे जो आगे बढ़ जाएगा। इस साल के अंत तक डिज्नी+हॉटस्टार पर प्रीमियर के लिए तैयार है। उनके पास प्रोडक्शन स्टेज में कई फिल्में भी हैं। सई ने दबंग 3 में सलमान खान के साथ अपने अभिनय की शुरूआत की थी और आखिरी बार अदिवि शेष के साथ मेजर में नजर आई थीं। बता दें कि अजय देवगन दृश्यम 2 की सफलता के साथ हवाई घोड़े पर सवार हैं। अजय अपनी 3 फिल्मों के साथ 300 करोड़ से अधिक का कारोबार करने के साथ 2022 के शीर्ष अभिनेता के रूप में उभरे। फिल्मों के साथ-साथ अजय देवगन के लिए वर्ष 2022 ओटीटी पर भी शानदार रहा। उनकी ओटीटी डेब्यू रूद्रा को वर्ष 2022 में सर्वाधिक देखा व पसन्द किया गया।

बेडरूम से कैंडल जेनर ने शेयर की अपनी सिजलिंग फोटोज

बॉलीवुड तड़का टीम हॉलीवुड एक्ट्रेस कैंडल जेनर अक्सर अपने लुक्स को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बेडरूम से अपनी कुछ बोल्ड फोटोज शेयर की हैं जिन्हें देख फैंस आहें भर रहे हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें इंटरनेट पर काफी वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में केंडल जेनर बेड पर लेटकर कातिलाना पोज दे रही हैं। वन ऑफ शोल्डर ड्रेस में एक्ट्रेस का बेहद बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है। न्यूड मेकअप और मैसी बन से लुक को कंप्लीट करती केंडल काफी कातिलाना लग रही हैं और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक मदमस्त पोज दे रही हैं। केंडल की इन तस्वीरों को फैंस जमकर लाइक कर रहे हैं। बता दें कि कैंडल जेनर सोशल मीडिया की दुनिया में काफी एक्टिव रहती हैं और इंस्टाग्राम पर 271 मिलियन फॉलोअर्स हैं जो उनकी तस्वीरों को जमकर लाइक करते हैं।

सूडोकु नव्वाल- 6316

सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नव्वाल -6315 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्दजाल - 7063

श	रा	आ	स्ट्रे	लि	या	ह	ट	झ	क	अ
छ	क	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	मे
ट	र	ना	झि	दा	इं	सिं	बे	ला	ल	रि
प	म	दा	ड्र	ल	क	डो	हा	दा	र	का
ट्य	रा	र	ष	हा	मि	री	ने	स	र	ट
ह	ह	प	व	पे	ह	ला	ती	शि	न	ती
भा	र	त	अं	रू	स	ट	ह	ला	या	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	कों	जू	ट
स	थो	तें	ब्रा	जी	ल	दा	ने	गो	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
ची	न	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में सर्वाधिक वन क्षेत्र वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

रूस, कनाडा, ब्राजील, अमेरिका, कोंगो, आस्ट्रेलिया, चीन, इंडोनेशिया, पेरु, भारत,

शब्दजाल - 7062 का हल

प्र	अ	मे	क	ए	का	धि	का	र	के	गो
न	को	मे	म	इं	भा	र	त	ति	ना	ला
अ	दा	र	रि	मा	ग	अं	द	ह	ब्र	का
फ्रां	स	ल	का	का	न	स	ध	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	न	मे	इ	ट	ली	दे
अ	ना	का	इं	व	प	का	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	डे	अ	ला	र	ची	न	ज
इं	द्र	भा	र	न	ने	स	रा	न	वि	र्म
के	ग्लैं	ड्रा	अ	लं	का	शि	ह	न	जू	नी
र	का	ड	मा	न	सिं	ब्रा	या	का	प	श
बां	र	ल	प	स्पे	न	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6016

			6		7	
4	33	4	40	7	31	2
	2		3	5		
1	29	3	37	6	35	5
		7	4		5	
6	30	2	24	1	30	3
	6		4			

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6015 का हल

3	5	7	4	2	1	6
1	30	2	37	6	31	3
5	1	6	3	7	2	4
6	37	3	34	1	25	5
4	7	5	6	3	2	1
7	33	4	32	4	30	2
2	3	1	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

लियोनल मेसी की पीएसजी के खिलाफ ऑल स्टार इलेवन की कप्तानी कर सकते हैं रोनाल्डो

रियाद।

सर्वकालिक महान फुटबॉलर्स में शामिल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के बीच मुकाबला देखने को मिल सकता है। गुरुवार को मेसी की पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) टीम सऊदी अरब के ऑल स्टार इलेवन टीम से भिड़ेगी। सऊदी अरब के क्लब अल नस्र को हाल ही में जॉइन करने वाले रोनाल्डो इस मैच में खेलते दिख सकते हैं।

मेसी और रोनाल्डो भले ही एक लीग में नहीं खेल रहे हों, लेकिन फैन्स को अब काफी समय बाद दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। सऊदी की ऑल स्टार इलेवन और पीएसजी के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स में एक और बड़ी बात निकलकर सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोनाल्डो पीएसजी के खिलाफ ऑल-स्टार इलेवन की कप्तानी कर सकते हैं। इसकी जानकारी सऊदी अरब के एंटरटेनमेंट के जनरल अथॉरिटी तुर्की अल-शेख के एकाउंट से साझा की गई है। उनके द्वारा पोस्ट किए गए ट्वीट से इसका खुलासा हुआ है। वीडियो में अल-शेख रोनाल्डो को कैप्टन आर्म्स बैंड पहनाते हुए दिख रहे हैं। इससे कयास लगाया जा रहा है कि रोनाल्डो कप्तानी करते दिखेंगे। मेसी और रोनाल्डो, यकीनन खेल के दो सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वियों में से एक रहे हैं। इन दोनों ने दिसंबर 2020 के बाद से एक-दूसरे का सामना नहीं किया है। 2020 में रोनाल्डो की तब की टीम युवेंतस ने यूईएफए चैंपियंस लीग में मेसी के क्लब बार्सिलोना को 3-0 से हराया था।

2022 फीफा विश्व कप में मेसी की राष्ट्रीय टीम अर्जेंटीना ने ट्रॉफी अपने नाम की थी। कतर में विश्व कप की शुरुआत तक रोनाल्डो मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए खेल रहे थे, लेकिन उन्होंने क्लब के साथ अपने अनुबंध को समाप्त करने का फैसला किया। मैन-यू ने भी उनके अनुबंद को रद्द कर दिया था। पुर्तगाल के स्टार फॉरवर्ड ने कहा था कि वह यूरोप में फुटबॉल खेलना जारी रखना चाहता हैं, लेकिन किसी टीम से डील नहीं हो पाने के बाद रोनाल्डो ने अल नस्र के साथ 200 मिलियन डॉलर की डील साइन की।

वहीं, मेसी भी वर्ल्ड कप जीतने के बाद और कई दिनों की छुट्टी के बाद अपने क्लब पीएसजी लौट आए हैं। सात बार के बैलन डीओर विजेता को अभी भी दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। इस सीजन पीएसजी को चैंपियंस लीग जीतने के लिए फेवरेट माना जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

टेनिस कोर्ट में भी रूस-यूक्रेन आमने-सामने, दोनों देशों के फैन भिड़े, आयोजकों का बड़ा फैसला

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2023 के मुकाबले शुरू हो चुके हैं। फिलहाल पहले राउंड के मुकाबले जारी हैं। हालांकि, यह ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट शुरू होते ही विवादों का दौर भी शुरू हो चुका है। ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी रूस और यूक्रेन आमने-सामने आ गए हैं। दरअसल, दोनों देशों के फैंस के बीच टकराव देखने को मिला है। इस मामले में टेनिस ऑस्ट्रेलिया को भी कूदना पड़ा। साथ ही आयोजकों ने एक बड़ा फैसला भी लिया है। दरअसल, टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों से कहा गया था कि वह किसी तटस्थ ध्वज के तहत हिस्सा ले सकते हैं। हालांकि, झंडे के साथ कोर्ट में एंट्री पर कोई पाबंदी नहीं थी। फैन्स की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए झंडे स्टेडियम में ले जाने की अनुमति दी गई। रूस के झंडे देखे गए थे। वहीं, मंगलवार को महिला सिंगल्स के एक मैच में भी रूसी झंडा देखा गया। ऐसे में यूक्रेन के फैन्स बौखला गए। यूक्रेनी प्रशंसकों ने कथित तौर पर सुरक्षा और पुलिस को स्टैंड में बुलाया। इसके बाद यूक्रेनी राजदूत की शिकायत के बाद टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने रूसी और बेलारूसी झंडे पर प्रतिबंध लगा दिया। उन्होंने यह फैसला खिलाड़ियों और फैन्स की सुरक्षा और उन्हें किसी भी प्रकार के मानसिक तनाव से बचाने के लिए लिया है। मंगलवार को यूक्रेन की केटेरिना बैंडल और रूस की कमिला रखिमोवा के बीच मैच खेला गया। इस मैच में कुछ फैन्स रूसी झंडे के साथ कोर्ट में पहुंचे। इस घटना के बारे में बात करते हुए एक फैन ने एक मीडिया हाउस को बताया कि यह बिल्कुल सुरक्षित नहीं था। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध अभी भी जारी है। टेनिस कोर्ट काफी छोटा होता है। रूसी झंडे के साथ वाला शख्स केटेरिना के बेहद करीब था। मुझे तब काफी डर लग रहा था। केटेरिना और कमिला के बीच मैच की बात करें तो यूक्रेन की खिलाड़ी ने रूसी खिलाड़ी को 7-5, 6-7, 6-1 से हरा दिया। यह मुकाबला दो घंटे 52 मिनट तक चला।

सिंधू और लक्ष्य का अपने समर्थकों के बीच होगा कड़ा इम्तिहान, भारतीय खिलाड़ियों को मिला कठिन ड्रॉ

नई दिल्ली। पीवी सिंधू हों या लक्ष्य सेन या फिर किदांबी श्रीकांत, देश के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों को सुपर 750 टूर्नामेंट खेलना विदेशी धरती पर नसीब होता था। यह पहली बार है जब विश्व बैडमिंटन महासंघ ने भारतीय बैडमिंटन संघ को इंडिया ओपन टूर्नामेंट को सुपर 750 का दर्जा सिर्फ इस बार के लिए नहीं बल्कि अगले चार वर्ष के लिए प्रदान कर दिया है। ईनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट देश और दुनिया के सभी शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी शिरकत करने जा रहे हैं। सिंधू और लक्ष्य इस बार को लेकर ज्यादा उत्साहित हैं कि उन्हें अपने समर्थकों के बीच लंबे समय बाद खेलने का मौका मिलने जा रहा है। गत विजेता विश्व नंबर 10 और यहां सातवीं वरीय लक्ष्य सेन और विश्व नंबर सात पीवी सिंधू यहां खिताब के दावेदार हैं। हालांकि लक्ष्य को पहले ही दौर में विश्व नंबर 8 हमवतन एचएस प्रणय के साथ पहले दौर में अभियान की शुरुआत करनी है। सिंधू को पहले दौर में थाईलैंड की सुपानिदा कातेथांग से खेलना है। सुपानिदा उन्हें पिछले वर्ष इस टूर्नामेंट में हरा चुकी हैं। विश्व नंबर 13 श्रीकांत को विश्व नंबर 1 डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसन से खेलना है।

श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से बाहर: पीठ में लगी चोट, एनसीए में करेंगे रिहैब; रजत पाटीदार टीम इंडिया में शामिल

मुंबई। टीम इंडिया के मिडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। पीठ में इंजरी के चलते वे वनडे सीरीज नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह बीसीसीआई ने मध्य प्रदेश के रजत पाटीदार को टीम में चुना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत को पहला वनडे बुधवार को हैदराबाद में खेलना है। श्रेयस अय्यर पिछले दिनों श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा थे। सीरीज के 3 वनडे में उन्होंने 31.33 की औसत से 94 रन बनाए थे। चोटिल अय्यर अपनी चोट का इलाज कराने और फिटनेस वापस पाने के लिए बेंगलुरु स्थिति नेशनल क्रिकेट एकेडमी पहुंच चुके हैं।

भारतीय हॉकी का गढ़ बना सुंदरगढ़

हर घर हॉकी खिलाड़ी...बच्चे को बैट की जगह स्टिक थमाते हैं, इनाम में मिलता है बकरा-मुर्गा

सुंदरगढ़।

आज की तारीख में भारतीय हॉकी का नाम सुनते ही सबसे पहले ओडिशा जेहन में आता है। यह राज्य भारतीय टीम को स्पॉन्सर करता है। यहां के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक इस समय देश में खेल के सबसे बड़े ब्रांड ऐंबेसडर नजर आते हैं। ओडिशा में ही अभी 15वां हॉकी वर्ल्ड कप भी खेला जा रहा है।

इतना सब होने के बावजूद हॉकी के साथ इस राज्य की लव इस स्टोरी का एक बड़ा किरदार भारत के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले लोगों के लिए अनसुना है। यह किरदार कोई व्यक्ति नहीं है। यह ओडिशा का एक जिला है, जिसका नाम है सुंदरगढ़। यह जिला भारतीय हॉकी का नया गढ़ बन गया है। कैसे बना और क्यों बना यही इस स्टोरी में जानेंगे।

एक जिले से 85 इंटरनेशनल खिलाड़ी

भारतीय हॉकी में सुंदरगढ़ की अहमियत इसी बात से पता चलती है कि यहां 17 ब्लॉक से अब तक 85 खिलाड़ी पुरुष और महिला वर्ग में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। हाल के दशकों में यहां स्टार खिलाड़ियों की पैदावार और भी तेज रही है। पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप तिर्की इसी जिले से हैं। दिलीप इस समय हॉकी इंडिया के अध्यक्ष भी हैं। अभी चल रहे वर्ल्ड कप में भारत की ओर से पहला गोल दागने वाले अमित रोहिदास भी यहीं के रहने वाले हैं। मौजूदा टीम इंडिया के एक अन्य मेंबर नीलम संजीप भी सुंदरगढ़ के हैं।

अब सवाल उठता है कि यहां से इतने शानदार खिलाड़ी एक के बाद एक क्यों सामने आ रहे हैं। इसका जवाब है यहां रहने वाले लोगों में हॉकी के लिए प्यार और समर्पण। यहां की संस्कृति का दूसरा नाम हॉकी को कहा जा सकता है। देशभर में बच्चे बैट-बॉल यानी क्रिकेट खेलना और देखना पसंद करते हैं। सुंदरगढ़ के बच्चे हॉकी स्टिक की सोहबत रखते हैं।

प्रोत्साहन ग्रासरूट लेवल से

सुंदरगढ़ आदिवासी बहुल जिला है। यहां के आदिवासियों ने अपनी परंपरा को भी हॉकी से जोड़ दिया है। यह परंपरा है किसी काम में अच्छा करने पर इनाम के तौर पर मुर्गा या बकरा दिया जाना। यहां के गांव-गांव में हॉकी टूर्नामेंट खेला जाता है। विजेता टीमों को पुरस्कार के तौर पर बकरा या मुर्गा दिया जाता है। जितना बड़ा टूर्नामेंट बकरे की संख्या उतनी ज्यादा। युवा आदिवासी बच्चे इसे हॉकी खेलने के इंसेंटिव के रूप में देखते हैं।

हर साल होता है बकरा टूर्नामेंट, 100 से अधिक गांव खेलते हैं

सुंदरगढ़ जिले में हर साल बकरा टूर्नामेंट आयोजित होते हैं। क्रिसमस यानी 25 दिसंबर को शुरू होने वाले इन टूर्नामेंट में 100 से अधिक गांव खेलते हैं। हर इसके मैचों का आयोजन होता है। अलग-अलग ब्लॉक और गांव इन प्रतियोगिताओं का आयोजन कराते हैं और जीतने वाली टीम को बकरा और मुर्गा ईनाम के रूप में दिया जाता है।

टूर्नामेंट वही खेलेगा, जिसका किसी बड़ी टीम में सिलेक्शन न हुआ हो

इन टूर्नामेंट में वही खिलाड़ी हिस्सा ले सकता है जिसका चयन डिस्ट्रिक्ट, स्टेट या नेशनल लेवल की टीम में न हुआ हो। यह नियम इसलिए बनाया गया है ताकि जो खिलाड़ी खेल में एक मुकाम हासिल कर चुके हैं वे अन्य युवाओं की जगह न घेरें। राज्य सरकार इस टूर्नामेंट के जरिए टैलेंट हंट भी करती है। हुनरमंद खिलाड़ियों की पहतान कर उन्हें राज्य सरकार के पानपोष स्पोर्ट्स हॉस्टल में दाखिला दिया जाता है। वहां उनकी आधुनिक ट्रेनिंग होती है और वे इसकी बदौलत खेल में आगे अपना करियर बनाते हैं।

पानपोष में ट्रेनिंग दे रहे पूर्व ओलिंपियन लाजरूस बारला बताते हैं कि टैलेंट स्काउट करने के लिए वे लोग छोटे-छोटे गांव तक जाते हैं। यहां से प्रतिभावान बच्चों को चुनकर उन्हें तैयार करते हैं। सुंदरगढ़ के हॉकी कल्चर पर वे कहते हैं कि आमतौर पर भारत में जब बच्चा चलना शुरू करता है तो पेरेंट्स उसे बैट थमाते हैं, लेकिन हमारे यहां बच्चे को हॉकी स्टिक थमाई जाती है।

जिले में एस्ट्रोटर्फ और 2 अकादमी भी मौजूद

स्पोर्ट्स हॉस्टल में जो खिलाड़ी अच्छा परफॉर्म करते हैं उन्हें जिले में चल रही दो अकादमी में एडमिशन मिल जाता है। एक अकादमी सेल इंडिया चलाती है और दूसरी राज्य सरकार चलाती है। 1985 में बनी सरकारी अकादमी में इस समय 199 खिलाड़ी मौजूद हैं। सिर्फ इस अकादमी से अब तक 67 इंटरनेशनल खिलाड़ी निकल चुके हैं। दिलीप तिर्की और अमित रोहिदास भी इसी अकादमी से निकले हैं।

सुंदरगढ़ जिले में एस्ट्रोटर्फ भी मौजूद हैं। हॉकी अब तमाम इंटरनेशनल टूर्नामेंट एस्ट्रोटर्फ पर ही होते हैं। सुंदरगढ़ के खिलाड़ी करियर की शुरुआत में ही एस्ट्रोटर्फ पर खेलने की तकनीक में महारत हासिल कर लेते हैं। जल्द ही जिले में 21 एस्ट्रोटर्फ उपलब्ध होने वाले हैं।

सर्जरी के बाद पंत की पहली पोस्ट : लिखा-

रिकवरी चैलेंज के लिए तैयार हूं, रजत-निशु आपने अस्पताल पहुंचाया...कर्जदार रहूंगा

मुंबई।

कार एक्सीडेंट में घायल हुए भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत ने हादसे के बाद सोशल मीडिया पर अपनी पहली पोस्ट की है। घुटने की सफल सर्जरी के बाद अपनी पोस्ट में उन्होंने फैंस को धन्यवाद कहा है।

25 साल के पंत ने पोस्ट में लिखा, आप सभी के सपोर्ट के लिए धन्यवाद। मुझे आपको बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरी सर्जरी सफल रही। मैं जल्द ही रिकवर होने की ओर ध्यान दे रहा हूं। उन्होंने यह भी लिखा, मैं रिकवरी चैलेज के लिए तैयार हूं। मुश्किल दौर में सपोर्ट करने के लिए बीसीसीआई, जय शाह और भारत सरकार का धन्यवाद।

इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने एक के बाद एक 3 पोस्ट किए। उन्होंने अपने आखिरी पोस्ट में एक्सीडेंट के बाद अपनी मदद करने वाले रजत और निशु नाम के युवकों को याद किया। पंत ने लिखा- हो सकता है कि मैं पर्सनली सभी का शुक्रिया अदा नहीं कर पाऊं, लेकिन मुझे इन 2 हीरो को धन्यवाद कहना होगा। जिन्होंने हादसे के बाद मेरी मदद की और मुझे सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया। रजत कुमार और निशु कुमार, धन्यवाद। मैं हमेशा आपका आभारी और ऋणी रहूंगा। पंत के घुटने के लिगामेंट की सफल सर्जरी जनवरी की शुरुआत में हुई थी। वे अभी डॉक्टरों की निगरानी में ही हैं। उनका इलाज मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में चल रहा है। पंत का ऑपरेशन अस्पताल के स्पोर्ट्स मेडिसिन एंड ऑर्थोस्कोपी हेड डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला ने किया था। यह ऑपरेशन 3 घंटे तक चला था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ऋषभ पंत इस बार का वनडे वर्ल्ड नहीं खेलेंगे। पिछले दिनों मुंबई में उनके लिगामेंट की रि-कंस्ट्रक्शन सर्जरी हुई थी। जो सफल रही। अब 6 हफ्ते बाद एक और सर्जरी होनी है। ऐसे में वे कम से कम 18 महीने तक क्रिकेट से दूर रह सकते हैं। उधर, बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि पंत का वर्ल्ड कप के लिए फिट होना बहुत कठिन है। वे मैदान पर कब वापसी करेंगे, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी।सफल सर्जरी के बाद भी पंत आईपीएल -2023 सहित कई बड़े टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे।

पूर्व नंबर एक मुगुरुजा हारीं, रुबलेव ने थिएम को किया बाहर, गार्सिया-साबालेंका अगले दौर में

मेलबर्न।

ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में उलटफेर का दौर जारी है। महिलाओं पहले राउंड के मुकाबले में पूर्व नंबर वन स्पेन की गार्बिन मुगुरुजा को को 26वीं वरीयता प्राप्त बेल्जियम की एलिस मर्टेंस ने 3-6, 7-6, 6-1 से हरा दिया। इसी के साथ मुगुरुजा का इस ग्रैंड स्लैम में सफर समाप्त हो चुका है। वहीं, कैरोलिन गार्सिया और आंद्रे रुबलेव अगले दौरे में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। पिछले साल वीजा कारणों से टूर्नामेंट नहीं खेलने वाले सर्बिया के पूर्व नंबर एक नोवाक जोकोविच भी इस साल वापसी कर रहे हैं। महिलाओं की चौथी वरीयता प्राप्त गार्सिया और पुरुषों की पांचवीं वरीयता प्राप्त रुबलेव दोनों ने सीधे सेटों में जीत हासिल की। इसके बाद मैच को कुछ देर के लिए रोका भी गया। अत्यधिक गर्मी के कारण मुख्य

स्टेडियमों की छतें बंद की गईं। इतना ही मैच के दौरान भारी ड्रामा भी देखने को मिला, जब ऑस्ट्रेलिया में यूक्रेनी राजदूत की शिकायत के बाद टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने रूसी और बेलारूसी झंडे पर प्रतिबंध लगा दिया। रूस के झंडे दो मैचों के दौरान देखे गए थे।

यूक्रेनी प्रशंसकों ने कथित तौर पर सुरक्षा और पुलिस को स्टैंड में बुलाया। इसके बाद टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने रूसी और बेलारूसी झंडे पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया। यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से, ऑस्ट्रेलिया ओपन में रूसी और बेलारूसी खिलाड़ियों को एक तटस्थ ध्वज के तहत हिस्सा लेने के लिए कहा गया है। रूस के रुबलेव ने 2020 के फाइनलिस्ट डोमिनिक थिएम को 36 सेल्सियस तापमान में 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। मौजूदा रैंकिंग में थिएम से कहीं ऊपर रुबलेव ने शानदार खेल दिखाया और किसी भी सेट में वापसी का मौका नहीं दिया। थिएम जो कि पिछले कुछ समय से चोट से जूझते रहे हैं। 2020 में यूएस ओपन चैंपियन बनने के बाद से ऑस्ट्रिया के 98वीं वरीयता प्राप्त थिएम कुछ खास नहीं कर पाए हैं। वह रोलैंड गैरोस यानी फ्रेंच ओपन में दो बार के फाइनलिस्ट भी हैं। 2021 और 2022 सीजन में थिएम करीब नौ महीने तक कोर्ट से दूर रहे। रुबलेव ने मैच के बाद कहा- हम वास्तव में अच्छे दोस्त हैं और मैं जानता हूं कि वह मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। इसलिए मैं उन्हें शुभकामनाएं देना चाहता हूं कि वह जल्द से जल्द उसी स्तर पर वापस आएं जहां उन्होंने चोट की वजह से छोड़ा था। वहीं, महिलाओं में गार्सिया ने केवल 65 मिनट में कनाडा की क्वालिफायर कैथरीन सेबोव को 6-3, 6-0 से हराया और साल के पहले ग्रैंड स्लैम के दावेदार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की।

बाबर आजम की पर्सनल चैट और वीडियो वायरल : दावा- साथी खिलाड़ी की गर्लफ्रेंड के साथ आपत्तिजनक चैट की

मुंबई।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम परेशानियों में घिरते नजर आ रहे हैं। उनकी पर्सनल चैट और वीडियो वायरल हुए हैं। 28 साल के बाबर पर आरोप लगे हैं कि उन्होंने अपने एक साथी खिलाड़ी की गर्लफ्रेंड के साथ आपत्तिजनक चैट की। हालांकि बाबर की ओर से इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कुछ भारतीय मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ये आरोप ईशा राजपूत नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट से लगे हैं। ईशा ने एक के बाद एक 7 पोस्ट की। हालांकि यह अकाउंट वेरिफाइड नहीं है। इस अकाउंट ने 2 ही लोगों को फॉलो कर रखा है। वहीं, इसके 500 फॉलोअर्स हैं।

खिलाड़ी की गर्लफ्रेंड के साथ कर रहे थे।

हनी ट्रैप में फंसने की आशंका

ऐसे में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के हनी ट्रैप में फंसने के कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में यह भी दावा किया गया है कि बाबर ये चैट साथी

पहले भी लग चुके हैं आरोप

बाबर आजम पर कुछ समय पहले एक महिला ने शारीरिक शोषण और मारपीट का आरोप लगाया था। हमीजा मुख्तार नाम की महिला ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा था कि बाबर के साथ उसके संबंध तब थे, जब वह स्टार खिलाड़ी नहीं बने थे। मुख्तार ने बताया कि हम घर से भाग गए थे और बाबर ने मुझे अलग-अलग जगहों पर किराए के घर में रखा था। हालांकि महिला ने बाद में सभी आरोप वापस ले लिए थे। बाबर पर लगे इन आरोपों पर बाबर आजम और पीसीबी की ओर से कोई बयान नहीं आया है। वहां के मीडिया ने भी कुछ नहीं लिखा है।

टीम के खराब प्रदर्शन के कारण हो रही आलोचना

इन दिनों पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के चलते कप्तान बाबर आजम को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा रहा है। उनकी कप्तानी में पाक टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में 2-1 से हार गई। इससे पहले उन्होंने बिना जीत के टेस्ट सीरीज बराबर कराई। नवंबर महीने में पाकिस्तान को टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के हाथों 5 विकेट की हार झेलनी पड़ी थी।

कप्तानी छीनने की साजिश तो नहीं

क्रिकेट पंडित इसे बाबर से कप्तानी छीनने की साजिश बता रहे हैं। दरअसल, कुछ दिन पहले नजम सेठी पाकिस्तानी बोर्ड के नए मुखिया बने हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि बोर्ड का मुखिया बदलते ही कप्तान बदलने की तैयारी हो रही है।

दुबई में एसीसी ऑफिशियल्स से मिले पीसीबी चीफ नजम सेठी

जय शाह से करना चाहते है मुलाकात, पाकिस्तान में एशिया कप कराने की इच्छा

मुंबई।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड यानी पीसीबी के चीफ नजम सेठी दुबई में एसीसी यानी एशियाई क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों से मिले। रिपोर्ट के मुताबिक नजम सेठी एसीसी के चीफ जय शाह से भी मुलाकात करना चाहते है। सेठी शाह से मिलकर इस साल होने वाले एशिया कप के बारे में चर्चा करना चाहते है। नजम चाहते है कि इस साल एशिया कप पाकिस्तान में ही हो। लेकिन, जय शाह ने एशिया कप के पाकिस्तान में होने पर आपत्ति जाता चुके है।

इंटरनेशनल लीग टी-20 की ओपनिंग सेरेमनी में पहुंचे थे सेठी

नजम दुबई इंटरनेशनल लीग टी-20 की ओपनिंग सेरेमनी में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने एसीसी के अधिकारीयों से मुलाकात की और उनसे कहा कि वे चाहते है की इस साल एशिया कप पाकिस्तान में ही हो। इसके लिए वे एसीसी चीफ जय शाह से फरवरी में मुलाकात करना चाहते है।

सेठी ने कुछ समय पहले दुबई जाने के दिए थे संकेत

पाक बोर्ड के अध्यक्ष नजम सेठी ने पिछले महीने ही दुबई जा कर एशिया कप पर चर्चा करने के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि, मैं एसीसी जाऊंगा और देखूंगा कि स्थिति क्या है। हमें सभी के साथ क्रिकेट खेलना है, हम ऐसा कोई कदम नहीं उठाएंगे। जिससे अलगाव न हो। सेठी ने पाकिस्तानी टीम के भारत में वनडे वर्ल्ड कप खेलने पर कहा था- बोर्ड अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप के लिए भारत दौरे पर सरकार की सलाह का पालन करेगा।

जय शाह ने क्या कहा था

एशिया क्रिकेट काउंसिल के प्रेसिडेंट ने अक्टूबर में कहा था कि, एशिया कप 2023 न्यूट्रल वेन्यू पर खेला जाएगा। सरकार हमारी टीम के पाकिस्तान जाने की अनुमति पर फैसला करती है या नहीं, इस पर हम कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। 2023 एशिया कप के लिए यह तय किया गया है कि टूर्नामेंट एक न्यूट्रल वेन्यू पर आयोजित किया जाएगा।

रमीज रजा का फूटा था गुस्सा

दिसंबर 2022 में पीसीबी के पूर्व प्रमुख रमीज राजा ने कहा था कि अगर भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं आने की वजह से उनके साथ से टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार वापस लिए जाते है तो पाकिस्तान एशिया कप 2023 से हटने पर विचार कर सकता है। घर में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज हारने के बाद दिसंबर 2022 में रजा को को पीसीबी चीफ की पोस्ट से हटा दिया गया था।

2008 से पाकिस्तान नहीं गई टीम इंडिया

टीम इंडिया 2008 में आखिरी बार एशिया कप खेलने के लिए ही पाकिस्तान गई थी। वहीं, पाकिस्तान की टीम 2016 में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने आखिरी बार भारत आई थी। 2022 में दोनों टीमें 3 बार भिड़ चुकी हैं। एशिया कप के दौरान दुबई में 2 बार और टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान मेलबर्न में एक बार दोनों देशों के बीच क्रिकेट मैच हुए थे।

तिरुवनंतपुरम में फैंस ने संजू सैमसन को किया याद: पूछा हमारा संजू कहा है, बॉउंड्री पर खड़े सूर्यकुमार ने दिया जवाब,

तिरुवनंतपुरम। टीम इंडिया ने तिरुवनंतपुरम में खेले गए तीसरे वनडे में श्रीलंका को 317 रन से हराया। मैच के दौरान फैंस से संजू सैमसन को याद किया। मैच उनके होम स्टेट केरल में खेला गया था। संजू सैमसन घुटने की चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान बाहर हो गए थे। इस वजह से वे वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले सके। फैंस ने बॉउंड्री लाइन पर फील्डिंग कर रहे सूर्यकुमार यादव से पूछा कि हमारा संजू कहां है। स्टार बैटर सूर्यकुमार के रिएक्शन से सबका दिल जीत लिया। सूर्यकुमार बाउंड्री रोप के पास थे जब फैंस को उनका ध्यान खींचने का मौका मिला।

राष्ट्रसेवा में समर्पित

सुनील कुमार

"सुनील कुमार ने बतौर उप-कमाण्डेंट 100 आर.ए.एफ. बटालियन में गुजरात में तैनाती के दौरान गोधराकांड के उपरान्त भड़के हिंसक दंगों को अपनी टीम के साथ कुशल नेतृत्व, व्यावसायिक दक्षता व प्रशिक्षण के समग्र अनुभव का प्रयोग करते हुए सूरत में 48 घंटे के भीतर कानून एवं व्यवस्था को बहाल करने में अहम भूमिका निभाई, जिसकी प्रशंसा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तत्कालीन मुख्यमंत्री गुजरात द्वारा की गई।"

पुलिस उप-महानिरीक्षक, के.रि.पु. बल

19 सितम्बर, 1968 को बिहार राज्य के भागलपुर जिले में जन्में पटना निवासी सुनील कुमार (पुत्र स्व. रामबृक्ष प्रसाद एवं शान्ति देवी) ने स्नातक उपाधि प्राप्त करने के उपरान्त, भारत ही नहीं बल्कि विश्व के सबसे पुराने एवं बड़े आंतरिक सुरक्षा बल यानि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सीधे नियुक्त राजपत्रित अधिकारी के तौर पर दिसम्बर 1994 से बतौर सहायक कमाण्डेंट अपनी सेवाएं प्रारम्भ की तथा अपने इस 28 वर्षों से अधिक के सेवाकाल के दौरान देश के विभिन्न दुर्गम/अतिदुर्गम/कठिन एवं अशांत क्षेत्रों चाहे वह उग्रवाद से ग्रसित पूर्वोत्तर क्षेत्र हो या जम्मू एवं कश्मीर या नज़सलवाद से ग्रसित एल.डब्ल्यू.ई. का एरिया हो या कानून एवं व्यवस्था से जूझ रहे देश के अन्य क्षेत्र हों, में विभिन्न पदों पर तैनात रहकर समवाय एवं बटालियनों का केन्द्रीय रिवर्ज पुलिस बल के मापदण्डों के अनुसार कुशल नेतृत्व के द्वारा के.रि.पु. बल एवं देश की गरिमा को उच्चतम स्तर पर ले जाने का सफल प्रयास किया है।

श्री कुमार जो कि वर्तमान में मध्य सेक्टर मुख्यालय के.रि.पु. बल लखनऊ में पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं, ने अपने ढाई दशकों से अधिक के शानदार कैरियर में, ज्यादातर देश के आतंकवाद, उग्रवाद एवं नज़सल प्रभावित प्रान्तों जैसे जम्मू-कश्मीर, असम, उड़ीसा, बिहार, नागालैंड, त्रिपुरा, गुजरात और छत्तीसगढ़ जैसे अतिदुर्गम, कठिन एवं अशांत क्षेत्रों में विभिन्न पदों पर तैनात रहकर अपनी व्यावसायिक दक्षता व कुशल नेतृत्व के द्वारा देश की एकता एवं अखण्डता को कायम रखने हेतु अपनी बेहतरीन सेवाएं इस देश के लिए दी है।

बतौर सहायक कमाण्डेंट श्री कुमार प्रारम्भ में जम्मू एवं कश्मीर के श्रीनगर, डोडा और बडगांव जैसे अति संवेदनशील एवं सबसे अधिक आतंकवाद से प्रभावित क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं दी तथा आतंकवाद के खिलाफ चलाये गये अनगिनत अभियानों का पूरी कुशलता के साथ नेतृत्व किया तथा आतंकवादी घटनाओं को सफलतापूर्वक कम करने हेतु तैनाती क्षेत्रों में शांति कायम करने में अहम भूमिका निभाई।

श्री कुमार ने बतौर उप-कमाण्डेंट 100 आर.ए.एफ. बटालियन में गुजरात में तैनाती के दौरान गोधरा काण्ड के उपरान्त भड़के हिंसक दंगों को अपनी टीम के साथ कुशल नेतृत्व, व्यावसायिक दक्षता व प्रशिक्षण के समग्र अनुभव का प्रयोग करते हुए सूरत में 48 घण्टे के भीतर कानून एवं व्यवस्था को बहाल करने में अहम भूमिका निभाई, जिसकी प्रशंसा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी तत्कालीन मुख्यमंत्री गुजरात द्वारा की गई। वर्ष 2001 में गुजरात में आये विनाशकारी भूकम्प के दौरान अहमदाबाद में श्री कुमार ने अपनी टीम के साथ मिलकर अपनी जान जोखिम में डालते हुए 74 नागरिकों की अमूल्य जान बचाई जिसकी सराहना स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उच्चाधिकारियों द्वारा भी की गई।

श्री कुमार द्वारा बतौर कमाण्डेंट दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जैसे नज़सल प्रभावित क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम करने की कमान संभाली तथा अपनी परिचालनिक दक्षता एवं व्यावसायिक कार्य-कुशलता को साबित करते हुए बिना किसी जान-माल व सरकारी सम्पज़ि की क्षति के नज़सलवाद के विरूद्ध सफलतापूर्वक अभियान चलाकर शांति कायम किया तथा नज़सलवाद से ग्रसित दूर-दराज इलाके के भटके हुए युवाओं को राष्ट्र की मुख्य धारा में लाने का सफल प्रयास किया गया।

श्री कुमार ने दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा में अवस्थित प्राचीन और ऐतिहासिक पर्यटन नगरी बारसूर की खोई हुई विरासत एवं प्रसिद्धि को फिर से स्थापित करने की पहल करते हुए तत्कालीन जिलाधिकारी को बारसूर में ऐतिहासिक महत्व के अवशेषों को बहाल करने के लिए पत्र लिखकर की। इस प्रकार श्री कुमार ने अपने सकारात्मक और नि:स्वार्थ प्रयासों के जरिये ऐतिहासिक पर्यटन शहर बारसूर की खोई हुई प्रसिद्धि को स्थानीय प्रशासन एवं सम्मानित लोगों के सहयोग से पुन: स्थापित किया। जिला प्रशासन व छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के सहयोग से बज़ीसा मंदिर परिसर में पहला बारसूर महोत्सव आयोजित किया गया जिसकी सराहना शासन एवं प्रशासन के पदाधिकारियों एवं स्थानीय लोगों द्वारा की गयी।

इसी अनुक्रम में देश के सबसे संवेदनशील तीर्थ स्थलों में से एक माता वैष्णो देवी दरबार की सुरक्षा के साथ-साथ कटरा शहर को व्यापक सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैरान 6 बटालियन के.रि.पु. बल की कमान श्री कुमार के हाथों में सौंपी गई। इस दौरान खूंखार आतंकवादी अजमल कसाब और अफजल गुरु की मौत की सजा के बाद, कटरा के साथ-साथ भवन में आतंकवादी हमले के लिए कई धमकियां मिलीं किन्तु उच्च कोटि की व्यावसायिक दक्षता एवं कुशल रणनीति से श्री कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त रखा और देशद्रोही ताकतों को उनके मंसूबों में कामयाब नहीं होने दिया।

इसके अतिरिक्त श्री कुमार ने श्री वैष्णो माता दरबार श्राईन बोर्ड के साथ-साथ देश के विभिन्न प्रान्तों से आये श्रद्धालुओं की सुरक्षा व उनकी हर प्रकार से मदद के लिए सैदव तत्परता के साथ कार्य किया। श्री वैष्णो माता दरबार में भव्य जागरण का शुभारंभ श्री कुमार के नेतृत्व में किया गया और इनके पदास्थापित रहने तक 4 बार कटरा वासियों के सहयोग से सफलतापूर्वक कराया गया जिसकी हर स्तर पर प्रशंसा की गई।

श्री कुमार ने 87 बटालियन जो कि मणिपुर के अत्यधिक उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र में तैनात थी की कमान संभाली तथा उग्रवाद के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर शान्ति व्यवस्था को कायम रखा। इसी दौरान पूर्वोत्तर में उत्पन्न अर्थव्यवस्था अवरुद्ध (Economic Blockade) स्थिति को पूरी कुशलता व रणनीति से संभाला जिसके परिणामस्वरूप कोई घटना घटित नहीं हुई। इसके साथ ही श्री कुमार ने मणिपुर राज्य के विधानसभा चुनाव के दौरान 3 जिलों एवं संसदीय चुनाव के दौरान 2 जिलों के नोडल अधिकारी की जिम्मेदारियों का निवर्हन कुशलतापूर्वक बिना किसी व्यवधान के चुनाव सम्पन्न कराने में अहम भूमिका निभाई।

श्री कुमार मां वैष्णो देवी सेवा संस्था पटना से पिछले कई वर्षों से जुड़े रहकर समाजसेवा के कार्यों में अपना अभूतपूर्व योगदान दे रहे हैं। इसी अनुक्रम में उन्होंने मां वैष्णो देवी सेवा समिति, पटना के सहयोग से दिनांक 7 फरवरी, 2022 को पीरबहोर थाना इलाके के दरियापुरगोला ब्रह्मस्थान मंदिर के निकट मां ज़्लड सेंटर का शुभारंभ कराया गया जो पूरी तरह से नॉन कॉमर्शियल है। मां ज़्लड सेंटर द्वारा थैलीसिमिया, हीमोफीलिया और एप्लास्टिक एनीमिया सहित समाज के बेहद निर्धन एवं असहाय व्यक्तियों को नि:शुल्क रक्त उपलज्ध कराया जायेगा। इसके अतिरिक्त यह संस्था प्रत्येक वर्ष आर्थिक रूप से कमजोर कन्याओं की शादी कराने में भी सहभागिता करती है।

श्री कुमार एक प्रतिभावान, कर्मठ, ईमानदार एवं सक्रिय पुलिस अधिकारी होने के साथ-साथ एक सहृदयी एवं समाज सेवक के रूप में भी किसी से पीछे नहीं हैं। श्री कुमार समाज के असहाय एवं अत्यन्त गरीब बच्चों के उत्थान हेतु कार्य कर रहीं समाजसेवी संस्थानों से भी जुड़े रहकर उनके उत्थान में अपना विशेष योगदान दे रहे हैं तथा समाज के अन्य लोगों को भी समाज सेवा हेतु प्रेरित करते हैं। अपने सरल एवं सुशील स्वभाव से परिपूर्ण श्री कुमार सदैव देश एवं समाज के जरूरतमंदों को यथोचित मदद करने में सदैव अपने आप को प्रथम पंक्ति में स्थापित रखते हैं।

श्री कुमार को उनके कुशल नेतृत्व एवं सराहनीय सेवाओं के लिए अब तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उच्चाधिकारियों के साथ-साथ सम्बंधित तैनाती क्षेत्रों के शासन एवं प्रशासन के उच्चप्राधिकारियों द्वारा कुल 119 प्रशस्ति पत्रों/डिस्क एवं उज़म प्रवष्टियों से सम्मानित/अलंकृत किया जा चुका है। ○○○

वीरता, साहस और बलिदान का पर्याय केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल

आजादी के बाद 28 दिसम्बर, 1949 को संसद के एक अधिनियम द्वारा इस बल का नाम केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल दिया गया था। तत्कालीन गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल ने नव स्वतंत्र राष्ट्र की बदलती जरूरतों के अनुसार इस बल के लिए एक बहु आयामी भूमिका की कल्पना की थी।

भारत के केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) भारत सरकार के गृह मंत्रालय के तहत काम करता है। सीआरपीएफ की प्राथमिक भूमिका पुलिस कार्रवाई में राज्य/संघ शासित प्रदेशों की सहायता, कानून-व्यवस्था और आतंकवाद विरोध में निहित है। आंतरिक सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल भारत संघ का प्रमुख केंद्रीय पुलिस बल है। यह सबसे पुराना केंद्रीय अर्द्ध सैनिक बल (अब केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के रूप में जानते हैं) में से एक है जिसे 1939 में क्राउन रिप्रजेंटेटिव पुलिस के रूप में गठित किया गया था। क्राउन रिप्रजेंटेटिव पुलिस द्वारा भारत की तत्कालीन रियासतों में आंदोलनों एवं राजनीतिक अशांति तथा साम्राज्यिक नीति के रूप में कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने में लगातार सहायता करने की इच्छा के मद्देनजर, 1936 में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मद्रास संकल्प के मद्देनजर केरिपु बल की स्थापना की गई। आजादी के बाद 28 दिसम्बर, 1949 को संसद के एक अधिनियम द्वारा इस बल का नाम केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल दिया गया था। तत्कालीन गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल ने नव स्वतंत्र राष्ट्र की बदलती जरूरतों के अनुसार इस बल के लिए एक बहु आयामी भूमिका की कल्पना की थी। 1950 से पूर्व भुज, तत्कालीन पटियाला और पूर्वी पंजाब राज्य संघ (पीईपीएसयू) तथा चंबल के बीहड़ों के सभी इलाकों द्वारा केरिपु बल की सैन्य टुकड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की गई। भारत संघ में रियासतों के एकीकरण के दौरान बल ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जूनागढ़ की विद्रोही रियासत और गुजरात में कठियावाड़ की छोटी रियासत जिसने भारतीय संघ में शामिल होने के लिए मना कर दिया था, को अनुशासित करने में इस बल ने केंद्र सरकार की मदद की।

आजादी के तुरंत बाद कच्छ, राजस्थान और सिंध सीमाओं में घुसपैठ और सीमा पार अपराधों की जांच के लिए केरिपु बल की टुकड़ियों को भेजा गया। तत्पश्चात् पाकिस्तानी घुसपैठियों द्वारा शुरू किए गए हमलों के बाद इनको जम्मू-कश्मीर की पाकिस्तानी सीमा पर तैनात किया गया। भारत के हॉट स्प्रिंग (लद्दाख) पर पहली बार 21 अज़्तूबर, 1959 को चीनी हमले को केरिपु बल ने नाकाम किया। केरिपु बल के एक छोटे से गश्ती दल पर चीन द्वारा घात लगाकर हमला किया जिसमें बल के दस जवानों ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी शहादत की याद में देश भर में हर साल 21 अज़्तूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है।

1962 के चीनी आक्रमण के दौरान एक बार फिर बल ने अरूणाचल प्रदेश में भारतीय सेना को सहायता प्रदान की। इस आक्रमण के दौरान केरिपु बल के 8 जवान शहीद हुए। पश्चिमी और पूर्वी दोनों सीमाओं पर 1965 और 1971 में भारत-पाक युद्ध में भी बल ने भारतीय सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया। भारत में अर्द्ध सैनिक बलों के इतिहास में पहली बार महिलाओं की एक टुकड़ी सहित केरिपु बल की 13 कंपनियों को आतंवादियों से लड़ने के लिए भारतीय शांति सेना के साथ श्रीलंका में भेजा गया। ○○○

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**